गुवाहाटी व जोरहाट से एक साथ प्रकाशित

सच से समझौता नहीं

# प्रातः खबर

www.pratahkhabar.com

RNI NO. ASSHIN/2005/15049 PRATAH KHABAR, Guwahati, Saturday, 6 June, 2026 वर्ष 23 अंक 37, गुवाहाटी, शनिवार 6 जून, 2026, ज्येष्ठ मास, कृष्ण पक्ष-6 मूल्य : दस रुपये पेज-12

चंडीगढ़ में आज एकमात्र टेस्ट में भारत और अफगानिस्थान की भिड़ंत-10

भूमि को इमरान खान पर रहा जबर्दस्त क्रश-12

**सुप्रभातम्**

किसी के चेहरे पर मुस्कुराहट की वजह बनना, सबसे बड़ी खुशी और सुकून देता है।

## दो विधायक बने सीएम के राजनीतिक सचिव

**गुवाहाटी, 5 जून (ख.सं.)।** असम सरकार ने मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव पद पर नयी नियुक्तियां की हैं, जिसके तहत नहरकटिया के विधायक तरंग गोगोई और रंगापारा के विधायक कृष्णकमल तांती को यह अहम जिम्मेदारी सौंपी गयी है। दोनों विधायकों को तुरंत प्रभाव से मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव के रूप में नियुक्त कर राज्य प्रशासन और राजनीतिक समन्वय को मजबूत करने का जिम्मा दिया गया है।

## अन्नामलाई ने की नयी पार्टी बनाने की घोषणा

**नयी दिल्ली/चेन्नई, 5 जून (भा)।** अपनी आक्रामक राजनीतिक शैली के कारण लोकप्रियता हासिल करने वाले और द्रविड़ दलों को सीधे चुनौती देने वाले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से आज इस्तीफा दे दिया। अन्नामलाई ने कहा कि उनके लक्ष्य बड़े हैं और नये समावेशी एजेंडे के तहत अधिक लोगों को साथ लेकर चलना होगा। उन्होंने घोषणा की कि वह नया राजनीतिक दल बनाएंगे और तमिलनाडु में अगला चुनाव लड़ेंगे। अन्नामलाई ने सोशल मीडिया के जरिए कहा कि मेरे मन में प्रधानमंत्री मोदी के लिए बहुत सम्मान है। उन्होंने जोर देकर कहा कि उन्होंने गरिमापूर्ण तरीके से भाजपा छोड़ी है। उन्होंने नयी तरह की राजनीति की शुरुआत करने की प्रतिबद्धता भी जतायी। अन्नामलाई ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन द्वारा उनका इस्तीफा स्वीकार किये **शेष पृष्ठ आठ पर**

## एक दिन में लगे एक करोड़ से अधिक पौधे

**गुवाहाटी, 5 जून (ख.सं.)।** मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली असम सरकार और प्रदेश भाजपा ने संयुक्त रूप से आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राज्य में 1 करोड़ 2 लाख पौधे रोपकर हरित असम के निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया। पार्टी की 28 हजार बूथ समितियों ने प्रत्येक बूथ पर 5 पौधे, पार्टी के 65 लाख कार्यकर्ताओं ने प्रत्येक व्यक्ति एक पौधा और असम के प्रत्येक स्वयं सहायता समूह के सदस्यों ने दो-दो पौधे रोपकर राज्य में 1 करोड़ 2 लाख से अधिक पौधे लगाये और विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाली सरकार ने साल 2021 के बाद से पूरे असम के वन क्षेत्रों को बढ़ाने के लक्ष्य के साथ अवैध शिकारियों और अतिक्रमणकारियों के चंगुल से जंगलों को मुक्त कराने **शेष पृष्ठ आठ पर**

## इटानगर में 24 घंटे के बंद से जनजीवन प्रभावित

**इटानगर, 5 जून (भा)।** इटानगर राजधानी क्षेत्र (आईसीआर) में आज एक युवा समूह द्वारा बुलाये गये 24 घंटे के बंद के कारण सामान्य जनजीवन प्रभावित रहा। हालांकि राज्य सरकार ने कहा कि संगठन द्वारा उठाये गये मुद्दों का पहले ही समाधान कर दिया गया है। व्यापारिक प्रतिष्ठान, शैक्षणिक संस्थान और बाजार बंद रहे, जबकि सड़कें सुनसान नजर आयीं। सड़कों पर केवल कुछ सरकारी और पुलिस वाहन ही दिखायी दिये। यअरुणाचल प्रदेश इंडिजिनियस यूथ ऑर्गेनाइजेशन (एपीआईवाईओ) ने कथित अनधिकृत मस्जिदों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए और राज्य में अवैध आप्रवासन पर चिंता जताते हुए बंद का आह्वान किया। पुलिस ने बताया कि कल सुबह पांच बजे से छह जून सुबह पांच बजे तक बुलाया गया बंद काफी हद तक शांतिपूर्ण **शेष पृष्ठ आठ पर**

### असम मंत्रिपरिषद का विस्तार

# 12 विधायकों ने ली मंत्री पद की शपथ

## क्षेत्रीय और सामाजिक समीकरण का रखा गया ख्याल

### अजमल ने दी नये मंत्रियों को बधाई

## बिना भेदभाव के सर्वांगीण विकास की जतायी उम्मीद

**गुवाहाटी, 5 जून (ख. स.)।** मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज अपने सरकार के मंत्रिपरिषद में 12 और नये मंत्रियों को शामिल किया। इस विस्तार के साथ ही असम मंत्रिपरिषद की संख्या बढ़कर 17 हो गयी है। मंत्रिमंडल के विस्तार में मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने अनुभवियों के साथ साथ नये और युवाओं को भी मौका दिया है। मुख्यमंत्री ने राज्य के क्षेत्रीय और सामाजिक जानेबाने को इस विस्तार में साधा है। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने आज गुवाहाटी के खानापाड़ा स्थित ज्योति विष्णु कला मंदिर में आयोजित समारोह के दौरान 12 विधायकों केशव महंत, जयंत मल्ल बरुवा, पीयूष हजारिका, डॉ. रनोज पेगु, अशोक सिंघल, बिमल बोरा, कौशिक राय, कृष्णेंदु पाल, विश्वजीत दैमारी, सुशांत बरगोहाईं, अश्विनी रॉय सरकार और नीलिमा देवी को मंत्री पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी। इसमें विश्वजीत दैमारी, सुशांत बरगोहाईं, अश्विनी रॉय सरकार और नीलिमा देवी नये चेहरे है तो केशव महंत, जयंत मल्ल बरुवा, पीयूष हजारिका, डॉ. रनोज पेगु, अशोक सिंघल, बिमल बोरा, कौशिक राय, कृष्णेंदु पाल हिमंत विश्व शर्मा सरकार के पहले कार्यकाल में मंत्री रह चुके है। केशव महंत और पीयूष हजारिका राजग के पिछले दोनों कार्यकाल में मंत्री रह चुके है। बराक घाटी के लखीपुर से भाजपा विधायक कौशिक राय ने हिंदी भाषा में शपथ लिया। वहीं बिमल बोरा ने संस्कृत भाषा में शपथ पाठ किया। कृष्णेंदु पाल ने बंगला भाषा में और बाकी सभी 9 विधायकों ने असमिया भाषा में शपथ पाठ किया। मंगलदै से पहलीबार विधायक बनी नीलिमा देवी को भी इस मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है। डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की सरकार में अब उनको छोड़ 16 मंत्री है। इसके साथ ही असम मंत्रिपरिषद की संख्या पूरी हो गयी है। मंत्रिपरिषद में मुख्यमंत्री ने क्षेत्रीय और सामाजिक समीकरण का पूरा ख्याल रखा है। चाय जनगोष्ठी से रामेश्वर तेली, तो हिंदीभाषी समुदाय से अशोक सिंघल और कौशिक राय, बांग्ला भाषियों समुदाय से कृष्णेंदु पाल और अश्विनी रॉय सरकार को स्थान दिया गया है। वहीं आहोम जनगोष्ठी से अतुल बोरा, सुशांत बरगोहाईं, अजंता नेउग और बिमल बोरा को स्थान दिया गया है। बोड़ो जनजाति से चरण बोड़ो और विश्वजीत दैमारी, मिसिंग जनजाति से डॉ. रनोज पेगू को स्थान दिया गया है। इस मंत्रीपरिषद में दो अजंता नेउग और नीलिमा देवी महिला मंत्री है। इससे पहले हिमंत विश्व शर्मा की सरकार में एक ही महिला मंत्री थी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने अपने मंत्रिपरिषद में राज्य के पांच मंडलों का पूरा ख्याल रखा **शेष पृष्ठ आठ पर**

## विभागों के बंटवारे में लग सकता है एक हफ्ते का समय : सीएम

कैबिनेट ने विधायक पूंजी से लेकर कर्मचारियों के सालाना भत्ता बढ़ाने की दी मंजूरी

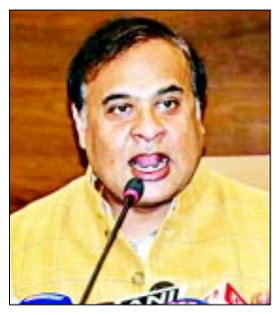

**गुवाहाटी, 5 जून (ख.स.)।** मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा की अध्यक्षता में आज राज्य कैबिनेट की बैठक हुई। दिसपुर स्थित लोक सेवा भवन में हुई इस बैठक में आज शपथ लेने वाले सभी मंत्री भी शामिल हुए। बैठक में सरकारी कर्मचारियों से लेकर शिक्षा आदि कई अहम विषयों पर निर्णय लिया गया। बैठक के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि आज कैबिनेट ने सरकारी कर्मचारियों को सालाना मिलने वाला भत्ता में 2 प्रतिशत की बढ़ती की मंजूरी दी है। इससे पहले कर्मचारियों को सालाना भत्ता 58 प्रतिशत हुआ करता था, जो अब बढ़कर 60 प्रतिशत हो गया है। इसके अलावा कैबिनेट में चतुर्थ वर्ग के कर्मचारियों की पदोन्नति का रास्ता भी साफ कर दिया है। कैबिनेट ने रूल्स को मंजूरी दे दी है, इसके जरिए सरकारी विभागों के **शेष पृष्ठ आठ पर**

## टीम असम का सामूहिक प्रयास राज्य को ले जाएगा प्रगति के पथ पर : सोनोवाल

**गुवाहाटी, 5 जून (ख.सं.)।** केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने आज गुवाहाटी में आयोजित एक समारोह में हिस्सा लिया। यह विशेष कार्यक्रम असम मंत्रिपरिषद के विस्तार और नये मंत्रियों के शपथ ग्रहण के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। इस अवसर पर राज्य के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य और मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। सोनोवाल ने इस ऐतिहासिक और नीति-निर्धारक कार्यक्रम का हिस्सा बनने पर अपनी गहरी प्रसन्नता और संतोष व्यक्त किया। इसके साथ ही उन्होंने मंत्रिमंडल के इस नए स्वरूप का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए शपथ लेने वाले सभी नए मंत्रियों और पुनर्गठित कैबिनेट के सदस्यों को अपनी ओर से हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। इस विशेष और दूरगामी प्रभाव वाले अवसर पर देश और राज्य के विकास के प्रति अपनी कटिबद्धता और विश्वास को और मजबूत **शेष पृष्ठ आठ पर**

## राष्ट्रपति पुतिन का भारत को एसयू-57 स्टील्थ जेट का प्रस्ताव, सह-उत्पादन का दिया संकेत

**सेंट पीटर्सबर्ग, 5 जून (भा)।** रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने नयी दिल्ली को रूस का पांचवीं पीढ़ी का स्टील्थ विमान सुखोई एसयू-57 देने की पेशकश की है और यह सुझाव भी दिया है कि दोनों देशों के बीच मजबूत रणनीतिक साझेदारी के अनुरूप इस लड़ाकू विमान का संयुक्त उत्पादन भारत में भी किया जा सकता है। दशकों से रूस भारत का प्रमुख रक्षा आपूर्तिकर्ता रहा है। हालांकि यूक्रेन युद्ध के कारण आपूर्ति श्रृंखला में लगातार व्यवधान और वितरण में देरी ने नयी दिल्ली को अपनी सैन्य खरीद रणनीति में आक्रामक रूप से विविधता लाने के लिए मजबूर कर दिया है। पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान की वर्षों लंबी खोज के बाद भारत ने अपनी महत्वाकांक्षी एडवांस्ड मल्टीरोल कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) परियोजना शुरू की है, जिसे व्यापक रूप से देश का सबसे बड़ा स्वदेशी एयरोस्पेस कार्यक्रम माना जाता है। **शेष पृष्ठ आठ पर**

## पश्चिमी देशों पर भारत के साथ संबंधों में खलल डालने का लगाया आरोप

**सेंट पीटर्सबर्ग, 5 जून (भा)।** रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने नयी दिल्ली के साथ मॉस्को की रणनीतिक साझेदारी की कल सराहना की और जोर देकर कहा कि भारत को रूस के साथ अपने सहयोग को कम करने के लिए मजबूर करने के पश्चिमी देशों के प्रयास व्यर्थ और वैश्विक स्थिरता के लिए हानिकारक हैं। पुतिन ने पीटीआई सहित प्रमुख वैश्विक समाचार एजेंसियों के प्रमुखों के साथ बातचीत में भारत की आर्थिक वृद्धि और उसकी स्वतंत्र विदेश नीति की सराहना की। उन्होंने कहा कि रूस नयी दिल्ली के साथ अपने आर्थिक संबंधों का विस्तार करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। पुतिन ने कहा कि भारत दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और वर्तमान में **शेष पृष्ठ आठ पर**

## मणिपुर में सशस्त्र हमलावरों के हमले में तीन मरे

**इंफाल, 5 जून (भा)।** मणिपुर के कांगपोकपी जिले में आज सुबह एक गांव पर सशस्त्र हमलावरों द्वारा किये गये हमले में एक महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गयी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिले के सैतू-गामफाजोल उपखंड स्थित लोइबोल खुलेन गांव में सुबह लगभग चार बजे हुए इस हमले के दौरान आग लगने से कम से कम सात घर भी जलकर खाक हो गये। एक अधिकारी ने बताया कि प्रतिद्वंद्वी समूहों के बीच कई मिनट तक चली गोलीबारी के दौरान तीन लोगों की मौत हो गयी। गोलीबारी शुरू होते ही ग्रामीण अपनी जान बचाने के लिए पास के जंगलों की ओर भाग गये। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान लेटखोंगाम हाओकिप, टिनमैरी हाओकिप और जांगमिनलाल हाओकिप के रूप में हुई है। मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह ने हमले की निंदा करते हुए इसे घिनौना और कायरतापूर्ण कृत्य बताया। सिंह ने एक **शेष पृष्ठ आठ पर**

## 2060 तक वैश्विक जीडीपी हिस्सेदारी में चीन को पछाड़ देगा भारत

**नयी दिल्ली, 5 जून (भा)।** भारत वर्ष 2060 के आसपास क्रय शक्ति समता (पीपीपी) के आधार पर वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में हिस्सेदारी के मामले में चीन को पीछे छोड़ सकता है, जबकि सदी के उत्तरार्द्ध में चीन की हिस्सेदारी घटने की संभावना है। आज एक रिपोर्ट में यह अनुमान जताया गया। क्रय शक्ति समता (पीपीपी) उन कुल वस्तुओं एवं सेवाओं की मात्रा को मापती है, जिसे किसी देश की मुद्रा की एक इकाई दूसरे देश में खरीद सकती है। इस रिपोर्ट को शोध संस्थान वर्ल्ड इनइक्वलिटी लैब (डब्ल्यूआईएल) से जुड़े शोधकर्ताओं ने तैयार किया है। पेरिस स्कूल ऑफ इकॉनमिक्स (पीएसई) में स्थित डब्ल्यूआईएल वैश्विक असमानताओं के अध्ययन पर काम करता है। रिपोर्ट कहती है कि वर्तमान में चीन की पीपीपी के संदर्भ में वैश्विक जीडीपी में लगभग 20 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जो अमेरिका की तुलना में लगभग एक-तिहाई अधिक है। इसमें वर्ष 2035 तक चीन की अर्थव्यवस्था के अमेरिका से लगभग दोगुनी होने का अनुमान भी जताया गया है। हालांकि रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन की जनसंख्या हिस्सेदारी तेजी से घट रही है। वर्ष 1945 में जहां यह दुनिया की जनसंख्या का लगभग 23 प्रतिशत थी, वहीं 2025 में यह घटकर करीब 17 प्रतिशत रह गयी है और वर्ष 2100 तक इसके आठ प्रतिशत से भी कम रह जाने का अनुमान है। रिपोर्ट कहती है कि इसी वजह से 21वीं सदी के दूसरे हिस्से में चीन की वैश्विक जीडीपी में हिस्सेदारी स्थिर होने के बाद घटने का अनुमान है। लगभग वर्ष 2060 तक भारत के चीन को पीछे छोड़ देने की संभावना है। इसके मुताबिक इस बात की संभावना बहुत कम है कि चीन कभी उस तरह का वैश्विक प्रभुत्व हासिल कर सकता है, जैसा अमेरिका ने लगभग 1950 के आसपास या यूरोप ने 1900-1910 के बीच हासिल किया था। इसके चलते भविष्य में वैश्विक अर्थव्यवस्था के बहुध्रुवीय बने रहने की संभावना जतायी गयि है। रिपोर्ट के मुताबिक मौजूदा समय में भारत में असमानता **शेष पृष्ठ आठ पर**

पेज : 6 विकास के मुद्दे पर प्रोएक्टिव दिख रहा है बंगाल

पेज : 8 रसायन बनाने वाले कारखाने में विस्फोट, एक मरे

पेज : 9 दो साल से प्रदेश में बिजली की कोई लोड शेडिंग नहीं : ऊर्जा मंत्री

## स्मार्ट बॉर्डर परियोजना अंतिम चरण में

# नये सुरक्षा ग्रिड में अत्याधुनिक तकनीक से होगा लैस : शाह



**अगरतला, 5 जून (भा)।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज कहा कि सरकार की स्मार्ट बॉर्डर परियोजना अंतिम चरण में है, और नये सुरक्षा ग्रिड में अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा तथा इसमें स्थानीय प्रशासन और सीमा प्रहरी भी शामिल होंगे। त्रिपुरा के लंकामुरा सीमा चौकी पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) कर्मियों को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि जहां भी बल के जवान तैनात होंगे, हम वहां स्मार्ट बॉर्डर बनाएंगे। गृह मंत्री ने कहा कि जल्दी ही स्मार्ट बोर्डर प्रणाली लागू की जायेंगी, जिसमें अत्याधुनिक तकनीक, स्थानीय प्रशासन और सीमा प्रहरियों को शामिल करते हुए एक समन्वित सुरक्षा ढांचा तैयार किया जाएगा। शाह ने कहा कि स्मार्ट बॉर्डर की अवधारणा को प्रायोगिक परियोजना के तौर पर देश के सात-आठ स्थानों पर लागू किया जाएगा। मैं केंद्रीय गृह सचिव और बीएसएफ के महानिदेशक से अनुरोध करता हूं कि वे सीमावर्ती क्षेत्रों का दौरा करें और संवाद करें। शाह ने कहा कि मानव तस्करी और हथियारों की तस्करी से लेकर मादक पदार्थों की तस्करी तक हर सीमा की अपनी चुनौतियां होती हैं, लेकिन बीएसएफ के जवान इन चुनौतियों का सामना करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करते हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए हमें सीमा पार से नकली नोटों की तस्करी, मानव तस्करी और मादक पदार्थों की तस्करी को रोकना होगा। शाह ने मई में कहा था कि सरकार अगले साल तक एक तकनीक-सक्षम स्मार्ट बॉर्डर परियोजना शुरू करेगी ताकि पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ 6,000 किलोमीटर लंबी सीमा को अभेद्य बनाया जा सके और यह सुनिश्चित किया जा सके कि देश की जनसांख्यिकी को बदलने का षड्यंत्र विफल हो जाए। उन्होंने कहा था कि स्मार्ट बॉर्डर परियोजना के तहत अभेद्य सीमा बनाने के लिए तकनीक, ड्रोन, रडार और स्मार्ट कैमरों का उपयोग किया जाएगा।

## जीएसए पांच को आयोजित करेगा चयन शिविर

**गुवाहाटी, 5 जून (ख.सं.)।** गुवाहाटी खेल संघ (जीएसए) आगामी वरिष्ठ एवं कनिष्ठ अंतर जिला एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए 7 जून, 2026 को सरूसजाई अभ्यास मैदान में चयन शिविर का आयोजन करेगा। इस दौरान राज्य स्तरीय अंतर जिला चैंपियनशिप में गुवाहाटी जिले का प्रतिनिधित्व करने वाले सबसे होनहार एथलीटों की पहचान करने और उन्हें चुनने के लिए आयोजित किये जा रहे हैं। चयन प्रक्रिया में भागीदारी विशेष रूप से उन एथलीटों तक ही सीमित रहेगी, जिन्होंने हाल ही में संपन्न हुई जीएसए अंतर क्लब एथलेटिक्स मीट में पदक जीते हैं। सभी पात्र एथलीटों को सत्यापन के लिए आवश्यक दस्तावेजों और प्रमाणपत्रों के साथ आयोजन स्थल पर रिपोर्ट करना आवश्यक है। केवल उन्हीं एथलीटों को अपने संबंधित स्पर्धाएं के चयन में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी जिनकी पात्रता का सत्यापन हो जाएगा। जीएसए को उम्मीद है कि यह चयन जिले के प्रमुख एथलीटों को अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने और राज्य की इस प्रतिष्ठित एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में से एक में गुवाहाटी का प्रतिनिधित्व करने का अवसर अर्जित करने के लिए एक प्रतिस्पर्धी मंच प्रदान करेगा।

## एमएलसी चुनाव : महायुति सभी 17 सीटों पर जीत हासिल करेगी : शिंदे



**ठाणे, 5 जून (भा)।** उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आज कहा कि महायुति गठबंधन महाराष्ट्र विधान परिषद की सभी 17 सीटों पर जीत हासिल करेगा, जिनके लिए मतदान 18 जून को होंगे। शिंदे ने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), शिंदे की शिवसेना और सुनेत्रा पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के सत्तारूढ़ गठबंधन ने पुणे, ठाणे और यवतमाल समेत छह सीटें निर्विरोध जीत ली हैं। उन्होंने कहा कि नासिक और जलगांव सीटों के लिए बातचीत सकारात्मक रूप से आगे बढ़ रही है। शिंदे ने यहां आनंद आश्रम में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि महायुति गठबंधन सभी 17 सीटों पर जीत हासिल करेगा। निर्विरोध चुने जाने वालों में रायगढ़-रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग निर्वाचन क्षेत्र से राकांपा के अनिकेत तटकरे, ठाणे से शिवसेना के उम्मीदवार रवींद्र फाटक, यवतमाल से शिवसेना के दुष्यंत चतुर्वेदी, वर्धा-चंद्रपुर-गढ़चिरौली निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के अरुण लखानी और पुणे से महायुति समर्थित राकांपा उम्मीदवार विक्रम काकड़े शामिल हैं। शिंदे ने कहा, कांग्रेस, शिवसेना (उबाठा) और राकांपा (शप) से मिलकर बने महा विकास अघाड़ी में दरार पड़ गयी है और विधानसभा एवं स्थानीय निकाय चुनावों में जनता ने उनका प्रदर्शन देख लिया है। उपमुख्यमंत्री ने व्यंग्य करते हुए कहा कि अघाड़ी में ही गड़बड़ी है। परिषद के चुनाव 18 जून को होने हैं और मतगणना 22 जून को होगी। इन चुनावों के लिए निर्वाचक मंडल में स्थानीय स्वशासन निकायों के सदस्य शामिल हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मानसून के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं और राज्य सरकार भारी बारिश के बीच जान और माल की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। शिंदे ने यह भी कहा कि मंत्रियों को उनके संबंधित विभागों, निर्वाचन क्षेत्रों और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के संबंध में विशिष्ट जिम्मेदारियां सौंपी गयी हैं। उन्होंने कहा कि उनके प्रदर्शन की कड़ी समीक्षा की जाएगी और अगली मंत्रिमंडल बैठक में इस पर चर्चा की जाएगी।

### पंचांग




तिथि संवत: प्रथम ज्येष्ठ (अधिक) कृष्ण पक्ष षष्ठी। विक्रम संवत 2083 शाके 1948, सूर्य उत्तरायण, ऋतु ग्रीष्म, नव सवंत्सर (रौद्र) तारीख 6 जून शनिवार । सूर्योदयकालीन नक्षत्र : श्रवण प्रातः 6.02 बजे तक इसके बाद धनिष्ठा नक्षत्र रहेगा।

योग :- ऐन्द्र प्रातः 10.05 बजे तक इसके बाद वैधृति योग रहेगा।

करण-गर दोपहर 2.04 बजे तक तदुपरांत वणिज करण रहेगा।

ग्रह विचार : (प्रातः 4.30) सूर्य-वृष, चंद्र-मकर सायंकाल 7.05 बजे तक रहेगा इसके बाद कुंभ राशि में प्रवेश , मंगल-मेष, बुध-मिथुन, गुरु-कर्क, शुक्र-मिथुन, शनि-मीन, राहु-कुंभ, केतु-सिंह राशि में स्थित है।

राहुकाल : प्रातः 9.00 बजे से 10।30 बजे तक रहेगा ।

सूर्योदय: 04:30 बजे सूर्यास्त 6:10 बजे।

**ज्योतिर्विद विकास तिवाड़ी**
**गुवाहाटी मो. 9529781915**

## तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता फिरहाद हकीम ने कोलकाता के महापौर पद से दिया इस्तीफा

**कोलकाता, 5 जून (भा)।** तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता फिरहाद हकीम ने आज कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के महापौर पद से इस्तीफा दे दिया। महापौर के इस्तीफे के साथ, पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा कोई अन्य व्यवस्था किये जाने तक नगर निकाय का प्रशासन नौकरशाही के हाथों में जाने की संभावना है। तृणमूल कांग्रेस के सबसे जानेमाने अल्पसंख्यक चेहरों में से एक और पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी के करीबी सहयोगियों में से एक हकीम ने केएमसी की अध्यक्ष माला रॉय के कार्यालय में अपना इस्तीफा सौंप दिया। पद छोड़ने से पहले संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए हकीम ने कहा कि वह अब अपने दायित्वों का निर्वहन उस तरीके से नहीं कर पा रहे थे जैसा वह उचित समझते थे। उन्होंने कहा कि मेरे कार्यकाल के दौरान कोलकाता को चक्रवात अम्फान और कोविड-19 महामारी समेत कई मुश्किल परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। केएमसी अधिकारियों और शहर के नागरिकों के सहयोग से हमने इन चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया। उन्होंने कहा कि मैंने गृढ़ विश्वास के साथ काम किया। अब यह संभव नहीं है। मैं इस पद पर बने रहकर इसकी गरिमा का अनादर नहीं कर सकता। मैं यहां बिना सेना के एक जनरल की तरह नहीं रहना चाहता। चार बार के विधायक ने कहा कि उन्होंने यह फैसला लेने से पहले तृणमूल कांग्रेस की ममता बनर्जी से अनुमति ली थी। उन्होंने कहा कि मैंने अपनी नेता से कहा कि मैं गर्व से अपना सिर ऊंचा रखकर पद छोड़ना चाहता हूं। उन्होंने (ममता बनर्जी) इस संबंध में अपनी सहमति जताई। हकीम ने यह भी स्वीकार किया कि कई परियोजनाएं अधूरी रह गईं। उन्होंने कहा कि अभी बहुत काम अधूरा है। मेरे बाद जो भी लोग इस निगम का संचालन करेंगे, मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं। हो सकता है वे मुझसे भी बेहतर काम करें। यह घटनाक्रम बिधाननगर की महापौर कृष्णा चक्रवर्ती और चंदननगर के महापौर राम चक्रवर्ती के इस्तीफे के ठीक एक दिन बाद सामने आया है। सोवन चटर्जी के इस्तीफे के बाद नवंबर 2018 में हकीम महापौर बने और बाद में नगर प्रशासन के सबसे प्रभावशाली चेहरों में से एक के रूप में उभरे। वह स्वतंत्रता के बाद कोलकाता के पहले मुस्लिम महापौर बने थे। हकीम ने कहा कि जब मैं पहली बार महापौर बना, तो मुझे शहर के लिए बेहतर काम करने का पूरा भरोसा था, लेकिन मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं नेताजी सुभाष चंद्र बोस और देशबंधु चित्तरंजन दास जैसे उन दिग्गजों का योग्य उत्तराधिकारी बन पाऊंगा, जो कभी इस पद पर आसीन थे। उनके इस्तीफे पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा नेता सजल घोष ने कहा कि हकीम महानगर के महापौर के रूप में विफल रहे। उन्होंने कहा कि उन्होंने शहर के लिए क्या किया है? उनका इस्तीफा केवल इस बात को दर्शाता है कि पूरी व्यवस्था कितनी त्रुटिपूर्ण थी। उन्होंने इसलिए इस्तीफा दिया क्योंकि राज्य में सत्ता परिवर्तन हुआ है। केएमसी 2010 से तृणमूल कांग्रेस के नियंत्रण में है, जो ममता बनर्जी द्वारा पश्चिम बंगाल में 34 वर्षों के वामपंथी शासन को समाप्त करने से एक वर्ष पहले का समय है।

## नेपाल में मादक पदार्थ की तस्करी के आरोप में भारतीय नागरिक गिरफ्तार

**काठमांडू, 5 जून (भा)।** नेपाल के मधेस प्रांत से मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप में एक भारतीय सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आज यह जानकारी दी। नेपाल पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, बिहार के मोतिहारी निवासी राकेश कुमार साह (21) और एक नेपाली नागरिक को मादक पदार्थ की तस्करी के आरोप में कल गिरफ्तार किया गया। बयान के अनुसार, नेपाली नागरिक की पहचान बारा जिले के विश्रामपुर ग्रामीण नगरपालिका के परसा जिला निवासी अजीत मगिग्या (20) के रूप में हुई है। बयान में कहा गया है कि भारतीय पंजीकरण वाली एक मोटरसाइकिल की सुरक्षा जांच के दौरान दोनों व्यक्तियों के पास से 17.40 ग्राम ब्राउन सुगर (मादक पदार्थ) बरामद किये जाने के बाद यह गिरफ्तारी की गयी। बयान के अनुसार, पुलिस ने मोटरसाइकिल जब्त कर ली है।

## मोहाली के कार्यालय में पूर्व प्रेमी ने महिला की चाकू मारकर की हत्या

**चंडीगढ़, 5 जून (भा)।** मोहाली में एक निजी कंपनी के कार्यालय के भीतर 29 वर्षीय एक महिला की कथित तौर पर उसके सहकर्मी और ठुकराए हुए प्रेमी ने चाकू मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने आज यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह भयावह घटना अन्य लोगों के सामने घटित हुई। पुलिस के मुताबिक, सहकर्मियों ने महिला को बचाने की कोशिश की, लेकिन वे विफल रहे। मोहाली के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमले की यह नृशंस वारदात कल शाम को हुई। उन्होंने बताया कि आरोपी हरविंदर मान (34) ने डिंपल पर चाकू से कई बार हमले किये और उसके बाद उसी चाकू से खुदकुशी करने की कोशिश की। दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां डिंपल को मृत घोषित कर दिया गया। अधिकारी ने बताया कि मान ने डिंपल पर चाकू से हमले के करीब 30 जख्म थे। उन्होंने बताया कि मान के माता-पिता अमेरिका में रहते हैं। मान का इलाज किया जा रहा है और उसके खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है। मान और डिंपल दोनों पटियाला के निवासी हैं, एक ही दफ्तर में काम करते थे और मोहाली में अलग-अलग पेइंग गेस्ट हाउस में रहते थे। पुलिस ने बताया कि दोनों मोहाली के बेस्टेक मॉल के पास स्थित एक प्रक्रिया-उन्मुख माल ढुलाई ब्रोकरेज और व्यवसाय सहायता कंपनी एसआरपी लॉजिस्टिक्स में लगभग तीन साल से एक साथ काम कर रहे थे। घटनास्थल से मिले कथित सीसीटीवी फुटेज में भयावह श्य साफ नजर आ रहा है, जिसमें आरोपी कंप्यूटर टेबल पर बैठी डिंपल के पीछे आकर उस पर हमला करते दिख रहा है, जबकि डिंपल के बाईं और दाईं ओर खाली कुर्सियां हैं। वीडियो में कुछ दूरी पर बैठा एक कर्मचारी कमरे में आए व्यक्ति से अनजान प्रतीत होता है। इसके बाद डिंपल भागने की कोशिश करती है, लेकिन वीडियो में नजर आ रहा व्यक्ति जो संभवत: मान है, उसके बाल पकड़कर उसे घसीटता है। जब उसके सहकर्मी उसकी मदद के लिए दौड़ते हैं, तो वह कथित तौर पर उनकी ओर चाकू लहराता है और हमला जारी रखता है। घटना के समय पाली में बदलाव हो रहा था और उस समय केवल दो से तीन लोग ही वहां मौजूद थे। प्रारंभिक जांच के अनुसार, डिंपल और मान अच्छे दोस्त थे और कुछ महीने पहले ही दोनों अलग हुए थे। पुलिस के एक अधिकारी ने हत्या से पहले की घटनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि मान ने डिंपल से दोबारा संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन डिंपल ने उसके प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। मोहाली फेज 11 पुलिस थाना के प्रभारी अमन बैदवान ने बताया, वे पहले बहुत अच्छे दोस्त थे, लेकिन बाद में उनके बीच कुछ मतभेद हो गये। बैदवान के मुताबिक, शुरुआती जांच में खुलासा हुआ है कि मान अपनी पूर्व प्रेमिका से अलग होने के बाद से अवसाद में था और उसी दौरान उसका संपर्क डिंपल से हुआ। पटियाला में डिंपल के परिवार वालों ने बताया कि वह एक हंसमुख लड़की थी। डिंपल के एक शोक संतप्त रिश्तेदार ने संवाददाताओं को बताया कि वह सप्ताहांत में घर आती थी और उन्हें कभी ऐसी आशंका नहीं थी कि ऐसा कुछ हो सकता है। पुलिस ने बताया कि पोस्टमॉर्टम के बाद डिंपल का शव परिवार को सौंप दिया गया है। पुलिस के मुताबिक, उसने परिवार के सदस्यों के बयान दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की है। उसने बताया कि चिकित्सकों की अनुमति मिलने के बाद मान का बयान दर्ज किया जाएगा।

## ममता ने तृणमूल कांग्रेस में व्यापक संगठनात्मक किया फेरबदल, अनुभवी नेताओं पर जताया भरोसा



**कोलकाता, 5 जून (भा)।** तृणमूल कांग्रेस के 28 वर्ष के इतिहास में पहली बार फूट पड़ने के बाद पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी ने अस्तित्व के संकट से जूझ रही अपनी पार्टी पर पकड़ मजबूत करने के संकेत देते हुए व्यापक संगठनात्मक फेरबदल किया, जिसमें उन्होंने अपने वफादारों और अनुभवी नेताओं पर भरोसा जताया है। बनर्जी के कालीघाट स्थित आवास पर पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के बाद एक नयी संगठनात्मक कमेटी की घोषणा की गयी। इस नयी कमेटी से यह साफ संकेत मिलता है कि पार्टी हाल के वर्षों में राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व में उभरे नयी पीढ़ी के नेताओं से कुछ दूरी बना रही है। अभिषेक बनर्जी को हालांकि राष्ट्रीय महासचिव के पद पर बरकरार रखा गया लेकिन पार्टी ने उनकी सहायता के लिए राज्यसभा सदस्यों डेरेक ओ'ब्रायन और डोला सेन को राष्ट्रीय संयुक्त सचिव नियुक्त किया। तृणमूल नेतृत्व के पूरे पश्चिम बंगाल में पार्टी की सभी समितियों और अग्रिम मोर्चों को भंग किये जाने के दो दिन बाद ये बदलाव किये गये। यह कदम पार्टी के विधायकों के एक बड़े समूह के विद्रोह के बाद उठाया गया है, जिन्होंने हाल में चुनावी हार के बाद पार्टी नेतृत्व को चुनौती दी है। एक अन्य महत्वपूर्ण निर्णय में, वरिष्ठ मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य को पार्टी प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया और उन्होंने सुब्रत बक्शी का स्थान लिया। पार्टी सूत्रों ने बताया कि बख्शी ने उम्र और स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के कारण संगठनात्मक जिम्मेदारियों से मुक्त होने के लिए बार-बार अनुरोध किया था। नयी राज्य कमेटी में ममता बनर्जी का पुराने सदस्यों और वफादारों पर भरोसा साफ तौर पर दिखायी देता है। पुनर्गठित संगठनात्मक संरचना से फिरहाद हकीम की अनुपस्थिति भी उतनी ही चौंकाने वाली है। ममता बनर्जी के दो दशकों से अधिक समय तक भरोसेमंद सहयोगी और पार्टी के सबसे जाने-माने अल्पसंख्यक चेहरों में से एक हकीम ने कोलकाता के महापौर पद से इस्तीफा दे दिया है। ममता बनर्जी के प्रति व्यक्तिगत रूप से वफादार माने जाने वाले और पुराने नेताओं में से कई को महत्वपूर्ण पद सौंपे गये हैं, जबकि अभिषेक बनर्जी के करीबी माने जाने वाले कई युवा नेता इस सूची से गायब पाये गये। राजनीतिक पर्यवेक्षकों ने इस प्रक्रिया को महज एक सामान्य फेरबदल से कहीं अधिक बताया। एक वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक ने कहा कि यह महज पुनर्गठन नहीं है। ऐसे समय में जब पार्टी अपने सबसे बड़े संकट का सामना कर रही है, ममता बनर्जी उन नेताओं पर भरोसा जता रही है जिनकी वफादरी दशकों से परखी जा चुकी है।इन नियुक्तियों में यही रणनीति झलकती है। सजदा अहमद, ममता ठाकुर, नयना बंद्योपाध्याय और स्वाति खांडेकर को पश्चिम बंगाल प्रदेश तृणमूल कांग्रेस कमेटी का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया, जबकि बाबर अली, पुलक रॉय, आशिमा पात्रा, अरूप बिस्वास और राजीव बनर्जी को राज्य

## जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, दिल्ली के नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं टीम का भव्य शपथ ग्रहण समारोह संपन्न



**नयी दिल्ली, 5 जून।** जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, दिल्ली के नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री विमल कुमार बैंगानी एवं उनकी कार्यकारिणी टीम का शपथ ग्रहण समारोह आज कीर्ति नगर स्थित इनोवेटिवी बैंक्वेट हॉल में श्रद्धा, गरिमा एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में आचार्यश्री महाश्रमण के आज्ञानुवर्ती बुद्धश्रुत मुनिश्री उदित कुमार, मुनिश्री जय कुमार एवं डॉ. मुनिश्री अभिजित कुमार का पावन सान्निध्य प्राप्त हुआ। साधु-संघ के मंगल उद्बोधनों से उपस्थित समाजजन प्रेरित एवं भावविभोर हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कन्हैयालाल जैन पटवारी ने की। मुख्य अतिथि के रूप में विकास मालू तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजभूषण मांगीलाल सेठिया उपस्थित रहे। समारोह में तेजकरण सुराणा, संजय खटेड़, सुमन नाहटा एवं सुखराज सेठिया सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी। कार्यक्रम का शुभारंभ सभा के गीत से हुआ, जिसमे सांस्कृतिक प्रभारी जय सिंह दुगड़ व सभा के अन्य साथियों के साथ सभा गीत की प्रस्तुति दी। नवनिर्वाचित अध्यक्ष विमल कुमार बैंगानी, महामंत्री प्रदीप संचेती एवं उनकी टीम ने समाज सेवा, संगठन सुदृढ़ीकरण तथा तेरापंथ धर्मसंघ के आदर्शों के अनुरूप कार्य करने की शपथ ग्रहण की। उपस्थित समाजबंधुओं ने नवगठित टीम का अभिनंदन करते हुए उनके सफल कार्यकाल की मंगलकामनाएं व्यक्त की। प्रचार-प्रसार प्रभारी हरीश जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि शपथ ग्रहण समारोह में दिल्ली एवं आस-पास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में तेरापंथ समाज के सदस्य, पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ तथा अंत में सभी अतिथियों एवं उपस्थितजनों ने नवगठित टीम को शुभकामनाएं प्रदान

## मणिपुर के मुख्यमंत्री ने सीआरपीएफ प्रमुख के साथ बैठक की



**इंफाल, 5 जून (भा)।** मणिपुर के मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के महानिदेशक के साथ बैठक की, जिसमें सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और जनविश्वास बनाये रखने के उपायों पर चर्चा की गयी। सीआरपीएफ के महानिदेशक ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह मणिपुर के तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर हैं। मणिपुर के मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच पर जारी एक संदेश में कहा कि राज्य के आधिकारिक दौरे पर आये सीआरपीएफ के महानिदेशक ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने सीआरपीएफ के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आज सचिवालय में मुलाकात की। उन्होंने कहा कि राज्य में शांति और कानून-व्यवस्था बनाये रखने में सीआरपीएफ के अमूल्य योगदान की सराहना की गयी। मणिपुर सरकार सुरक्षा को मजबूत करने, जनविश्वास बनाये रखने और सभी समुदायों के बीच सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। पूर्वोत्तर राज्य के अपने दौरे के दूसरे दिन सीआरपीएफ प्रमुख ने उग्रुल जिले के लितान में बल के जवानों से मुलाकात की। एक अधिकारी ने बताया कि महानिदेशक ने शिविर की सुरक्षा और बुनियादी ढांचे का जायजा लिया तथा अधिकारियों के साथ जमीनी स्तर पर परिचालन संबंधी चुनौतियों पर चर्चा की, जिसके बाद वह जवानों के साथ जलपान में शामिल हुए। सीआरपीएफ महानिदेशक ने इंफाल समूह केंद्र में शहीद स्मारक पर जाकर सर्वोच्च बलिदान देने वाले जवानों को श्रद्धांजलि भी अर्पित की। मणिपुर में मई 2023 से मैतेई और कुकी समुदायों के बीच भड़की हिंसा में कम से कम 260 लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं।

## जेजेए का सांगठनिक विस्तार

**रांची, 5 जून (ख.सं.)।** भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ (बीएसपीएस) की झारखंड राज्य इकाई झारखंड पत्रकार संघ (जेजेए) की प्रदेश कमेटी का विस्तार कर दिया गया है। इसके साथ ही संगठन को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से विभिन्न जिलों के लिए प्रभारियों की भी घोषणा कर दी गयी है। यह नियुक्तियां और सांगठनिक विस्तार राष्ट्रीय सचिव सह झारखंड प्रभारी चंदन मिश्रा की सहमति के उपरांत तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। नये सांगठनिक ढांचे के तहत राज्य के सभी चौबीस जिलों में अनुभवी पत्रकारों को जिम्मेदारी सौंपी गयी है, जिनमें कई वरिष्ठ चेहरों को एक से अधिक जिलों की कमान दी गयी है। इस नए विस्तार के तहत देवघर जिले की जिम्मेदारी निरभ किशोर को सौंपी गयी है, जबकि बोकारो के जिला प्रभारी के रूप में मुकेश सिंह कार्य करेंगे। कोयलांचल और संताल परगना के महत्वपूर्ण जिलों में भी संगठन ने प्रभारियों की नियुक्ति की है, जिसके तहत धनबाद का प्रभार जावेद इस्लाम को, पाकुड़ का दायित्व अरविंद कुमार ठाकुर को और गोड्डा की कमान मकसूद आलम को दी गयी है। इसी तरह साहिबगंज जिला प्रभारी के रूप में शौकत खान और दुमका के लिए तपन महतो के नाम की घोषणा की गयी है। संगठन ने कई वरिष्ठ पदाधिकारियों के कंधों पर एक साथ कई जिलों का जिम्मा सौंपा है। वरिष्ठ पत्रकार अभय लाभ को प्रदेश की राजधानी रांची सहित खूंटी, गुमला, लोहरदगा और पूर्वी सिंहभूम जैसे पांच महत्वपूर्ण जिलों का प्रभारी बनाया गया है। वहीं संजीव समीर को भी व्यापक जिम्मेदारी देते हुए हजारीबाग, गिरिडीह, पलामू और चतरा का जिला प्रभारी नियुक्त किया गया है। इसके अतिरिक्त नंदन झा को जामताड़ा और सिमडेगा दोनों जिलों का प्रभार सौंपा गया है। राज्य के अन्य जिलों में रामगढ़ के लिए कृष्णा गुप्ता और कोडरमा के लिए संदीप बरनवाल को प्रभारी मनोनीत किया गया है। पश्चिम सिंहभूम की कमान शचींद्र दास संभालेंगे, जबकि लातेहार में सुनील कश्यप और गढ़वा में राजीव मिश्रा को संगठन का काम आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी दी गयी है। जेजेए की इस नयी टीम और प्रभारियों की घोषणा के बाद प्रदेश के पत्रकार जगत में हर्ष है और उम्मीद जतायी जा रही है कि इससे राज्य में श्रमजीवी पत्रकारों के हितों और उनकी सुरक्षा की लड़ाई को और मजबूती मिलेगी।

## नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल तीन दिवसीय यात्रा पर भारत पहुंचे

**नयी दिल्ली, 5 जून (भा)।** नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल तीन दिवसीय भारत यात्रा के तहत आज नयी दिल्ली पहुंचे। खनाल की इस यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच सीमा विवाद पर नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह की टिप्पणियों से उपजे विवाद के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना है। नेपाल के विदेशमंत्री का शनिवार को अपने भारतीय समकक्ष एस जयशंकर के साथ व्यापक वार्ता करने का कार्यक्रम है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि नेपाल के साथ हमारा एक व्यापक एजेंडा है, जिसमें विकास सहयोग से लेकर लोगों के बीच संबंध, व्यापार और निवेश तक के मुद्दे शामिल हैं। दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की मुलाकात के दौरान इन सभी मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने अपनी साप्ताहिक प्रेस वार्ता में कहा कि हम नेपाल के साथ अपनी इस बहुआयामी साझेदारी को और मजबूत करने के लिए उत्सुक हैं। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने मार्च में सत्ता संभाली थी और उनके सरकार के किसी मंत्री की यह भारत की पहली यात्रा है। बालेन शाह ने 31 मई को कहा था कि भारत के साथ लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद पर चर्चा के अलावा, काठमांडू चीन और ब्रिटेन के साथ भी संपर्क में है। भारत ने हालांकि नेपाल के साथ अपने सीमा विवाद को सुलझाने में किसी भी तीसरे पक्ष की भूमिका को सिरे से खारिज कर दिया। भारत ने कहा कि दोनों देशों के बीच सीमा मुद्दे के सभी पहलुओं से निपटने के लिए एक स्थापित द्विपक्षीय तंत्र मौजूद है। नेपाल और भारत के बीच लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी को लेकर पुराना सीमा विवाद है। भारत स्पष्ट रुख रहा है कि ये क्षेत्र उत्तराखंड का हिस्सा हैं।

## महेश नवमी एवं विश्व पर्यावरण दिवस पर माहेश्वरी युवा संगठन की भव्य साइक्लिंग रैली संपन्न

**गुवाहाटी, 5 जून।** महेश नवमी एवं विश्व पर्यावरण दिवस के पावन अवसर पर माहेश्वरी युवा संगठन, गुवाहाटी (अंतर्गत माहेश्वरी सभा) द्वारा आयोजित साइक्लिंग रैली का सफल एवं उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 35 प्रतिभागियों एवं 25 संगठन पदाधिकारियों एवं सदस्यों की सक्रिय सहभागिता रही। रैली का उद्देश्य युवाओं में स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक एकता के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। प्रातः 6 बजे माहेश्वरी भवन, छत्रीबाड़ी से रैली का शुभारंभ अध्यक्ष सीताराम बिहानी द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस अवसर पर सभा एवं समाज के अनेक वरिष्ठ एवं गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। ध्वजारोहण एवं शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान धनराज झंवर, रमेश तापड़िया, संजीत धूत, राधेश्याम, शंकर बिड़ला, बनवारीलाल बिरला, पूर्वोत्तर संगठन मंत्री कैलाश चितलांगिया, माहेश्वरी युवा संगठन के सलाहकार मनीष बियानी, मनोज डागा, कमल मूंधड़ा, पूर्व सचिव प्रदीप मूंधड़ा सहित अनेक समाजबंधु उपस्थित रहे और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। रैली माहेश्वरी भवन से प्रारंभ होकर उत्तर गुवाहाटी स्थित अश्वकलांता मंदिर तक पहुंची। विशेष रूप से इस वर्ष बड़ी संख्या में नये चेहरों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया, जिससे माहेश्वरी युवा संगठन के समाज को जोड़ने एवं युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ने के उद्देश्य को नयी मजबूती मिली। कार्यक्रम के संयोजक एवं माहेश्वरी युवा संगठन के कोषाध्यक्ष सीए आकाश कल्याणी के नेतृत्व में रैली का सफल संचालन किया गया। इस अवसर पर प्रतिभागी जयप्रकाश जाजू ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज के लोगों को एक-दूसरे के और करीब लाते हैं। स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के लिए यह एक शानदार पहल है। मेरा मानना है कि इस प्रकार की साइक्लिंग रैली महीने में कम से कम दो बार आयोजित की जानी चाहिए। संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि संगठन भविष्य में भी युवाओं, परिवारों एवं समाज के विभिन्न वर्गों को साथ लेकर ऐसे रचनात्मक एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा। रैली ने न केवल स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया, बल्कि समाज में आपसी भाईचारे, सहभागिता एवं एकता की भावना को भी सशक्त बनाया।

स्वत्वाधिकारी प्रातः खबर मीडिया प्राइवेट लिमिटेड, खबर बिल्डिंग, दूसरा तल्ला, साइकिल फैक्ट्री, कालापहाड़, गुवाहाटी- 781016 के लिए **श्याम सुंदर लाटा** द्वारा प्रकाशित तथा उनके लिए पीजी इंडिया लिमिटेड, मिनी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 (असम) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
**E-mail :** pratahkhabar5@gmail.com, pratah_khabar@yahoo.com, **दूरभाष+फैक्स** : 0361-2492131, **मो. :** 091270-70355, **जोरहाट कार्यालय** : 0376-2370042, **फैक्स :** 0376-2370043, **E-mail :** pkhabarjrt@gmail.com
**एडिटर इन चीफ : चंद्रप्रकाश शर्मा**
*प्रकाशन से उत्पन्न सभी विवाद गुवाहाटी न्यायालय के अधीन।*
**संपादक : परमेश्वर सिंह**

नमस्कार गुवाहाटी

मंगलवाणी

जो अपने मन पर नियंत्रण
रखता है,
वही सच्चा विजेता है।

- श्री कृष्ण

प्रातः खबर
शनिवार, 6 जून, 2026

मौसम
अधिकतम 34°
न्यूनतम 25°

Ph. : 2548109
2730431
L. GOPAL JEWELLERS
9-11-14, Kuber A.C. Market
Guwahati - 781001
शुद्ध चांदी के बर्तनों एवं शुद्ध चांदी की सिल्ली व चांदी के सिक्कों का एकमात्र विश्वसनीय प्रतिष्ठान
22/22 KDM Gold Jewellery, Hallmark Gold Jewellery Branded Diamond Jewellery.

0361-2601385
9678211156
D. M. Jeweller's
(As You Like We are)
7/8 (L) Akram's Business
Fancy Bazar, Guwahati-1
शुद्ध सील चांदी के बर्तन एवं असली सिक्कों का प्रतिष्ठित स्थान
We also deal in 22/22 KDM hallmark Jewelleries

# विधायक समेत विभिन्न संगठनों ने किया पौधरोपण

**गुवाहाटी, 5 जून (ख.सं.)।** महानगर में विश्व पर्यावरण दिवस के विशेष अवसर पर मध्य गुवाहाटी विधानसभा क्षेत्र के विधायक विजय कुमार गुप्ता ने फाटाशिल स्थित शहीद पार्क में विष्णुपुर मंडल द्वारा आयोजित उत्सव कार्यक्रम में भाग लिया और स्वयं पौधरोपण कर पर्यावरण की रक्षा करने के अपने संकल्प को दोहराया। इस दौरान उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए विधायक गुप्ता ने कहा कि एक हरित और स्वस्थ पर्यावरण का निर्माण करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से आह्वान किया कि सभी मिलकर बड़ी संख्या में पौधे लगाएं और एक स्वच्छ व हरित समाज के निर्माण में अपना बहुमूल्य योगदान दें। इसी कड़ी में गुवाहाटी नगर निगम (जीएमसी) के वार्ड नंबर 20 के तत्वावधान और आरजी बरुवा कॉलेज के सहयोग से भी एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होते हुए विधायक ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन के जागरूकता कार्यक्रम तक सीमित नहीं होना चाहिए बल्कि इसे हमारी जीवनशैली का एक

अभिन्न हिस्सा बनना होगा। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि बढ़ते वैश्विक तापमान, प्रदूषण और प्राकृतिक असंतुलन के इस दौर में एक हरित पर्यावरण का निर्माण करना बेहद जरूरी हो गया है। इसके साथ ही उन्होंने इस शानदार और उद्देश्यपूर्ण कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए जीएमसी के वार्ड नंबर 20, आरजी बरुवा कॉलेज प्रशासन, छात्र-छात्राओं और इससे जुड़े सभी सहयोगियों के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता और धन्यवाद प्रकट किया। कार्यक्रम के दौरान इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि प्रकृति हमारे जीवन

का आधार है।

**एरीडा :** असम रियल एस्टेट इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स एसोसिएशन (एरिडा) ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गुवाहाटी चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल (जीएमसीएच) परिसर में एक भव्य पौधरोपण अभियान का आयोजन किया। जीएमसीएच के सहयोग से एक हरित ब्रह्मांड की ओर एक आंदोलन विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में लोकसभा सांसद कामाख्या प्रसाद तासा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे जबकि जीएमसीएच के प्रिंसिपल-सह-मुख्य अधीक्षक डॉ. अच्युत वैश्य सम्मानित अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनके साथ ही उप-प्रिंसिपल डॉ. जे. शर्मा और अधीक्षक डॉ. देवजीत चौधरी भी विशिष्ट अतिथियों के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत एरीडा की समाज सेवा उप-समिति के अध्यक्ष बी. दास के स्वागत भाषण दिया।



**मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा गुवाहाटी :** मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा गुवाहाटी ने पर्यावरण दिवस के अवसर पर फैंसी बाजार के साधना मंदिर में शाखा अध्यक्ष संतोष शर्मा के नेतृत्व में अनेकों पौधे लगाये इस कार्यक्रम में प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा, उपाध्यक्ष मुख्यालय विनोद लोहिया, संगठन मंत्री मनोज काला, सहायक मंत्री निरंजन सीकरिया, मेट्रो शाखा के अध्यक्ष अमित कंसल, ग्रेटर शाखा के अध्यक्ष दीपक पोद्दार, सदस्य गौतम गोयनका, संदीप बेरिया की उपस्थिति रही। मंत्री मंजू भंसाली ने कार्यक्रम की जानकारी दी। प्रांतीय अध्यक्ष ने पर्यावरण दिवस के बारे में बताते हुए सदस्यों से अनुरोध किया कि यह कार्यक्रम जरूर से जरूर करना चाहिए। शाखा सलाहकार सरला काबरा और मंजू पाटनी की उपस्थिति सराहनीय रही। इस कार्यक्रम की संयोजिका रेखा गोयल और बिंदु मेहता थी। साथ ही कोषाध्यक्ष शांति कुंडलिया, उपाध्यक्ष रश्मि जैन और कई सदस्यों की उपस्थिति रही।

**मारवाड़ी सम्मेलन कामरूप शाखा :** विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन कामरूप शाखा द्वारा उजान बाजार स्थित नये वॉकिंग जोन पार्क में प्रातः 6 बजे पौध वितरण एवं पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा हरित वातावरण के निर्माण में जनसहभागिता को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा द्वारा पार्क के अंदर वृक्षारोपण करके किया गया। कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष अजीत शर्मा, संस्थापक अध्यक्ष संपत मिश्र, पूर्व अध्यक्ष दिनेश गुप्ता, कोषाध्यक्ष संजय घिड़िया, कार्यकारिणी सदस्य संजय कुमार अग्रवाल एवं विजय भीमसरिया की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संयोजक संतोष जैन एवं भरत जैन की विशेष भूमिका रही, जिनके प्रयासों से यह अभियान प्रभावी रूप से संपन्न हुआ।

**रोटरी क्लब स्मार्ट सिटी :** विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर रोटरी क्लब ऑफ गुवाहाटी स्मार्ट सिटी एवं टॉपसेम सिमेंट के संयुक्त तत्वावधान में मिशन प्रकृति अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अभियान के अंतर्गत आगामी एक माह में पांच हजार पौधों के रोपण एवं वितरण का संकल्प लिया गया है। कार्यक्रम का शुभारंभ क्रिश्चियन बस्ती स्थित जीएस रोड, आनंद नगर बाई लेन नंबर-3 में किया गया। इस अवसर पर रोटरी क्लब ऑफ गुवाहाटी स्मार्ट सिटी के अध्यक्ष बीपी तोदी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और हरित वातावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मिशन प्रकृति अभियान शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि क्लब का लक्ष्य गुवाहाटी को अधिक हरित एवं पर्यावरण अनुकूल शहर बनाना है। उन्होंने कहा कि अभियान के तहत विभिन्न अपार्टमेंट परिसरों, आवासीय क्षेत्रों तथा अन्य उपयुक्त स्थलों पर वृक्षारोपण किया जाएगा। साथ ही लोगों को पौधे वितरित कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया जाएगा।

**लक्ष्मणगढ़ नागरिक परिषद :** लक्ष्मणगढ़ नागरिक परिषद (पूर्वोत्तर) ने शहर के बीचोंबीच फैंसी बाजार कचरा निष्पादन केंद्र के सामने नीम के पौधे का रोपण किया। इस अवसर पर परिषद के अध्यक्ष विशाल भातरा ने कहा कि उक्त पौधों के रख रखाव का जिम्मा लक्ष्मणगढ़ नागरिक परिषद लेती है। यह वृक्षारोपण दुर्गंध के प्रकोप से स्थानीय लोगों एवं राहगीरों के बचाव की एक छोटी सी कोशिश है। कार्यक्रम में मुख्य सलाहकार जयप्रकाश गोयनका, मंत्री प्रियंक जालान, उपाध्यक्ष रतन खाखोलिया, संपत मिश्र, सीए संजय काबरा, मुकेश भातरा, आदर्श शर्मा, विवेक भातरा, विशाल सांगानेरिया, स्वाति भातरा, रितू भातरा, वंदना शर्मा उपस्थित थे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रदेश भाजपा के कार्यकारणी सदस्य मनमोहन सिकरिया ने परिषद के कार्यक्रम और सामाजिक भागीदारी की प्रशंसा की। कार्यक्रम संयोजक युवा अंकित मिश्र ने सभी का धन्यवाद किया।

**एलओजी हिंदी हाईस्कूल :** लालचंद ओंकारमल गोयनका हिंदी हाई स्कूल (एलओजी) में पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में विद्यालय की छात्राओं ने वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर एल ओजीहिंदी हाईस्कूल एल्युमिनी एसोसिएशन के अध्यक्ष संतोष जालान, सचिव प्रदीप सरावगी, सलाहकार और भूमि दानदाता रतन गोयनका, सदस्य श्रवण सरावगी और अशोक छाबड़ा, विद्यालय के प्रधानाध्यापक विद्यनाथ झा के अलावा समस्त शिक्षक और शिक्षिकाएं उपस्थित थी। अध्यक्ष संतोष जालान ने कहा कि विद्यालय के सौंदर्यकरण का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। इसी कड़ी में पौधरोपण कार्य को भी प्राथमिकता दी गयी है। जल्द ही विद्यालय का एक नया रूप समाज के सामने देखने को मिलेगा।

**नव्या लेडीज क्लब :** विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नव्या लेडीज क्लब द्वारा लालगणेश स्थित ब्रह्मबोध आश्रम में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान आम, अमरूद, अनार, लीची सहित विभिन्न फलदार पौधे लगाये गये। क्लब की पूर्व अध्यक्ष कुसुम जैन ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की संयोजक पूजा अग्रवाल एवं हेमलता शर्मा थीं। संयुक्त सचिव पूनम खेमानी ने उपस्थित सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में क्लब के सभी सदस्यों ने सक्रिय सहयोग दिया।

**मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी ग्रेटर व मेट्रो शाखा :** मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी ग्रेटर व मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी मेट्रो शाखा के संयुक्त तत्वावधान में आज डॉ. बी. बरूवा कैंसर इंस्टीट्यूट, गुवाहाटी परिसर में एक भव्य पौधरोपण अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरण फैलाना तथा भावी पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ, हरित एवं स्वस्थ वातावरण के निर्माण में अपना योगदान देना था। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. बी. बरूवा कैंसर इंस्टीट्यूट के उप निदेशक डॉ. देबब्रत बर्मन उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्वोत्तर प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष कैलाश काबरा ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी। इसके अतिरिक्त प्रांतीय उपाध्यक्ष मुख्यालय विनोद लोहिया, प्रांतीय कोषाध्यक्ष दिनेश गुप्ता, प्रांतीय संगठन मंत्री मनोज काला, मंडल ई के उपाध्यक्ष सुशील गोयल, सहायक मंत्री निरंजन सीकरिया, गुवाहाटी ग्रेटर के सचिव अरविंद सर्राफ, गुवाहाटी मेट्रो के सचिव नवीन हरलालका, पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के गणमान्य सदस्य तथा डॉ. बी. बरूवा कैंसर इंस्टीट्यूट के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी तपन भट्टाचार्य सहित अनेक पदाधिकारी एवं अनेक गणमान्य अतिथि कार्यक्रम में

उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी ग्रेटर एवं गुवाहाटी मेट्रो शाखा के अनेक सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

**पारीक महिला परिषद :** विश्व पर्यावरण दिवस के पावन अवसर पर पारीक महिला परिषद, गुवाहाटी द्वारा परशुराम सेवा सदन में पेड़ लगाएं, भविष्य बनाएं की थीम पर विशेष पौधरोपण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। परिषद की अध्यक्ष निशा पारीक के नेतृत्व में सदस्याओं ने विभिन्न प्रकार के सुंदर पौधे गमलों में रोपित कर सदन परिसर को हरियाली से सुसज्जित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन परिषद की फाउंडर अध्यक्ष और वरिष्ठ सलाहकार सुषमा शर्मा के मार्गदर्शन एवं देखरेख में हुआ, जिनके निर्देशन में सभी गमलों को व्यवस्थित रूप से भवन में स्थापित किया गया। इस अवसर पर सुषमा शर्मा ने परशुराम सदन की देखरेख करने वाले ओमप्रकाश शर्मा को उनके समर्पित कार्य के लिए परिषद की ओर से फूलाम गामोछा पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष पूजा जोशी, कार्यकारिणी अध्यक्ष दीपिका जोशी, उपाध्यक्ष निशा शर्मा, ज्योति पुरोहित, सुंदर पारीक, पुष्पा पारीक, पूनम पारीक, कमला पारीक, नेहा जोशी, उर्मी पारीक, गरिमा व्यास, उषा पारीक, सुमन पारीक, ज्योति पारीक, अंतिमा पारीक सहित परिषद की अनेक सदस्याएं मौजूद थी।

**एरीडा :** असम रियल एस्टेट इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स एसोसिएशन (एरिडा) ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गुवाहाटी चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल (जीएमसीएच) परिसर में एक भव्य पौधरोपण अभियान का आयोजन किया। जीएमसीएच के सहयोग से एक हरित ब्रह्मांड की ओर एक आंदोलन विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में लोकसभा सांसद कामाख्या प्रसाद तासा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे जबकि जीएमसीएच के प्रिंसिपल-सह-मुख्य अधीक्षक डॉ. अच्युत वैश्य सम्मानित अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनके साथ ही उप-प्रिंसिपल डॉ. जे. शर्मा और अधीक्षक डॉ. देवजीत चौधरी भी विशिष्ट अतिथियों के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत एरीडा की समाज सेवा उप-समिति के अध्यक्ष बी. दास के स्वागत भाषण दिया।

एसबीआई : स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के गुवाहाटी स्थित स्थानीय मुख्यालय ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने और प्रकृति की रक्षा के महत्व के प्रति जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से पौधरोपण गतिविधियों की एक श्रृंखला आयोजित की। एसबीआई के स्थानीय मुख्यालय परिसर में मुख्य महाप्रबंधक अतुल राठी के नेतृत्व में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में महाप्रबंधक (एनडब्ल्यू-आई) सफल त्रिपाठी, महाप्रबंधक (एनडब्ल्यू-आई) अब्राहम सेल्विन, उप महाप्रबंधक एवं सर्किल विकास अधिकारी सतीश कुमार शर्मा और अन्य एसबीआई अधिकारी उपस्थित थे। गणमान्य व्यक्तियों ने परिसर में पौधे लगाये और पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास के प्रति एसबीआई की प्रतिबद्धता को दोहराया। उत्सव के अंतर्गत एसबीआई ने प्रतिष्ठित गैर सरकारी संगठन विश्राम घर के तत्वावधान में आर्मी पब्लिक स्कूल, नारंगी में आयोजित जैव विविधता कार्यशाला एवं वृक्षारोपण अभियान कार्यक्रम का भी समर्थन किया। इस पहल का उद्देश्य छात्रों और समुदाय के बीच पर्यावरण जागरूकता फैलाना, स्थानीय स्तर पर पायी जाने वाली लुप्तप्राय पक्षी प्रजातियों के संरक्षण को बढ़ावा देना और एक हरित एवं स्वच्छ भविष्य की दिशा में सामूहिक प्रयासों को प्रोत्साहित करना था। इस अवसर पर एसबीआई ने जलवायु परिवर्तन से निपटने, पारिस्थितिक संतुलन बनाये रखने और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करने में वृक्षारोपण के महत्व पर जोर दिया।

आशीर्वाद प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधरोपण किया गया तथा प्रकृति के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के कार्यकारी अध्यक्ष, सचिव, सह-सचिव एवं सभी पदाधिकारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

## राज्यपाल ने की हरित भविष्य की दिशा में सामूहिक प्रयास की अपील

**गुवाहाटी, 5 जून (ख.सं.)।** राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने आज विश्व पर्यावरण दिवस के राष्ट्रीय आयोजन में शामिल होते हुए महानगर के ज्योति विष्णु अंतर्राष्ट्रीय कला मंदिर परिसर में पौधरोपण किया। यह पहल पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस विशेष अवसर पर राज्यपाल ने सभी नागरिकों से वर्तमान और भावी पीढ़ियों के कल्याण के लिए हरित आवरण को बढ़ाने और पर्यावरण की रक्षा में सक्रिय योगदान देने का आग्रह किया। इस वर्ष के विषय प्रकृति से प्रेरित, जलवायु के लिए, भविष्य के लिए का उल्लेख करते हुए उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि जलवायु चुनौतियों का सामना करने और एक सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने के लिए प्रकृति की रक्षा करना अत्यंत आवश्यक है। आचार्य ने जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों से पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार आदतें अपनाने और वृक्षारोपण अभियानों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज लगाया गया प्रत्येक पौधा एक स्वस्थ और हरित भविष्य के निर्माण के लिए एक महत्वपूर्ण निवेश है। इसी कार्यक्रम के दौरान असम की प्रथम महिला कुमुद देवी ने भी एक पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

**शंकरदेव विद्या निकेतन :** विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के गुवाहाटी उप-कार्यालय द्वारा शंकरदेव विद्या निकेतन में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष के कार्यक्रम का मुख्य विषय प्रकृति से प्रेरित जलवायु के लिए हमारे भविष्य के लिए रखा गया था, जिसका उद्देश्य स्कूली छात्रों के बीच पर्यावरण के प्रति चेतना और जागरूकता को बढ़ावा देना था। समारोह की शुरुआत लगभग 500 छात्रों के बीच विभिन्न औषधीय और फलदार वृक्षों के पौधों के वितरण के साथ हुई। इसके साथ ही विद्यालय परिसर में एक वृक्षारोपण अभियान भी चलाया गया, जिसमें छात्रों ने पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों में सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्रालय के उप-कार्यालय के अतिरिक्त निदेशक एवं वैज्ञानिक डॉ. हेमेन हजारिका ने वृक्षारोपण के महत्व, प्लास्टिक के उपयोग में कमी, जल और बिजली के संरक्षण तथा टिकाऊ जीवन शैली को अपनाने पर विशेष जोर दिया।

**गौहाटी विश्वविद्यालय :** गौहाटी विश्वविद्यालय परिसर में आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कुलपति प्रो. ननी गोपाल महंत के साथ कुलसचिव प्रो. उत्पल शर्मा, विभिन्न विभागों के प्राध्यापक और विवि परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, हरित परिवेश के निर्माण और स्वच्छता के प्रति सामाजिक जिम्मेदारी का एक सकारात्मक संदेश दिया गया। इसके साथ ही इस बात पर भी जोर दिया गया कि प्रकृति की रक्षा करने का अर्थ मानव जाति की रक्षा करना ही है।

**शिलसाको बिलपार केंद्रीय समिति :** शिलसाको बिलपार केंद्रीय समिति और सीजीजी थिएटर के तत्वावधान में आज विश्व पर्यावरण दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस विशेष अवसर पर सुबह पूर्वी गुवाहाटी के मैगजीन स्थित नवमिलनपुर विकास समिति तथा शिलसाको बिलपार केंद्रीय समिति के कार्यालय परिसर में एक भव्य पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। केंद्रीय समिति के अध्यक्ष घनकांत दास ने इस पौधरोपण अभियान की शुरुआत की। इस मौके पर अध्यक्ष घनकांत दास ने सभी से एकजुट होने की अपील करते हुए कहा कि हमें इस तरह के वृक्षारोपण अभियानों के माध्यम से धरती को हरा-भरा बनाना होगा और प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने के लिए नई पीढ़ी के बीच पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा करने की पहल करनी होगी।

**कॉटन विश्वविद्यालय :** विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज कॉटन विश्वविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय युवा वाहिनी और छात्र मुक्ति संग्राम समिति की कॉटन विश्वविद्यालय इकाई के तत्वावधान में एक विशेष वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पर्यावरण अनुकूल पहल में महेंद्र नाथ डेका फुकन छात्र आवास, शहीद कनकलता छात्रा निवास और डॉ. कमला रॉय छात्रा निवास ने भी अपना सक्रिय सहयोग दिया। इस अभियान की औपचारिक शुरुआत कॉटन विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशक डॉ. गुनेन्द्र चंद्र दास ने की। इस मौके पर समिति के केंद्रीय संगठनात्मक सचिव पारविच जमान व जाहिर अहमद और राष्ट्रीय युवा वाहिनी के प्रवक्ता अंकुमान बरदलै व मृणाल बड़ा सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दास ने वहां उपस्थित सभी लोगों को प्रेरित करते हुए कहा कि केवल पौधा लगाना ही काफी नहीं है, बल्कि उन पौधों की सही ढंग से देखभाल और प्रतिपालन करना भी हमारी उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने एक सुंदर और हरित धरती के निर्माण के लिए समाज के सभी वर्गों से आगे आने का आह्वान किया। विश्व पर्यावरण दिवस के इस विशेष अभियान के तहत आज विश्वविद्यालय परिसर में आंवला, नीम, हरड़ (शिलिखा), महोगनी और अर्जुन जैसे कई बहुमूल्य व औषधीय पौधे रोपे गए। इसके साथ ही कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों ने इन रोपे गए पौधों की सुरक्षा और उनकी उचित देखरेख करने की जिम्मेदारी भी सामूहिक रूप से ली।

प्रातः खबर
शनिवार, 6 जून 2026

# विश्व पर्यावरण दिवस पर विभिन्न संगठनों ने किया पौधरोपण

**सिलचर, 5 जून (ख.सं)।** विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पहचानो पौधा-घर ले जाओ नामक रोचक एवं ज्ञानवर्धक प्रतियोगिता आयोजित की गयी। कार्यक्रम में मंडल की सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विभिन्न पौधों की जानकारी बढ़ाना तथा लोगों को अधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया गया। प्रतिभागियों को विभिन्न पौधों की पहचान करनी थी तथा सही उत्तर देने वालों को पौधे उपहार स्वरूप प्रदान किये गये। प्रतियोगिता में सभी सदस्यों ने बहुत रूचि दिखाई एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस प्रतियोगिता से सभी महिलाएं अत्यंत प्रसन्न एवं उत्साहित दिखाई दीं। सभी ने इस अनोखी पहल की सराहना की। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर माधवी लखोटिया रही। द्वितीय स्थान पर उमा राठी, उर्मिला काबरा, एवं रमा तुसनियाल रही। सभी विजेताओं को पौधे देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम की संयोजिका सुधा मुंद्रा, मुदिता राठी, एवं ज्योति राठी रही, जिनके मार्गदर्शन एवं प्रयास से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। अंत में सभी सदस्यों ने अधिक से अधिक पेड़ -पौधे लगाने एवं पर्यावरण को स्वच्छ एवं हरा भरा बनाए रखने का संकल्प लिया। वहीं दूसरी ओर आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर लायंस क्लब ऑफ सिलचर वैली व्यू ने सिलचर के दो पौध विक्रेताओं को सम्मानित किया। यद्यपि वे अपनी आजीविका के लिए प्रतिदिन पौधों की बिक्री करते हैं, फिर भी उनका यह कार्य अप्रत्यक्ष रूप से वृक्षारोपण को बढ़ावा देता है और आम लोगों को बड़े पैमाने पर पौधे लगाने के लिए प्रेरित करता है। समाज के प्रति उनके इस योगदान को मान्यता देने तथा भविष्य में भी उन्हें इस कार्य को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से क्लब वैली व्यू ने उन्हें सम्मानित किया। पर्यावरण दिवस के अवसर पर क्लब की अध्यक्षा बंदिता त्रिवेदी राय, संजीव राय तथा अन्य सदस्यों की उपस्थिति में उन्हें उत्तरीय पहनाकर एवं उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया। उनके चेहरे की मधुर मुस्कान ही क्लब के लिए एक अनमोल रिटर्न गिफ्ट थी। इसके अतिरिक्त, क्लब के सदस्यों द्वारा

सिलचर

सिलचर के राहगीरों के बीच भी कुछ पौधे वितरित किये गये। दूसरी ओर परियोजना की अध्यक्ष लायन शिबु चंद्र दास तथा अन्य सदस्यों ने बरखोला विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत 937 नंबर उजान नगर याकूब अली पाठशाला में विद्यालय के विद्यार्थियों एवं प्रबंधन की उपस्थिति में 10 पौधे रोपे। इस दिन को और अधिक यादगार बनाने के लिए क्लब के प्रत्येक सदस्य ने (एक लायन, एक वृक्ष) के नारे को अपनाते हुए एक-एक पौधा लगाया। कुल मिलाकर, लायंस क्लब ऑफ सिलचर वैली व्यू ने आज एक अत्यंत सफल एवं सार्थक विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन और ने पर्यावरण जागरूकता एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता निभाई। संस्थान द्वारा सप्तर्षि पाल, स्वरूप बनिक एवं मौसमी भट्टाचार्य को उनके सहयोग एवं समर्थन के लिए हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया गया। निदेशक मौटुशी चक्रवर्ती ने सभी लाभार्थियों, प्रशिक्षकों, विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम का समापन पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण एवं सतत जीवनशैली को बढ़ावा देने के महत्वपूर्ण संदेश के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

कोकराझाड़

**कोकराझाड़ से हमारे संवाददाता के अनुसार** विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में आज कोकराझाड़ के बिशमुरी में एक विशेष वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 135 इको टास्क फोर्स और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, बंगाईगांव के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नयन कुमार बरुवा, कार्यकारी निदेशक उपस्थित रहे। वहीं कर्नल डेविड खोजोल, कमांडिंग ऑफिसर, 135 इको टास्क फोर्स की गरिमामयी उपस्थिति ने

मंगलदै

कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी। इस अवसर पर लगभग 200 लोगों ने भाग लिया, जिसमें वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारी, सेना के जवान के कार्मिक और स्थानीय स्कूली बच्चे शामिल थे। उपस्थित सभी लोगों ने प्रकृति को हरा-भरा रखने और पर्यावरण को सुरक्षित रखने का संकल्प लिया। अधिकारियों ने अपने संबोधन में कहा कि पर्यावरण का संतुलन बनाये रखने के लिए पेड़ लगाना और उनका संरक्षण करना अनिवार्य है। यह संयुक्त प्रयास स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में शामिल हुए बच्चों में भी पर्यावरण के प्रति गहरा उत्साह देखने को मिला। वहीं दूसरी ओर विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 156वीं बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) द्वारा मेगा वृक्षारोपण अभियान-2026 का आयोजन किया गया। इस अभियान के तहत असम के कुकुरमारी एवं आस-पास के विभिन्न क्षेत्रों में कुल 500 पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व 156वीं बटालियन के द्वितीय कमान अधिकारी कन्हैया सिंह ने किया। इस अवसर पर इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के वरिष्ठ अधिकारी जीएम एवं डीजीएम सहित बटालियन के अधिकारी, जवान तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। वृक्षारोपण अभियान के दौरान कन्हैया सिंह ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वृक्ष मानव जीवन और प्रकृति के संतुलन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। दूसरी ओर आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बोड़ोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल क्षेत्र में प्रकृति के संरक्षण का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर 135 ईटीएफ, बीटीसी प्रशासन, आईओसीएल बांगाईगांव और स्थानीय स्कूलों ने मिलकर पर्यावरण की सुरक्षा के लिए साझा प्रतिबद्धता दोहराई। बिश्मुरी में वृक्षारोपण और जागरूकता कार्यक्रम दिन की शुरुआत सुबह 7 बजे बिश्मुरी और आस-पास के क्षेत्रों में एक उत्साही संयुक्त वृक्षारोपण अभियान के साथ हुई। इस कार्यक्रम में लगभग 200 लोगों ने भाग लिया और धरती को हरा-भरा बनाने के लिए 500 पौधे रोपे। रुनीखाता में विशाल वृक्षारोपण अभियान वहीं बोड़ोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल द्वारा आयोजित एक अन्य मुख्य कार्यक्रम में, 135 ईटीएफ ने चिरांग वन प्रभाग के तहत रुनीखाता वन सर्कल में सक्रिय रूप से भाग लिया। यह मेगा कार्यक्रम बीटीसी के प्रमुख हग्रामा महिलारी के नेतृत्व में आयोजित किया गया। इस अवसर पर बीटीसी के कई अधिकारी, अतिरिक्त पीसीसीएफ, डीएफओ के साथ-साथ स्थानीय बोडो और वनवासी आदिवासी समुदायों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में लगभग 5,000 लोग शामिल हुए। प्रकृति के संरक्षण का संदेश फैलाते हुए 135 ईटीएफ और अकादमी द्वारा प्रतिभागियों के बीच 10,000 पौधों का वितरण किया गया। इस आयोजन ने न केवल पर्यावरण संरक्षण के महत्व को रेखांकित किया, बल्कि सुरक्षा बलों, सरकारी संस्थाओं और आम जनता के बीच एकता का भी अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया। वहीं विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सचिन कुमार, कमांडेंट 15वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, काजलगांव के नेतृत्व में एक भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के मिहिर सिंघल, (महाप्रबंधक उत्पादन), कंडासामी बालमुरुगन (महाप्रबंधक, तकनीकी सेवाएं), आईओसीएल के कर्मचारी, दिल्ली पब्लिक स्कूल, ढालीगांव के स्काउट एंड गाइड छात्र और वाहिनी के अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी अन्य बलकर्मी एवं संदिक्षा सदस्य शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने पर्यावरण संरक्षण के अत्यधिक महत्व पर जोर दिया।

**नगांव से हमारे संवाददाता के अनुसार** विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन, नगांव शाखा द्वारा मारवाड़ी हिंदी हाई स्कूल, नगांव में वृक्षारोपण एवं पौधा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता एवं जिम्मेदारी की भावना विकसित करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ सम्मेलन के आजीवन सदस्य एवं सलाहकार राधारमण खाटुवाला द्वारा विद्यालय के प्रधानाचार्य के देव तथा शाखा के उपाध्यक्ष गोपाल पौद्दार द्वारा विद्यालय संचालन समिति के अध्यक्ष ओमप्रकाश जाजोदिया का फूलाम गामोछा पहनाकर स्वागत एवं अभिनंदन करने के साथ हुआ। इस अवसर पर संचालन समिति के उपाध्यक्ष सुनील आलमपुरिया का भी सम्मान किया गया।शाखा अध्यक्ष प्रमोद कोठारी ने उपस्थित अतिथियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पर्यावरण हमारे जीवन का आधार है और इसके संरक्षण के बिना पृथ्वी पर जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। उन्होंने विद्यार्थियों को अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने तथा पर्यावरण के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया। शाखा उपाध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक गोपाल पौद्दार ने विद्यार्थियों से पौधों की नियमित देखभाल करने का आह्वान किया तथा घोषणा की कि आज वितरित किये जा रहे पौधों की जो विद्यार्थी सर्वश्रेष्ठ देखभाल करेंगे, उनमें से तीन विद्यार्थियों को प्रोत्साहन राशि पुरस्कार स्वरूप प्रदान की जाएगी। इसके पश्चात मण्डलीय उपाध्यक्ष संजय गाड़ोदिया, शाखा अध्यक्ष प्रमोद कोठारी, सचिव विजयराज किल्ला, कोषाध्यक्ष बालकिशन अग्रवाल, उपाध्यक्ष गोपाल पौद्दार व जगदीश धूत, पूर्व अध्यक्ष व लायंस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ललित कोठारी, संगठन मंत्री दिलीप शोभासरिया, सह सचिव सारंग खाटुवाला तथा सदस्य राधारमण खाटुवाला, प्रदीप जाजोदिया, महेश पौद्दार, महेश भजनका, अनुप पौद्दार, विकाश कुहाड़, ओम प्रकाश जाजोदिया, सुनिल आलमपुरीया सहित अन्य सदस्यों ने विद्यालय के छात्र छात्राओं के बीच 100 पौधों का वितरण किया। साथ ही विद्यालय परिसर में 5 पौधों का रोपण भी किया गया।कार्यक्रम का संचालन सारंग खाटुवाला ने किया। कार्यक्रम के उपरांत विद्यार्थियों को चॉकलेट वितरित की गयी तथा शिक्षकों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गयी।

लमडिंग

पौधों, चॉकलेट एवं अल्पाहार की संपूर्ण व्यवस्था कार्यक्रम संयोजक गोपाल पौद्दार द्वारा की गयी। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार एवं मारवाड़ी सम्मेलन के सदस्यों की सक्रिय सहभागिता रही तथा सभी ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।यह जानकारी शाखा के संयुक्त सचिव अरुण नागरका द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गयी है।

**जागीरोड से हमारे संवाददाता के अनुसार** राज्यभर के साथ साथ जागीरोड क्षेत्र के सभी शिक्षा प्रतिष्ठानों ने अलग-अलग कार्यक्रम से विश्व परिवेश दिवस मनाया। विशेष कर जागीरोड घुनुचा स्थित शहीद लखी डेका माध्यमिक विद्यालय संचालन समिति के अध्यक्ष गिरिंद्र डेका ने पौधरोपण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विद्यालय की शिक्षिका मिनती देवी, जहानारा बेगम, शिक्षक फुनु कुमार डेका, रजनी कांत डेका और उत्तम बोरा समेत सभी विद्यार्थियों ने विद्यालय के परिसर में पौधरोपण किया। विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष गिरिंद्र डेका ने दिवस का तात्पर्य विस्तृत रूप से व्याख्यान किया। उधर जागीरोड शिलभंगा स्थित शंकर देव विद्या निकेतन में आचार्य आचार्य और विद्यार्थियों ने मिलकर वृक्षारोपण किया। प्रधानाचार्य रुवुल सैकिया ने ओपचारिक रुप से एक अमरुद के पौधे रोपन कर कार्यक्रम को आगे बढ़ाया।

**रंगिया से हमारे संवाददाता के अनुसार** विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के अवसर पर कामरूप जिले में व्यापक वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। इस वर्ष का विषय क्लाइमेट एक्शन रहा। असम सरकार के महिला-नेतृत्व हरित अभियान के तहत जिले के सभी 13 विकास खंडों में वृक्षारोपण कार्यक्रम से जुड़े स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं ने जिलेभर में लगभग 4.4 लाख पौधे लगाये। पौधों का रोपण घरों, सामुदायिक स्थलों और सार्वजनिक स्थानों पर किया गया। शिक्षा विभाग द्वारा सभी विद्यालयों में वृक्षारोपण कर विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। विद्यालय निरीक्षक तपन कलिता ने बताया कि पूरे जून माह में स्कूलों में पर्यावरण संबंधी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। सामाजिक कल्याण विभाग के तहत सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में वृक्षारोपण किया गया। प्रत्येक केंद्र में बच्चों द्वारा कम से कम एक पौधा लगाया गया। मोइनाखुरुंग मॉडल अस्पताल में जिला स्वास्थ्य समिति द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान जलवायु परिवर्तन से जुड़ी बीमारियों के लिए विशेष ओपीडी क्लिनिक का उद्घाटन किया गया। असम में महिलाओं के नेतृत्व में चल रहे पर्यावरण संरक्षण और हरित अभियान के तहत कामरूप जिले के 13 विकास खंडों में असम राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़े स्वयं सहायता समूहों की महिला सदस्यों की सक्रिय भागीदारी के साथ एक विशाल वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। इस अभियान के हिस्से के रूप में जिले में भारी संख्या में पौधे लगाये गये, जो राज्य के हरित आवरण को बढ़ाने के लक्ष्य में एक महत्वपूर्ण योगदान देंगे। ये पौधे गृह उद्यानों, आवासीय परिसरों, सामुदायिक स्थानों और विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्रों में लगाये गये। यह कदम ग्रामीण महिलाओं को पर्यावरण संरक्षण और जलवायु-सचेत विकास में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करेगा। इसके समानांतर, कामरूप जिला शिक्षा विभाग ने जिले के विभिन्न स्कूलों में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया। दूसरी ओर कामरूप जिला समाज कल्याण विभाग की देखरेख में जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों में भी विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला समाज कल्याण अधिकारी भूपेन भट्टाचार्य ने बताया कि प्रत्येक आंगनवाड़ी केंद्र में कम से कम एक बच्चे द्वारा एक-एक

अमीनगांव

पौधा लगाया गया। इसी तरह राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन और मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत जिला स्वास्थ्य समिति, कामरूप ने मैनाखुरंग आदर्श अस्पताल में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में जलवायु परिवर्तन और सार्वजनिक स्वास्थ्य के बीच के संबंध पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम में कामरूप के संयुक्त स्वास्थ्य सेवा निदेशक डॉ. अजीत दास सहित स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, डॉ. दास ने जलवायु परिवर्तन से जनित बीमारियों के लिए एक विशेष बाह्य रोगी विभाग सेवा का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ रही जापानी इंसेफेलाइटिस, एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम जैसी वेक्टर-जनित बीमारियों के निवारक उपायों पर भी चर्चा की गयी। वहीं दूसरी ओर अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की रंगिया शाखा द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस मुहिम के तहत शाखा की सदस्याओं ने स्थानीय किडजी वाटिका स्कूल जाकर वहां विभिन्न प्रकार के लाभकारी एवं छायादार पौधों का रोपण किया। पौधरोपण के इस विशेष कार्यक्रम में किडजी वाटिका स्कूल की अध्यक्षा मोनिका अग्रवाल सहित विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं और गैर-शिक्षण कर्मचारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे और इस मुहिम में अपना सहयोग दिया। इसके साथ ही, बच्चों और आम जनता में पर्यावरण के प्रति चेतना जगाने के उद्देश्य से संस्था की ओर से स्कूल परिसर की साफ-सफाई करवाई गई तथा स्कूल की दीवार पर, (प्रकृति बचाओ, जीवन बचाओ) का स्लोगन भी लिखवाया गया, ताकि बचपन से ही बच्चों में प्रकृति के प्रति जुड़ाव पैदा हो सके। इसके अलावा पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले प्लास्टिक के खिलाफ कदम उठाते हुए शाखा की सदस्याओं ने स्थानीय बाजार और विभिन्न दुकानों में जाकर कपड़े के बैग (थैले) वितरित किये। सदस्याओं ने दुकानदारों और आम राहगीरों को प्लास्टिक बैग का पूरी तरह से बहिष्कार करने का आग्रह किया। उन्होंने लोगों को समझाया कि प्लास्टिक हमारे पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक है, इसलिए रोजमर्रा के जीवन में कपड़ों के बैग का ही इस्तेमाल करें ताकि पर्यावरण को सुरक्षित रखा जा सके। कार्यक्रम का संचालन पायल लुंडिया और सुषमा सिकरीया और पायल अग्रवाल ने किया। वहीं शाखा की अध्यक्ष अरुणा अग्रवाल, सचिव संगीता सिकरिया सहित सुमन अग्रवाल, मोनिका अग्रवाल और गुंजन लुंडिया आदि सदस्याओं का सक्रिय एवं सराहनीय योगदान रहा।

**लमडिंग से हमारे संवाददाता के अनुसार** समूचे देश एवं राज्य के साथ सामंजस्य स्थापित करते हुए आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के होजाई जिला एवं होजाई मंडल के संयुक्त तत्वावधान में 117 नंबर बूथ क्षेत्र में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत व्यापक वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मां के नाम एक वृक्ष जैसी संवेदनशील, मानवीय एवं पर्यावरण-संवर्धनकारी भावना को केंद्र में रखकर आयोजित इस कार्यक्रम में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ-साथ स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। यह पहल न केवल प्रकृति संरक्षण का प्रतीक बनी, बल्कि सामाजिक जागरूकता के एक सशक्त माध्यम के रूप में भी उभरकर सामने आयी। इस अवसर पर होजाई जिला भाजपा अध्यक्ष दिलीप धर ने अपने वक्तव्य में कहा कि प्रकृति मानव अस्तित्व की मूल आधारशिला है। पर्यावरणीय संतुलन को बनाए रखना तथा भावी पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित, संतुलित और जीवनोपयोगी पृथ्वी का निर्माण करना हम सभी का नैतिक दायित्व है। उन्होंने वृक्षारोपण को जनांदोलन का रूप देने का आह्वान करते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग को इस दिशा में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान अन्य वक्ताओं ने भी विश्व पर्यावरण दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए पर्यावरण संरक्षण के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता व्यक्त की।

# एक लाख से अधिक बच्चों को पोलियो की खुराक देने का लक्ष्य

**कोकराझाड़, 5 जून (ख.सं)।** आगामी 28 जून 2026 को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस (एनआईडी) के सफल संचालन को लेकर कोकराझाड़ जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में आज जिला आयुक्त कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में जिला टास्क फोर्स (डीटीएफ) की बैठक आयोजित की गई, जिसमें अभियान की तैयारियों और व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की गयी। बैठक में राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस के दौरान जिले भर में पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों को ओरल पोलियो वैक्सीन (ओपीवी) की खुराक सुनिश्चित करने के लिए व्यापक रणनीति पर चर्चा की गई। अधिकारियों ने बताया कि 28 जून को पोलियो संडे के रूप में मनाया जाएगा, जिसके तहत निर्धारित टीकाकरण केंद्रों पर बूथ आधारित टीकाकरण अभियान चलाया जाएगा। इसके बाद 29 और 30 जून को घर-घर जाकर विशेष टीकाकरण अभियान संचालित किया जाएगा ताकि बूथ दिवस पर छूट गए बच्चों को भी पोलियो की खुराक दी जा सके और कोई भी पात्र बच्चा

टीकाकरण से वंचित न रहे। अभियान के दौरान बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों, बाजारों तथा अन्य प्रमुख आवागमन स्थलों पर विशेष ट्रांजिट टीमें भी तैनात की जाएंगी, जो यात्रा कर रहे बच्चों का टीकाकरण करेंगी। बैठक में प्रवासी एवं उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देने का निर्णय लिया गया। इन क्षेत्रों में टीकाकरण दलों द्वारा सघन घर-घर संपर्क अभियान चलाकर प्रत्येक पात्र बच्चे तक पहुंच सुनिश्चित की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार कोकराझाड़ जिले में इस वर्ष राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस अभियान के तहत पांच वर्ष से कम आयु के कुल 1,21,269 बच्चों को पोलियो की खुराक देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। बैठक में संयुक्त स्वास्थ्य सेवा निदेशक (जेटीडीएचएस), अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (परिवार कल्याण), जिला प्रतिरक्षण अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और अभियान को सफल बनाने के लिए आवश्यक समन्वय पर बल दिया।

# छात्रा के छोटे व्यवसाय में बाधा डालने का आरोप

**रंगिया, 5 जून (नि.सं)।** रंगिया के तुलसीबाड़ी क्षेत्र की एक कॉलेज छात्रा ने अपने छोटे व्यवसाय में बाधा डालने और धमकाने का आरोप लगाते हुए प्रशासन से न्याय की गुहार लगायी है। पीड़िता दीक्षिता कलिता स्नातक द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा हैं, घर पर केक बनाकर एक छोटी दुकान के माध्यम से बिक्री करती हैं। दीक्षिता के कथनानुसार अपनी पढ़ाई का खर्च वहन करने के उद्देश्य से यह व्यवसाय शुरू किया था। आरोप है कि कामेश्वर और संजय नामक पिता-पुत्र उनके व्यवसाय संचालन में लगातार बाधाएं उत्पन्न कर रहे हैं। पीड़िता का कहना है कि उन्हें अभद्र भाषा में गाली-गलौज की गई तथा विभिन्न प्रकार की धमकियां भी दी गयी। इसके अलावा दुकान के सामने टेम्पो खड़ा कर और कुर्सियां लगाकर ग्राहकों के आवागमन में बाधा पहुंचाई जा रही है, जिससे व्यवसाय प्रभावित हो रहा है। दीक्षिता ने बताया कि लगातार हो रही इन घटनाओं से वह मानसिक रूप से काफी परेशान हैं। उन्होंने पूरे मामले को सोशल मीडिया पर भी साझा किया है। घटना से संबंधित एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहा है। पीड़िता द्वारा प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग के पश्चात पुलिस ने कामेश्वर कलिता को गिरफ्तार कर थाने लाया गया। जहां समझा बुझाकर मामले को शांत किया गया। वहीं घटना को लेकर क्षेत्र में भी चर्चा का माहौल बना हुआ है।

Onyx®
high technology batteries
An ISO 9001 : 2015 Certified Company
SUPREME POWER INDUSTRIES
Mfg. of all types of Inverter, Automotive & E-Rick Batteries
Mariani Road, Cinnamara, Jorhat (Assam) 785008
E-mail : onyxbatteries@gmail.com
For Trade Enquiry Dial :
94350-52877/91018-74862
DEALER
JORHAT- 99546-01024, 98540-10510, 70026-10137, 94350-96629 NAGAON-94351-62696 LAKHIMPUR- 94351-82787 BORPATHAR-94357-42389 SARUPATHAR- 70020-37117 BOKAJAN- 94351-82777, 70026-02799, 75770-99894, 99545-87019, 70028-58905 AMGURI-73990-23273 SIVASAGAR- 99545-65426, 99545-55870, 94351-56225, 70027-45052 DIBRUGARH- 99544-75308 TINSUKIA- 70027-10942 MOKOKCHUNG- 98626-72609, 84138-48878 DIMAPUR- 94366-02206, 98561-08750, 70051-20250

# बंगाल, त्रिपुरा, बिहार में जनसांख्यिकीय बदलाव बर्दाश्त नहीं करेंगे : अमित शाह

**अगरतला, 5 जून (भा)।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज कहा कि केंद्र सरकार पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और बिहार में जनसांख्यिकीय बदलाव को बर्दाश्त नहीं करेगी और वह देश की सीमाओं की सुरक्षा में मौजूद खामियों को दूर करने के लिए कदम उठा रही है। शाह ने त्रिपुरा में लंकामुरा सीमा चौकी पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि सरकार की स्मार्ट बॉर्डर परियोजना अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और बिहार में जनसांख्यिकीय बदलाव को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं की निगरानी और सुरक्षा में मौजूद कमियों को दूर करने के लिए केंद्र हरसंभव प्रयास कर रहा है। गृह मंत्री ने कहा कि स्मार्ट बॉर्डर की अवधारणा को प्रायोगिक परियोजना के रूप में देश के सात से आठ स्थानों पर लागू किया जाएगा। मैं केंद्रीय गृह सचिव और बीएसएफ के महानिदेशक से सीमावर्ती क्षेत्रों का दौरा करने और वार्ता करने का अनुरोध करता हूं। उन्होंने बताया कि नयी सीमा सुरक्षा व्यवस्था में अत्याधुनिक तकनीक, स्थानीय प्रशासन और सीमा पर तैनात सुरक्षा बलों की संयुक्त भागीदारी शामिल होगी। उन्होंने कहा कि हर सीमा की अपनी चुनौतियां होती हैं, चाहे वह मानव तस्करी हो, हथियारों की तस्करी हो या मादक पदार्थों की तस्करी। लेकिन बीएसएफ के जवान इन चुनौतियों का सामना करने के लिए

अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करते हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने कहा कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए हमें सीमा पार से आने वाले नकली नोटों, मानव तस्करी और मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगानी होगी। शाह ने मई में कहा था कि सरकार अगले वर्ष तक प्रौद्योगिकी आधारित स्मार्ट बॉर्डर परियोजना शुरू करेगी, ताकि पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ लगभग 6,000 किलोमीटर लंबी सीमाओं को अभेद्य बनाया जा सके और देश की जनसांख्यिकी बदलने की किसी भी साजिश को विफल किया जा सके। गृह मंत्री ने कहा था कि भारत सरकार ने फैसला किया है कि हम न केवल घुसपैठ रोकेंगे, बल्कि हर एक घुसपैठिए की पहचान कर उसे देश से बाहर भी भेजेंगे। उन्होंने यह भी कहा था कि मैं बीएसएफ के जवानों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि सुरक्षा बल के गठन के 60वें वर्ष के भीतर हम स्मार्ट बॉर्डर परियोजना शुरू करेंगे और व्यापक तकनीकी सहायता के जरिये बांग्लादेश और पाकिस्तान की सीमाओं को अभेद्य बना देंगे। शाह ने यह बात 22 मई को नयी दिल्ली में बीएसएफ द्वारा आयोजित वार्षिक रुस्तमजी स्मृति व्याख्यान को संबोधित करते हुए कही थी।

# इंफाल एयरपोर्ट पर 4.8 करोड़ रुपये की हेरोइन के साथ दो लोग बंदी

**इंफाल, 5 जून (एजें)।** अधिकारियों ने बताया कि कोलकाता जा रहे दो यात्रियों को इंफाल एयरपोर्ट पर गिरफ्तार किया गया, जब सिक्योरिटी कर्मियों ने एक स्क्रीनिंग ऑपरेशन के दौरान उनके सामान से 4.09 संदिग्ध हेरोइन बरामद की। खास इंटेलिजेंस इनपुट पर कार्रवाई करते हुए, सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स (सीआईएसएफ) के जवानों ने एयरपोर्ट पर सिक्योरिटी चेक के दौरान दोनों को रोका और हेरोइन होने का शक के आधार पर प्रतिबंधित सामान जब्त कर लिया। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान सैयद साबिर अली (26) और खुथेइबाम साबिर अहमद (24) के रूप में हुई है, दोनों इंफाल ईस्ट जिले के कियामगेई ओइनम लौकोन के रहने वाले हैं। पुलिस के मुताबिक, दोनों लोगों को कोलकाता जाने वाली फ्लाइट में चढ़ने की कोशिश करते समय बैगेज स्क्रीनिंग के दौरान रोका गया। पुलिस ने बताया कि जब्त की गयी हेरोइन की कीमत इंटरनेशनल अवैध बाजार में करीब 4.8 करोड़ रुपये आंकी गयी है। जब्ती के बाद, आरोपियों को आगे की जांच और कानूनी कार्रवाई के लिए संबंधित अधिकारियों को सौंप दिया गया। नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने कहा कि जांचकर्ता ड्रग्स के सोर्स का पता लगाने और नेटवर्क से जुड़े दूसरे लोगों की पहचान करने की भी कोशिश कर रहे हैं।

# अरुणाचल सरकार ने अवैध घुसपैठ से निपटने के लिए हाई-पावर्ड पैनल बनाया

**इटानगर, 5 जून (एजें)।** अरुणाचल प्रदेश सरकार ने गैर-कानूनी घुसपैठ और इमिग्रेशन से जुड़े मामलों को सुलझाने और राज्य में बॉर्डर मैनेजमेंट और पहचान वेरिफिकेशन सिस्टम को मजबूत करने के उपाय सुझाने के लिए एक हाई-पावर्ड कमेटी बनायी है। मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कल कमेटी बनाने की घोषणा की और इसे कम्युनिटी-बेस्ड ऑर्गनाइजेशन, सिविल सोसाइटी ग्रुप, स्टूडेंट बॉडी, कानूनी एक्सपर्ट और दूसरे स्टेकहोल्डर के साथ सलाह-मशविरा के बाद सुझाए गये चार पैनल में से एक बताया। होम डिपार्टमेंट के एक ऑर्डर के मुताबिक एनवायरनमेंट और फॉरेस्ट मिनिस्टर वांगकी लोवांग कमेटी की अध्यक्षता करेंगे, जबकि कमिश्नर (होम) मेंबर सेक्रेटरी के तौर पर काम करेंगे। पैनल में ऑल अरुणाचल ट्राइबल फोरम (एआईटीएफ), ऑल अरुणाचल प्रदेश स्टूडेंट्स यूनियन (एएपीएसयू), अरुणाचल बचाओ आंदोलन कमेटी के प्रतिनिधियों के साथ-साथ कानूनी एक्सपर्ट और एकेडेमिक्स शामिल हैं। कमेटी को अरुणाचल प्रदेश में गैर-कानूनी घुसपैठ और इमिग्रेशन की सीमा का आकलन करने और बॉर्डर कंट्रोल और मॉनिटरिंग सिस्टम को मजबूत करने के उपाय सुझाने का काम सौंपा गया है। इसके काम में नकली पहचान के कागजात और बिना कागजात वाले सेटलमेंट नेटवर्क के इस्तेमाल की जांच करना, बायोमेट्रिक और डिजिटल वेरिफिकेशन सिस्टम अपनाने का सुझाव देना, और नकली या गैर-कानूनी तरीके से मिले पहचान के कागजात के इस्तेमाल को रोकने के लिए कानूनी और एडमिनिस्ट्रेटिव उपायों की सिफारिश करना शामिल है।

सरकार ने निर्देश दिया है कि सभी सिफारिशें मौजूदा कानूनों और संवैधानिक प्रावधानों के दायरे में रहें। खांडू ने कहा कि कमेटी इस मुद्दे का पूरी तरह से रिव्यू करेगी और राज्य और उसके आदिवासी समुदायों के हितों की रक्षा के लिए उपाय सुझाएगी। पैनल को अपनी पहली मीटिंग की तारीख से सरकार को अपनी रिपोर्ट जमा करने के लिए छह महीने का समय दिया गया है। इसे सरकारी विभागों और जिला प्रशासनों से रिपोर्ट, डेटा और स्टेटस अपडेट मांगने का भी अधिकार दिया गया है और जब भी जरूरत हो, यह स्पेशल इनवाइटी के तौर पर और एक्सपर्ट्स को शामिल कर सकता है। यह कमेटी मुख्यमंत्री की मंजूरी से बनायी गयी थी, जब सीमावर्ती राज्य में माइग्रेशन, पहचान वेरिफिकेशन और बॉर्डर मैनेजमेंट पर लोगों में बहस बढ़ रही थी।

# भारत-म्यांमार सीमा पर कड़ी सुरक्षा के बीच फेंसिंग शुरू

**इटानगर, 5 जून (एजें)।** अरुणाचल प्रदेश के चांगलांग और लोंगडिंग जिलों में भारत-म्यांमार बॉर्डर पर बाड़ लगाने का काम शुरू हो गया है। 2024 में, गृह मंत्रालय (एमएचए) ने पूरे नॉर्थ-ईस्ट इलाके में 1,643 किमी लंबे भारत-म्यांमार बॉर्डर पर बाड़ लगाने के एक बड़े प्लान की घोषणा की। हालांकि इस कदम का मणिपुर, नगालैंड और मिजोरम जैसे राज्यों में लोकल कम्युनिटी ने कड़ा विरोध किया है, लेकिन अरुणाचल प्रदेश में पिछले साल शुरू होने के बाद से काम लगातार आगे बढ़ रहा है। बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन (बीआरओ) बॉर्डर पर बाड़ लगाने का प्रोजेक्ट पूरा कर रहा है। चांगलांग जिले में, प्रोजेक्ट के पहले फेज के तहत प्लान किये गये 7.3 किमी में से 4.14 किमी बाड़ लगाने का काम पूरा हो चुका है। चांगलांग के डिप्टी कमिश्नर विशाल साह ने कहा कि पंगसौ पास इलाके के आस-पास पायलट प्रोजेक्ट आसानी से आगे बढ़ रहा है। हमारा जिला म्यांमार के साथ सबसे लंबा इंटरनेशनल बॉर्डर शेयर करता है। हालांकि यह प्रोजेक्ट बिना चुनौतियों के नहीं रहा है। इस साल मार्च में चांगलांग जिले में इंडिया-म्यांमार बॉर्डर पर बॉर्डर पर फेंसिंग के काम में लगी एक टीम पर संदिग्ध मिलिटेंट्स ने गोली चलायी, जिसमें असम रायफल्स का एक जवान घायल हो गया। खबर है कि एनएससीएन (के-वाईए) के सदस्यों ने फेंसिंग प्रोजेक्ट पर काम कर रही टीम पर हमला किया। इंडो-म्यांमार बॉर्डर की रखवाली करने वाली असम राइफल्स, इस प्रोजेक्ट में शामिल वर्कर्स को सिक्योरिटी कवर दे रही है। लोंगडिंग जिले में पहले फेज में कुल 20.5 किमी बॉर्डर फेंसिंग का प्रपोजल है। अभी तक, सिर्फ़ अप्रोच रोड बनाने का काम शुरू हुआ है। लोंगडिंग के पुलिस सुपरिंटेंडेंट डेकियो गुमजा ने कहा कि बॉर्डर पोस्ट (वीपी) 156 से 160 तक के हिस्से पर फेंसिंग का प्रपोजल है। कई इलाकों में, इलाका बहुत मुश्किल है, और इसलिए अभी वहां फेंसिंग का काम प्लान नहीं किया गया है। तिरप जिले में, प्रोजेक्ट अभी शुरू होना बाकी है। जिला एडमिनिस्ट्रेशन ने वीपी 160 से वीपी 162 तक की जमीन को सौंप दी है। तिरप में, वीपी 160 से वीपी 164 तक बॉर्डर फेंसिंग का प्लान है। हम वीपी 160 का एक हिस्सा लोंगडिंग जिले के साथ शेयर करते हैं। हमने वीपी 160 से वीपी 162 तक की जमीन वीआरओ को सौंप दी है, तिरप के डिप्टी कमिश्नर टेचू एरन ने कहा। उन्होंने आगे कहा कि वीपी 163 और वीपी 164 के बीच की जमीन अभी वीआरओ को सौंपी जानी है।

# हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर पर केंद्र का फोकस, जेपी नड्डा बोले- पूर्वोत्तर हमारी प्राथमिकता

**शिलांग, 5 जून (एजें)।** केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने 4 जून को पूरे नॉर्थईस्ट में हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के केंद्र के वादे को दोहराया, ताकि यह पक्का हो सके कि दूर-दराज और पिछड़े इलाकों में रहने वाले लोगों को एडवांस मेडिकल सर्विस मिल सकें। मेघालय के री-भोई जिले में एक हॉस्पिटल का उद्घाटन करने के बाद बोलते हुए नड्डा ने कहा कि यह सुविधा राज्य में हेल्थकेयर के नतीजों को बेहतर बनाने और अच्छी मेडिकल सर्विस तक पहुंच बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगी। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने हॉस्पिटल को मेघालय के लिए एक अहम मील का पत्थर और इस इलाके में हेल्थकेयर डिलीवरी को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया। नड्डा ने कहा कि इस हॉस्पिटल के उद्घाटन का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत खुशी की बात है। मैं एमएलए अलेक्जेंडर हेक को मुझे बुलाने के लिए

धन्यवाद देता हूं और इस शानदार पहल से जुड़े सभी लोगों को दिल से बधाई देता हूं। मंत्री ने कहा कि यह हॉस्पिटल सिर्फ एक हेल्थकेयर इंस्टीट्यूशन से कहीं ज्यादा है और घर के पास अच्छी मेडिकल है। उन्होंने कहा कि ऐसी सुविधाएं खास हेल्थकेयर सेवाओं तक पहुंच को बेहतर बनाने और मरीजों को इलाज के लिए राज्य से बाहर जाने की जरूरत को कम करने के लिए बहुत जरूरी हैं। नड्डा ने अस्पताल बनाने में शामिल लोगों की कोशिशों की भी तारीफ की और भरोसा जताया कि यह संस्था अच्छी क्वालिटी का इलाज देकर, रोजगार के मौके पैदा करके और मेडिकल एक्सीलेंस को बढ़ावा देकर मेघालय के हेल्थकेयर सेक्टर में अहम योगदान देगी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री की यह बात मेघालय दौरे के दौरान आयी, जहां उन्होंने पूर्वोत्तर क्षेत्र में हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर और सेवाओं को मजबूत करने के मकसद से आयोजित प्रोग्राम में हिस्सा लिया।

# हेरोइन समेत दो तस्कर गिरफ्तार

**गुवाहाटी, 5 जून (ख.सं.)।** गुप्त सूचना के आधार पान बाजार पुलिस ने दो नंबर रेल गेट में एक विशेष अभियान चलाया। इस दौरान दो ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया गया तथा उनके कब्जे से संदिग्ध हेरोइन बरामद की गयी। पकड़े गये तस्करों की पहचान हुसैन अली (20 वर्ष) और रुनमाला बेगम (30 वर्ष) के रूप में की गयी इनके पास से 27.31 ग्राम हेरोइन बरामद की गयी। पुलिस दोनों तस्करों से पूछताछ कर रही है।

# राज्य में चुपके से बढ़ी बिजली की दरें

## एपीडीसीएल के फैसले पर संघ ने जताया आक्रोश

**गुवाहाटी, 5 जून (ख.सं.)।** असम विद्युत उपभोक्ता संघ की असम राज्य समिति ने असम में बिजली दरों में की गयी बढ़ोत्तरी के खिलाफ तीव्र आक्रोश व्यक्त किया है। समिति के संयोजक अजय आचार्य और हिल्लोल भट्टाचार्य ने एक संयुक्त बयान जारी कर कहा कि असम में बिजली की दरें पहले से ही देश के कई अन्य राज्यों की तुलना में बहुत अधिक हैं। ऐसे में अब ईंधन और बिजली खरीद मूल्य समायोजन अधिभार (एफपीपीएसी) के नाम पर प्रति यूनिट 16 पैसे से लेकर 28 पैसे तक की बढ़ोत्तरी करने का फैसला पूरी तरह से अन्यायपूर्ण, अतार्किक और जनविरोधी है। उन्होंने कहा कि आवश्यक वस्तुओं की अप्रत्याशित महंगाई के कारण आम जनता पहले से ही बेहद त्रस्त है और ऐसे समय में बिजली दरों को बढ़ाने का यह फैसला नवनिर्वाचित सरकार के जनविरोधी चरित्र को उजागर करता है। सरकार द्वारा जनता से अत्यधिक शुल्क वसूल कर मुनाफा कमाना और फिर उसी लाभांश से अनुदान देना, जबकि आम लोगों के कंधों पर इस तरह का आर्थिक बोझ डालना किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। बयान में आगे कहा गया है कि दिल्ली, बिहार और तमिलनाडु जैसे राज्यों में आम जनता को दो सौ यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान की जा रही है। ऐसे में यह सवाल उठता है कि जब असम सरकार खुद देश के पांच सबसे विकसित राज्यों में शामिल होने का दावा करती है तो यहां बिजली की दरें बढ़ाकर जनता पर यह अतिरिक्त बोझ क्यों डाला जा रहा है। उन्होंने सरकार से इस अन्यायपूर्ण और अतार्किक मूल्य वृद्धि के फैसले को तुरंत वापस लेने की मांग की है। इसके साथ ही संगठन ने जनता से सरकार के इस जनविरोधी कदम के खिलाफ एकजुट होकर एक मजबूत उपभोक्ता आंदोलन खड़ा करने का आह्वान किया है। मालूम हो कि असम विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (एपीडीसीएल) ने राज्य के उपभोक्ताओं को बड़ा झटका देते हुए गुपचुप तरीके से बिजली की दरों में बढ़ोत्तरी कर दी है। असम बिजली नियामक आयोग (एईआरसी) से मंजूरी मिलने के बाद कंपनी ने यह कदम उठाया है हालांकि ध्यान देने वाली बात यह है कि एपीडीसीएल ने इस संबंध में कोई आधिकारिक अधिसूचना या सार्वजनिक नोटिस जारी नहीं किया। बिजली कंपनी ने पिछले साल हुए भारी वित्तीय नुकसान की भरपाई के लिए यह फैसला लिया है। बीते वर्ष एपीडीसीएल को करीब 215 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था, जिसकी भरपाई अब जनता की जेब से की जाएगी। नयी दरों के तहत प्रति यूनिट बिजली पर न्यूनतम 16 पैसे से लेकर अधिकतम 28 पैसे तक की बढ़ोत्तरी की गयी है। कंपनी द्वारा तय किये गये नये शेड्यूल के मुताबिक अलग-अलग महीनों के लिए बढ़ोत्तरी की दरें भी अलग रखी गयी हैं। इसके तहत जून महीने के लिए प्रति यूनिट 21 पैसे, जुलाई के लिए 18 पैसे और अगस्त के लिए 16 पैसे बढ़ाये गये हैं। वहीं सितंबर और अक्तूबर के लिए 17 पैसे, नवंबर के लिए 19 पैसे और दिसंबर महीने के लिए बिजली दरों में 24 पैसे प्रति यूनिट का इजाफा किया गया है। यह बढ़ोत्तरी अगले साल भी जारी रहेगी, जिसमें जनवरी 2027 के लिए 26 पैसे, फरवरी के लिए 25 पैसे और मार्च के लिए सबसे ज्यादा 28 पैसे प्रति यूनिट की दर से अतिरिक्त भुगतान करना होगा। सीधे तौर पर कोई घोषणा न होने के कारण इस गुप्त बढ़ोत्तरी को लेकर अब उपभोक्ताओं के बीच भारी असंतोष देखने को मिल सकता है।

# कर अनुपालन को लेकर बैठक आयोजित

**गुवाहाटी, 5 जून (ख.सं.)।** महानगर के दिसपुर स्थित कर भवन में राज्य माल और सेवा कर (जीएसटी) विभाग के अधिकारियों और मोटर पुर्जों तथा सहायक उपकरणों के व्यापार क्षेत्र के प्रतिनिधियों के बीच कर अनुपालन और कर चोरी रोकने के संबंध में एक जागरूकता बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता कर आयुक्त जीतू दलै ने की, जिसमें राज्य माल और सेवा कर विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों सहित मोटर पुर्जों और सहायक उपकरणों के क्षेत्र के व्यापारियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान मोटर पुर्जों और सहायक उपकरणों के व्यापार क्षेत्र में देखी जा रही कर चोरी की घटनाओं और नियमों की अनदेखी से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गयी। कर आयुक्त ने माल और सेवा कर प्रावधानों का स्वेच्छा से पालन करने के महत्व पर जोर दिया और एक पारदर्शी एवं जवाबदेह कर प्रणाली सुनिश्चित करने में व्यापारियों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने मोटर पुर्जों और सहायक उपकरणों के व्यापारियों के पूरे समुदाय से अपील की कि वे राज्य माल और सेवा कर विभाग को अपना पूरा सहयोग दें और कर कानूनों का सख्ती से पालन करें। इसके साथ ही उन्होंने व्यापारियों से उन करदाताओं की पहचान करने में विभाग की मदद करने का भी आग्रह किया जो कर चोरी की गतिविधियों में शामिल हैं। क्योंकि इससे न केवल सरकारी राजस्व संग्रह पर बुरा असर पड़ता है बल्कि बाजार में अनुचित प्रतिस्पर्धा भी पैदा होती है। मोटर पुर्जा विक्रेता संघ के प्रतिनिधियों ने विभाग को अपने पूरे सहयोग का आश्वासन दिया और व्यापार क्षेत्र में कर अनुपालन को बढ़ावा देने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। वे राज्य माल और सेवा कर विभाग की पहलों का समर्थन करने और इस क्षेत्र में कर चोरी पर अंकुश लगाने के लिए सामूहिक रूप से काम करने पर सहमत हुए। बैठक का समापन राजस्व सुरक्षा और राज्य के आर्थिक विकास के हित में व्यापारिक समुदाय और राज्य माल और सेवा कर विभाग के बीच सहयोग बढ़ाने, जागरूकता फैलाने और अनुपालन को मजबूत करने के साझा संकल्प के साथ हुआ।

# एनएफआर ने अपने पूरे नेटवर्क पर बड़े पैमाने पर हरित पहल के साथ विश्व पर्यावरण दिवस मनाया

**गुवाहाटी, 5 जून (ख.सं.)।** पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) ने प्रकृति से प्रेरित जलवायु के लिए हमारे भविष्य के लिए विषय के तहत 15 मई से 5 जून 2026 तक अपने सभी मंडलों और इकाइयों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता और स्थिरता की पहल से जुड़े कई कार्यक्रम आयोजित कर विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। इस अभियान मेरेल कर्मचारियों, यात्रियों, छात्रों, स्काउट्स और गाइड्स, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों ने पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास को बढ़ावा देने वाली विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह आयोजन 5 जून को संपन्न हुआ, जिसमें एनएफआरके सभी मंडलों और इकाइयों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने रेलवे बोर्ड के चेयरमैन और मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार की अगुवाई में वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों ने मिलकर पर्यावरण संरक्षण, जलवायु से जुड़े कार्य और सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए शपथ ली। इस अभियान के तहत एनएफआर नेटवर्क में रेलवे स्टेशनों, अस्पतालों, कॉलोनियों, कार्यालय परिसरों, कारखानों, प्रशिक्षण संस्थानों, रेल पटरियों, ट्रेनों और अन्य रेल प्रतिष्ठानों पर कई तरह की गतिविधियां आयोजित की गयी। इनमें पौधारोपण, सफाई के अभियान, जागरूकता रैलियां, सेमिनार, नुक्कड़ नाटक, अपशिष्ट प्रबंधन की पहल और जनसंपर्क कार्यक्रम शामिल थे। मिशन लाइफ (पर्यावरण के लिए जीवनशैली) पहल के तहत पर्यावरण जागरूकता पर विशेष जोर दिया गया। इसमें जल संरक्षण, पानी का सही उपयोग, ऊर्जा बचाने के तरीके, अपशिष्ट को पृथक करना, ई-वेस्ट मैनेजमेंट, रिसाइक्लिंग और कम्पोस्टिंग जैसे विषय शामिल थे। इन प्रयासों का उद्देश्य रेल कर्मचारियों, यात्रियों और आम लोगों के बीच स्थायी आदतें और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार व्यवहार को बढ़ावा देना था। साथ ही सिंगल-यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल को कम करने और पर्यावरण के अनुकूल विकल्पों को अपनाने के लिए जागरूकता अभियान भी चलाये गये। इस आयोजन के तहत, साफ-सुथरा और सेहतमंद माहौल बनाने के लिए रेलवे स्टेशनों, ट्रेनों, रेलवे कॉलोनियों, अस्पतालों और कार्यालयों में बड़े पैमाने पर सफाई अभियान चलाये गये। एनएफआर के अलग-अलग रेलवे स्वास्थ्य इकाइयों, कार्यालयों और अन्य रेलवे संस्थानों पर पौधारोपण के अभियान भी चलाये गये। मालीगांव स्थित एनएफआर मुख्यालय में स्काउट्स एंड गाइड्स ने पर्यावरण की सुरक्षा और प्लास्टिक प्रदूषण से होने वाले नुकसान के बारे में जागरूकता संबंधी नुक्कड़ नाटक का मंचन किया। रेल कर्मचारियों और आम जनों के बीच जूट बैग, कपड़ा बैग और बायोडिग्रेडेबल उत्पाद जैसे पर्यावरण अनुकूल सामग्रियों का वितरण किया गया।

# बिनबैग ने चलाया राज्यव्यापी जागरूकता अभियान, 7 दिन में 5 टन ई-कचरा संग्रहित

**गुवाहाटी, 5 जून (ख.सं.)।** विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर बिनबैग ने असम में राज्यव्यापी जागरूकता कार्यक्रम चलाया। इस अभियान के तहत पिछले 7 दिनों में 5 टन से अधिक ई-कचरा संग्रह किया गया। कार्यक्रम में छात्रों, समुदायों और संस्थाओं को पर्यावरण संरक्षण और ई-कचरा प्रबंधन के लिए जागरूक किया गया। बिनबैग ने नुमलीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) के साथ मिलकर एनआरएल टाउनशिप में ई-वेस्ट कलेक्शन ड्राइव आयोजित की। यहां इलेक्ट्रॉनिक कचरे के सही निपटान पर सत्र हुए और छात्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। एनआरएल के पर्यावरण प्रकोष्ठ के प्रवक्ता ने कहा कि जिम्मेदार ई-कचरा प्रबंधन पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का हिस्सा है। टाउनशिप समुदाय की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखकर खुशी हुई। वहीं टिहू कॉलेज साइंस फोरम के साथ मिलकर बिनबैग ने 1 मिनट रील प्रतियोगिता, ड्राइंग प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक और जलवायु परिवर्तन पर चर्चा जैसे कार्यक्रम कराये। टिहू कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. सुरेश भराली ने कहा कि छात्रों की प्रतिक्रिया उत्साहवर्द्धक रही। ऐसी पहल युवाओं में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना पैदा करती है। भविष्य में बिनबैग के साथ और सहयोग करेंगे। इसके अलावा बिनबैग ने ड्रीम इंडिया नेटवर्क के साथ न्यू फतासिल टाउन हाई स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम किया। छात्रों ने अपशिष्ट प्रबंधन, ई-कचरा निपटान पर सत्रों में भाग लिया और रोजमर्रा के जीवन में सतत प्रथाओं को अपनाने की शपथ ली।

# मंत्रिमंडल विस्तार : सबको साधने व संतुलन बनाने की कोशिश

मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली सरकार के मंत्रिमंडल का विस्तार केवल एक राजनीतिक औपचारिकता नहीं, बल्कि जनता द्वारा दिये गये प्रचंड जनादेश को प्रभावी शासन में बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हालिया विस्तार में 12 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलायी गयी, जिसके बाद मंत्रिपरिषद की संख्या बढ़कर 17 हो गयी। इस विस्तार में चार नये चेहरों को भी अवसर दिया गया, जिससे सरकार के अनुभव और नवाचार के बीच संतुलन साधने का प्रयास किया गया।

भाजपा नीत राजग को विधानसभा चुनाव में भारी बहुमत मिला था। ऐसे में जनता की अपेक्षाएं भी पहले से कहीं अधिक हैं। मंत्रिमंडल विस्तार का सबसे बड़ा उद्देश्य प्रशासनिक जिम्मेदारियों का बेहतर बंटवारा, विभिन्न क्षेत्रों और समुदायों को प्रतिनिधित्व देना तथा सरकार की कार्यक्षमता को बढ़ाना माना जा रहा है। नये मंत्रियों के शामिल होने से सरकार को राज्य के दूरदराज क्षेत्रों तक विकास योजनाओं को अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचाने में मदद मिलेगी। इस विस्तार का राजनीतिक महत्व भी कम नहीं है। असम जैसे विविधतापूर्ण राज्य में क्षेत्रीय, जातीय और सामाजिक संतुलन बनाये रखना किसी भी सरकार के लिए बड़ी चुनौती होती है। मंत्रिमंडल में विभिन्न समुदायों और क्षेत्रों को स्थान देकर सरकार ने यह संदेश देने की कोशिश की है कि विकास और सत्ता में सबकी भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। हालांकि केवल प्रतिनिधित्व देना ही पर्याप्त नहीं है। राज्य के सामने रोजगार सृजन, औद्योगिक निवेश, बाढ़ नियंत्रण, शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत ढांचे के विकास जैसी अनेक चुनौतियां मौजूद हैं। यदि नये मंत्री अपने विभागों में अपेक्षित परिणाम देने में सफल नहीं होते तो यह विस्तार केवल राजनीतिक संतुलन का अभ्यास बनकर रह जाएगा।

डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने पिछले कार्यकाल में तेज निर्णय लेने वाले और परिणामोन्मुख मुख्यमंत्री छवि बनायी है। दूसरे कार्यकाल में उनसे अपेक्षा है कि वे अपनी टीम को भी उसी गति और जवाबदेही के साथ काम करने के लिए प्रेरित करेंगे। मंत्रियों के चयन में निष्ठा और संगठनात्मक योगदान को महत्व दिया गया है। लेकिन अंततः उनके कामकाज के आधार पर जनता उनका मूल्यांकन करेगी। यह भी उल्लेखनीय है कि मंत्रिमंडल में अभी भी कुछ पद रिक्त रखे गये हैं। इससे संकेत मिलता है कि सरकार भविष्य की राजनीति और प्रशासनिक आवश्यकताओं के अनुसार आगे भी संतुलन बनाने की गुंजाइश बनाये रखना चाहती है। कुल मिलाकर हिमंत मंत्रिमंडल का यह विस्तार नयी सरकार की कार्ययोजना को गति देने का प्रयास है। यह तभी सार्थक माना जाएगा जब नये मंत्री जन अपेक्षाओं पर खरे उतरें।

श्रद्धांजलि

# मातृ स्मृति को समर्पित एक भावपूर्ण श्रद्धासुमन

भारतीय संस्कृति और समाज व्यवस्था में माता का स्थान सर्वोच्च माना गया है। माता केवल जन्मदात्री ही नहीं होतीं, बल्कि परिवार की आधारशिला, प्रेरणा की स्रोत और जीवन की प्रथम गुरु होती हैं। ऐसी स्नेहमयी, धैर्यवान, त्यागमूर्ति एवं बहुगुणी माता को खोने का दुःख शब्दों में व्यक्त करना संभव नहीं है। आज हमारी परम श्रद्धेय माता, स्वर्गीय अलका लहकर के पावन आद्यश्राद्ध के अवसर पर हम उनके चरणों में श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए उनके प्रेरणादायी जीवन को स्मरण कर रहे हैं।

स्वर्गीय अलका लहकर का जन्म 13.12.1948 में बरपेटा की ऐतिहासिक नखंदा नदी के तट पर स्थित एक प्रतिष्ठित एवं संस्कारित परिवार में हुआ था। वे बरपेटा के सुप्रसिद्ध अधिवक्ता स्वर्गीय गोपाल चंद्र दास एवं गुणवती दास की ज्येष्ठ पुत्री थीं। बचपन से ही उन्हें ज्ञान और संस्कारों से परिपूर्ण वातावरण प्राप्त हुआ। उन्होंने बरपेटा के जुरोराम विद्यालय से प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की तथा तत्पश्चात प्रसिद्ध माधव चंद्र महाविद्यालय से अपनी उच्च शिक्षा पूर्ण की। शिक्षा प्राप्ति के उपरांत उनका विवाह असम सरकार के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग में निरीक्षक के पद पर कार्यरत स्वर्गीय अनंत राम लहकर के साथ हुआ। पति की सरकारी सेवा के कारण उन्हें असम के विभिन्न क्षेत्रों गौरीपुर, धुबड़ी, आगमनी, तेजपुर, ढेकियाजुली, तामुलपुर, उत्तर लखीमपुर और बरपेटा आदि स्थानों में रहने का अवसर मिला। वे जहां भी रहीं, अपनी सहजता, विनम्रता और आत्मीय व्यवहार से लोगों के हृदय में विशेष स्थान बनाती चली गईं। बाद के वर्षों में वे गुवाहाटी महानगर के आर्य नगर क्षेत्र की स्थायी निवासी बन गईं।

घरेलू जीवन में वे एक अत्यंत कुशल एवं सृजनशील गृहिणी थीं। पाक-कला उनके व्यक्तित्व का विशेष गुण था। वे केवल पारंपरिक व्यंजनों तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि नयी-नयी रेसिपियों का प्रयोग करना भी उन्हें अत्यंत प्रिय था। उनके हाथों से बना साधारण भोजन भी असाधारण स्वाद और आत्मीयता से भर जाता था। अतिथियों, मित्रों, पड़ोसियों और परिजनों को अपने हाथों से स्वादिष्ट भोजन बनाकर खिलाना उनके लिए सबसे बड़ा सुख था। वे एक दक्ष बेकरी विशेषज्ञ भी थीं। घर पर ही सुंदर और स्वादिष्ट केक, कुकीज तथा अन्य बेकरी उत्पाद तैयार करने में उन्हें विशेष महारत प्राप्त थी। उनका स्नेहपूर्ण आतिथ्य और मधुर व्यवहार सभी को प्रभावित करता था। माता अलका लहकर का व्यक्तित्व केवल रसोईघर तक सीमित नहीं था। वे समाज के लिए एक संवेदनशील, प्रकृतिप्रेमी और सेवा-भाव से परिपूर्ण महिला थीं। उन्हें पारंपरिक लोक-चिकित्सा एवं वनौषधियों का गहरा ज्ञान था। कौन-सी जड़ी-बूटी या पौधा किस प्रकार की बीमारी में उपयोगी है, इसका उन्हें अद्भुत अनुभव था।

इसी कारण वे समाज में एक विश्वसनीय पारंपरिक उपचारक (हीलर) के रूप में भी जानी जाती थीं। परिवार, पड़ोस या समाज में किसी के बीमार होने पर वे सहज उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों और अपने अनुभव के आधार पर उपचार का मार्ग बताती थीं। उनके स्नेह, सेवा और वनौषधीय ज्ञान से अनेक लोगों को लाभ और राहत मिली। एक आदर्श माता के रूप में उन्होंने अपने बच्चों को केवल उच्च शिक्षा ही नहीं दिलायी, बल्कि मानवीय मूल्यों, सेवा-भाव, परिश्रम और संस्कारों की भी शिक्षा दी। उनके सभी संतानों ने अपने-अपने क्षेत्रों में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। उनके ज्येष्ठ पुत्र कुल ज्योति लहकर भारत के अग्रणी पक्षी विशेषज्ञ एवं पर्यावरणविद् हैं। कनिष्ठ पुत्र दिगज्योति लहकर असम एवं पूर्वोत्तर भारत के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर के पत्रकार हैं। उनकी पुत्री चंदना लहकर बर्मन एक सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य हैं। वहीं उनकी पुत्रवधू नसीमा लहकर एक सफल उद्यमी के रूप में प्रतिष्ठित हैं। उनके बच्चों की उपलब्धियां उनकी तपस्या, त्याग, संस्कार और आशीर्वाद की जीवंत मिसाल हैं।

25.5.2026 को उनका निधन हो गया। इसके बाद उनकी शारीरिक अनुपस्थिति हमारे जीवन में एक ऐसी रिक्तता छोड़ गयी है, जिसे कभी भरा नहीं जा सकता। उनके आद्यश्राद्ध के इस पावन अवसर पर हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि उनकी पुण्यात्मा को श्रीहरि के चरणों में स्थान प्राप्त हो तथा उन्हें चिरशांति और मोक्ष की प्राप्ति हो। मां, आप भले ही आज हमारे बीच प्रत्यक्ष रूप से नहीं हैं, किंतु आपके आदर्श, आपका स्नेह, आपकी ममता, आपके हाथों के स्वाद, आपकी सेवा-भावना और आपके आशीर्वाद सदैव हमारे जीवन-पथ को आलोकित करते रहेंगे।

**- दिगज्योति लहकर**

संपादकीय

# विकास के मुद्दे पर प्रोएक्टिव दिख रहा है बंगाल

**जयंत घोषाल**

वर्ष 1984 में मैंने पत्रकारिता की दुनिया में प्रवेश किया था और 1987 में मैं दिल्ली आ गया। उसके बाद से मैं पश्चिम बंगाल की बांग्ला पत्रकारिता से जुड़ा रहा। लेकिन इस दौरान दिल्ली ही मेरा केंद्र रही। आज इस लेख की शुरुआत अपने अनुभव से जोड़कर इसलिए कर रहा हूं, क्योंकि 40 साल से अधिक समय बीत गया, लेकिन डबल इंजन सरकार का मतलब क्या होता है, मुझे इसका अनुभव नहीं था। क्यों नहीं था? इसका कारण यह है कि दिल्ली और कोलकाता, दोनों जगह एक ही राजनीतिक दल की सरकार मैंने देखी नहीं। लेकिन ठीक एक महीना पहले पश्चिम बंगाल के चुनाव में भाजपा की जीत के बाद शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में सरकार बनने से देश के संघीय ढांचे में केंद्र और राज्य के वास्तविक आर्थिक सहयोग और विकास का सिलसिला शुरू हुआ है। अखंड भारत की राजनीतिक महिमा क्या होती है, वह अब दिखायी दे रही है।

अभी देश के 15 राज्यों में भाजपा अपने बूते सत्ता में है, जबकि कुल 21 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में वह खुद या गठबंधनों के साथ सत्ता में है। लेकिन पश्चिम बंगाल में भाजपा का सत्ता में आना ऐतिहासिक है। राज्य के पहले मुख्यमंत्री प्रफुल्ल चंद्र घोष कुछ दिनों के लिए ही थे। उसके बाद बिधान चंद्र राय मुख्यमंत्री बने। आजादी के बाद जब जवाहरलाल नेहरू प्रधानमंत्री बने और बिधान चंद्र राय मुख्यमंत्री थे, तब अखिल भारतीय पार्टी कांग्रेस की केंद्र के साथ-साथ पश्चिम बंगाल में भी सरकार थी। राज्य में सिद्धार्थ शंकर राय आखिरी कांग्रेसी मुख्यमंत्री थे और तब इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री थीं। लेकिन 1977 में जब राज्य में वाम मोर्चे की सरकार बनी, तब से केंद्र और राज्य में एक ही राजनीतिक दल की सरकार कभी रही नहीं।

हालांकि ज्योति बसु के मुख्यमंत्री काल में एक समय केंद्र में वाम मोर्चे के ही सहयोगी गठबंधन की सरकारें रहीं, चाहे वह वीपी सिंह की सरकार रही हो या चंद्रशेखर, देवेगौड़ा या गुजराल की। लेकिन तब भी केंद्र और पश्चिम बंगाल में एक ही राजनीतिक पार्टी की सरकार नहीं थी। पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार को अभी एक महीना हो रहा है, और किसी भी सरकार का मूल्यांकन करने के लिए एक महीने का समय काफी नहीं है। लेकिन लोग मान रहे हैं कि शुभेंदु अधिकारी की सरकार अपनी प्राथमिकता पर फोकस करके जिस तरह काम कर रही है, वह लाजवाब है।

ममता बनर्जी के कार्यकाल के दौरान पिछले 15 साल में भ्रष्टाचार, हर जिले में दादागिरी तथा लुंपेनाइजेशन ऑफ पॉलिटिक्स हुआ है, लगता है, शुभेंदु अधिकारी ने उसके खिलाफ धर्मयुद्ध की घोषणा की है, और इसमें उन्हें दिल्ली की मदद मिल रही है। पंद्रह साल की नकारात्मकता को खत्म कर आम जनता की उम्मीदें पूरी करने का लक्ष्य नयी सरकार के सामने है। पश्चिम बंगाल में विकास सबसे बड़ा मुद्दा है और उस दिशा में काम शुरू हो गया है। एक महीने में ही यह सरकार जितनी प्रोएक्टिव दिख रही है, उस आधार पर इसे 10 में से आठ नंबर इनिशिएटिव फॉर द न्यू बंगाल के लिए देना चाहिए। शुभेंदु सरकार के विकास कार्यों का वास्तविक मूल्यांकन तो पांच साल के बाद ही होगा कि कितना काम हुआ, कितना नहीं हुआ। लेकिन अभी जो जानकारी सामने है, उसके मुताबिक, टाटा, अंबानी और अडानी ने पश्चिम बंगाल में भारी निवेश करने की बात कही है।

इससे पहले पश्चिम बंगाल में बार-बार ट्रेड समिट हुए, लेकिन भारी उद्योग की शुरुआत राज्य में नहीं हो पायी। हालांकि, हेवी इंडस्ट्री आने से ही राज्य की आर्थिक स्थिति सुधरेगी और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, ऐसा नहीं है। दरअसल हेवी इंडस्ट्री के साथ-साथ इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ता है, जो एंसिलरी इंडस्ट्री, यानी सहायक उद्योग को जन्म देता है।

मैं यह नहीं कह रहा कि सिर्फ भारी उद्योग ही समाधान है। पश्चिम बंगाल जैसे राज्य में ट्रेड और लघु उद्योग भी बहुत महत्वपूर्ण साबित होंगे। इस बीच गौतम अडानी के पुत्र करन अडानी की मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी से मुलाकात हो चुकी है, और आम जनता इस राज्य के हवाई अड्डों के बेहतर होने का सपना देख रही है। दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद-देश के हर जगह के एयरपोर्ट्स का मॉडर्नाइजेशन हो गया है। सफर के दौरान मुझे कभी-कभी दुख होता है कि पश्चिम बंगाल के एयरपोर्ट्स शायद सबसे खराब हालत में हैं। इस राज्य के हवाई अड्डों के आधुनिकीकरण का एक मौका आया था। तब बुद्धदेव भट्टाचार्य मुख्यमंत्री थे। दरअसल, कोलकाता एयरपोर्ट के अंदर एक मस्जिद थी, और दूसरा रनवे तैयार करने के लिए उसे शिफ्ट करना जरूरी था। तब सैयद शाहनवाज हुसैन केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री थे। उन्होंने खुद बुद्धदेव भट्टाचार्य को कहा था कि आप मस्जिद तुड़वाने का बंदोबस्त कीजिए। मैं मुस्लिम समाज का प्रतिनिधि हूं और मुस्लिम समाज से कोई समस्या नहीं होगी।

लेकिन माकपा को इस पर आपत्ति थी, इस कारण बुद्धदेव भट्टाचार्य इस पर आगे नहीं बढ़े। उसके बाद ममता बनर्जी के मुख्यमंत्री बनने के बाद कुछ सेवाओं का निजीकरण हुआ है। लेकिन ट्रेड यूनियन और सार्वजनिक क्षेत्र वाली सोच के चलते ज्यादा कुछ नहीं हो पाया। अब उम्मीद बनी है कि अडानी जैसे निवेशक अगर पश्चिम बंगाल के हवाई अड्डों का दायित्व लेते हैं, तो बहुत कुछ बदल सकता है। एसइजेड का मुद्दा भी पश्चिम बंगाल में बहुत वर्षों से है। भूमि सुधार के कारण राज्य में जमीन बहुत छोटी हो गयी है। ऐसे में, एसइजेड करना मुश्किल है। गुजरात में एसइजेड का अलग जोन बन गया, कितने निवेशक आ गये और वहां सिंगल विंडो सिस्टम है। मैंने वाइब्रेंट गुजरात बहुत साल कवर किया है और देखा है गुजरात में क्या-क्या हुआ और कैसे हुआ है। लेकिन पश्चिम बंगाल में एसइजेड के लिए जमीन नहीं है।

नहीं चलेगा पश्चिम बंगाल का बहुत लोकप्रिय नारा है। उसकी जगह चलेगा के लिए लोग भाजपा पर भरोसा कर रहे हैं। यह हिंदुत्व का मुद्दा नहीं है। यह विकास का मुद्दा है, जिसे शुभेंदु अधिकारी आगे ले जा सकते हैं। शुरुआत अच्छे से हो रही है और इसके लिए शुभेंदु अधिकारी को बधाई देनी चाहिए। दिल्ली के साथ राज्य का सहयोग बढ़िया चल रहा है। अशोक लाहिड़ी को नीति आयोग का चेयरमैन बनाया गया और मुख्यमंत्री के सलाहकार सुब्रत गुप्ता बेहद काबिल प्रशासक हैं। पीएमओ, अमित शाह के गृह मंत्रालय और मुख्यमंत्री कार्यालय के बीच का सहयोग लाजवाब है और पश्चिम बंगाल में डबल इंजन की सरकार धीरे-धीरे आगे बढ़ रही है।

# चीन पर निर्भरता कम करना चाहता है म्यांमार

**राजीव रंजन**

अप्रैल में पद संभालने वाले म्यांमार के राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग का अपनी पहली आधिकारिक विदेश यात्रा पर भारत आना कूटनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण है। सैन्य शासन के दौरान म्यांमार चीन पर अधिक निर्भर है। इसके बावजूद ह्लाइंग ने अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए भारत को चुना. यह बात कुछ चीनी विश्लेषकों तथा वहां के मीडिया को नागवार लगी। इसे जहां म्यांमार की विदेश नीति में संतुलन कूटनीति बताया गया, तो कुछ चीनी विश्लेषकों ने इसे म्यांमार द्वारा विकल्प चुनने या नयी पोजीशन लेने की रणनीति के तौर पर देखा है।

हालांकि, व्यापक चीनी नजरिये के अनुसार, म्यांमार का सैन्य शासन दो बड़े पड़ोसियों के बीच संतुलन बनाकर अपनी स्थिति मजबूत करना चाहता है। एक तरफ वह चीन से आर्थिक मदद लेता रहेगा, वहीं भारत से सुरक्षा सहयोग और राजनयिक समर्थन हासिल करना चाहता है। चीनी विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि म्यांमार से उनके आर्थिक और सामरिक संबंध इतने गहरे हैं कि राष्ट्रपति ह्लाइंग की यह यात्रा चीन-म्यांमार संबंधों को ज्यादा प्रभावित नहीं करेगी। उनका मानना है कि म्यांमार न चीन को नाराज करेगा, न ही भारत को। परंतु दीर्घावधि में भारत-चीन प्रतिस्पर्धा म्यांमार में और तेज होगी, जैसा कि हमने श्रीलंका में देखा है। अभी म्यांमार दो महाशक्तियों के बीच संतुलन बनाकर अपने हितों को साध रहा है, लेकिन यह लंबे समय तक नहीं चलने वाला।

तीन ऐसे मुद्दे हैं, जो म्यांमार को भारत के नजदीक ले आये हैं। पहला है, उत्तर म्यांमार के काचिन राज्य की दुर्लभ खनिज पदार्थों की खदानें, जिनकी भारत को बड़ी जरूरत है, जबकि म्यांमार इन संसाधनों के दोहन के लिए चीन पर निर्भर है। हालांकि, चीन पर निर्भरता कम करने के लिए म्यांमार प्रयासरत है। दूसरा है सीमा सुरक्षा। म्यांमार के विद्रोही गुट भारत के पूर्वोत्तर को प्रभावित करते हैं। यह मुद्दा दोनों देशों के आंतरिक सुरक्षा मामलों के लिए बेहद गंभीर है। और तीसरा है व्यापारिक अवसर। म्यांमार अपने यहां भारतीय कंपनियों का निवेश चाहती है, जिससे रोजगार और आर्थिक विकास को बल मिले।

वर्ष 2021 के राजनीतिक बदलाव के बाद म्यांमार अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग पड़ गया है। पश्चिमी प्रतिबंध, आसियान के कुछ देशों का ठंडा रवैया, घरेलू जातीय संघर्ष, आर्थिक गिरावट, मुद्रा अवमूल्यन और सामाजिक दबाव ने म्यांमार को काफी नुकसान पहुंचाया है। ऐसे में म्यांमार के नये राष्ट्रपति विविधता वाली विदेश नीति अपना रहे हैं। उनकी भारत यात्रा का एक खास उद्देश्य यह है कि म्यांमार की नयी सरकार को अंतर्राष्ट्रीय मान्यता मिल सके और राजनयिक अलगाव खत्म हो सके। भारत से संबंध स्थिर हुआ, तो म्यांमार सरकार की वैधता बढ़ेगी, वहीं चीन पर निर्भरता भी कम होगी। म्यांमार अंतर्राष्ट्रीय मान्यता, अतिरिक्त आर्थिक विकल्प और राजनयिक सहयोग को लेकर भारत की तरफ उम्मीद भरी निगाहों से देख रहा है।

बेशक भारत-म्यांमार व्यावहारिक जरूरतों के कारण नजदीक आ रहे हैं, पर इनके बीच कई संरचनात्मक विरोधाभास भी हैं। भारत की एक्ट ईस्ट नीति के लिए म्यांमार दक्षिण-पूर्व एशिया का महत्वपूर्ण द्वार है। पूर्वोत्तर भारत में उग्रवाद को सीमा पार से मिलती मदद हमेशा से एक बड़ी चुनौती रही है। सीमा सुरक्षा दोनों का सबसे प्रत्यक्ष और महत्वपूर्ण साझा हित है। लगभग 1,643 किलोमीटर लंबी सीमा पर हथियार-ड्रग तस्करी, अवैध घुसपैठ और विद्रोही गुटों की समस्या लंबे समय से चली आ रही है। दोनों देश संयुक्त गश्त, खुफिया जानकारी साझा करने और समन्वय पर जोर दे रहे हैं। इससे मणिपुर, नगालैंड और असम जैसे राज्यों में स्थिरता लाने में मदद मिलेगी। आश्वस्त करने वाली बात यह है कि म्यांमार ने भारत को भरोसा दिया है कि उसके क्षेत्र का इस्तेमाल भारत के हितों के खिलाफ नहीं किया जायेगा।

म्यांमार क्षेत्रीय विकास के लिए स्थिरता और कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट का अहम हिस्सा रहा है, वहीं म्यांमार में चीन की गहरी पैठ भारतीय हितों के लिए घातक है। ऐसे में, यू मिन आंग ह्लाइंग की यह यात्रा म्यांमार में अन्य महाशक्तियों के बढ़ते प्रभाव को संतुलित करने का प्रयास भी है। भौगोलिक, ऐतिहासिक और राजनीतिक नजदीकियों के बावजूद दोनों देशों के बीच 2024-25 में व्यापार मात्र 2.1 अरब डॉलर का था। यानी संभावनाएं अपार हैं, बशर्ते कि उन्हें क्रियान्वित किया जाये. दोनों पक्षों ने सीमा सुरक्षा, कनेक्टिविटी, आर्थिक-व्यापार सहयोग, ऊर्जा, खनिज संसाधन और समुद्री सुरक्षा जैसे मुद्दों पर चर्चा की। निवेश के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के रूप में कृषि प्रसंस्करण, ऊर्जा, पेट्रोलियम और खनन की पहचान की गयी. दोनों पक्षों ने लंबे समय से अटकी दो प्रमुख परियोजनाओं-कलादान मल्टी-मॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट और भारत-म्यांमार-थाईलैंड त्रिपक्षीय हाइवे पर चर्चा की।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस पर जोर दिया कि क्षेत्रीय समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए इन गलियारों का पूरा होना आवश्यक है। इनसे पूर्वोत्तर भारत बंगाल की खाड़ी और दक्षिण-पूर्व एशिया से सीधे जुड़ जाएगा। हाइवे से दक्षिण एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया के संपर्क और आर्थिक संपन्नता के लिए यह गेमचेंजर साबित होगा। म्यांमार के तेल-गैस और खनिज संसाधन भारत की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों तथा इस्राइल-ईरान-अमेरिका तनाव, रूस-यूक्रेन संघर्ष जैसी भविष्य की ऊर्जा संकटों के लिए एक महत्वपूर्ण विकल्प साबित हो सकता है। वहीं म्यांमार में सेना और जातीय सशस्त्र गुटों के बीच संघर्ष अभी थमा नहीं है। इस मुद्दे पर भारत का रुख व्यावहारिक है-वह आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं चाहता, लेकिन लोकतंत्र, शांति प्रक्रिया और समावेशी वार्ता पर जोर देता है।

भारत म्यांमार में चीन के प्रभाव से सतर्क है। म्यांमार खुद को तटस्थ रखना चाहता है। इसके अलावा, जातीय सशस्त्र गुट, मानवाधिकार मुद्दे और सीमा संबंधी ऐतिहासिक विवाद भी संबंधों को सीमित रखते हैं। म्यांमार से रिश्ते में भारत को भी थोड़ी सावधानी बरतनी होगी, ताकि म्यांमार की सैन्य सरकार से भारत के सुधरते रिश्तों को दूसरे लोकतांत्रिक देश शक की निगाहों से न देखें। वहीं म्यांमार के इस रुख पर चीन भी अपनी कूटनीति को और सक्रिय करेगा- या तो वह आर्थिक पैकेज में वृद्धि करेगा या म्यांमार पर दबाव बनाएगा। यू मिन आंग ह्लाइंग की भारत यात्रा म्यांमार की संतुलन कूटनीति के साथ म्यांमार की राजनीतिक, आर्थिक एवं राजनयिक आवश्यकता ज्यादा है। भारत के इस कूटनीतिक कदम से चीन थोड़े सकते में है, तो भारत और म्यांमार के लिए यह नयी शुरुआत क्षेत्रीय सहयोग, शांति, स्थिरता और साझा समृद्धि की संभावनाओं को बढ़ावा देगा।

# अन्नामलाई का नयी पार्टी बनाने का निर्णय लंबे चिंतन का निष्कर्ष

**नीरज कुमार दुबे**

तमिलनाडु की राजनीति में एक नया भूचाल उस समय आ गया जब भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई ने पार्टी से इस्तीफा देकर अपने नये राजनीतिक आंदोलन की घोषणा कर दी। यह फैसला तमिलनाडु की जमी हुई राजनीतिक संस्कृति को चुनौती देने वाला एक बड़ा संदेश है। अन्नामलाई ने जिस साफगोई, साहस और वैचारिक दृढ़ता के साथ अपने फैसले को सामने रखा है, उसने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह अब किसी दल के सीमित दायरे में नहीं, बल्कि तमिल समाज की व्यापक आकांक्षाओं के प्रतिनिधि के रूप में उभरना चाहते हैं।

अन्नामलाई ने खुलकर कहा कि उनके भीतर लंबे समय से यह संघर्ष चल रहा था कि वह पहले भारतीय हैं या तमिल। यह बयान केवल भावनात्मक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि तमिलनाडु की राजनीति के उस मूल द्वंद्व को सामने लाता है, जिसमें राष्ट्रीय दलों को अक्सर क्षेत्रीय अस्मिता के सामने संघर्ष करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि चार दिसंबर 2025 को ही उन्होंने पार्टी नेतृत्व को इस्तीफे का फैसला बता दिया था, लेकिन उनसे चुनाव तक रुकने का अनुरोध किया गया। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि भारतीय जनता पार्टी का शीर्ष नेतृत्व उनकी लोकप्रियता और प्रभाव को लेकर कितना सजग था।

पूर्व पुलिस अधिकारी रहे अन्नामलाई ने भारतीय जनता पार्टी में सकारात्मक बदलाव के उद्देश्य से प्रवेश किया था। उन्होंने कहा कि पार्टी में रहते हुए उन्होंने कभी तमिलनाडु की पहचान से समझौता नहीं किया। पिछले अठारह महीनों में संगठनात्मक मामलों को लेकर उनकी असहमति लगातार बढ़ती गयी। यही कारण है कि उन्होंने अब एक स्वतंत्र राजनीतिक रास्ता चुनने का फैसला किया है। यह निर्णय किसी आवेश का परिणाम नहीं, बल्कि लंबे चिंतन और रणनीतिक तैयारी का हिस्सा दिखाई देता है।

अन्नामलाई ने अपने नए आंदोलन वी द लीडर की घोषणा करते हुए साफ कर दिया कि उनका उद्देश्य केवल एक और राजनीतिक दल खड़ा करना नहीं, बल्कि राजनीति की भाषा और संस्कृति को बदलना है। उन्होंने परिवारवाद और व्यक्तिपूजा की राजनीति पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि किसी भी विधायक, सांसद या मंत्री का पद स्थायी नहीं होना चाहिए। यह बयान तमिलनाडु की उस परंपरागत राजनीति पर करारा प्रहार है जिसमें कुछ परिवारों और सीमित चेहरों के इर्दगिर्द सत्ता घूमती रही है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अन्नामलाई ने राजनीति में तकनीकी विशेषज्ञों, युवाओं और सामान्य नागरिकों की भागीदारी पर जोर दिया है। उन्होंने युवाओं से राजनीति में आने की अपील करते हुए कहा कि अब आम आदमी की नयी पीढ़ी की राजनीति की नींव रखी जा रही है। यह सोच उन्हें पारंपरिक नेताओं से अलग करती है। देखा जाये तो तमिलनाडु में जहां लंबे समय से भावनात्मक नारों और जातीय समीकरणों के आधार पर राजनीति चलती रही है, वहां अन्नामलाई प्रशासनिक दक्षता, नैतिकता और प्रतिभा आधारित नेतृत्व की बात कर रहे हैं। यही उनकी सबसे बड़ी ताकत बन सकती है।

उनके आंदोलन के अंतर्गत कोयंबटूर में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सेंटर फोर एथिक्स एंड पॉलिटिक्स की स्थापना का फैसला भी बताता है कि वह केवल चुनावी राजनीति नहीं, बल्कि वैचारिक और नैतिक प्रशिक्षण की स्थायी व्यवस्था खड़ी करना चाहते हैं। यह दृष्टिकोण तमिलनाडु की राजनीति में एक नयी बौद्धिक धारा पैदा कर सकता है। उनके आह्वान के कुछ ही समय बाद हजारों लोगों का उनके राजनीतिक आंदोलन से जुड़ना यह संकेत देता है कि जनता के एक हिस्से में बदलाव की बेचैनी पहले से मौजूद थी।

बताया जा रहा है कि अन्नामलाई ने भाजपा नेतृत्व के सामने दो स्पष्ट विकल्प रखे थे। एक तो उन्हें पर्याप्त स्वायत्तता और अधिकारों के साथ कम से कम सात वर्षों तक प्रदेश नेतृत्व दिया जाए, या फिर उन्हें स्वतंत्र राजनीतिक राह चुनने दी जाए। यह मांग उनके आत्मविश्वास और दूरदृष्टि दोनों को दर्शाती है। साथ ही इस्तीफे का ऐलान करने से पहले दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन से उनकी मुलाकात तथा पार्टी नेतृत्व द्वारा उन्हें मनाने की कोशिश इस बात का प्रमाण है कि अन्नामलाई की अहमियत से भाजपा नेतृत्व वाकिफ है।

वैसे तमिलनाडु की मौजूदा राजनीति भी अन्नामलाई के लिए अवसर लेकर आयी है। हालिया विधानसभा चुनावों में द्रविड दलों को झटके लगे और अभिनेता विजय की पार्टी ने अप्रत्याशित सफलता हासिल की। इससे यह स्पष्ट हो गया कि राज्य की जनता अब पारंपरिक राजनीतिक ढांचे से बाहर विकल्प तलाश रही है। अन्नामलाई का मानना है कि राष्ट्रीय दलों के लिए यहां सीमित राजनीतिक जगह है, इसलिए एक मजबूत क्षेत्रीय विकल्प ही जनता की आकांक्षाओं को सही दिशा दे सकता है। उनकी यह समझ राजनीतिक रूप से बेहद व्यावहारिक और दूरदर्शी मानी जा रही है।

उधर, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने भले ही कहा हो कि अन्नामलाई के जाने से पार्टी को कोई नुकसान नहीं होगा, लेकिन राजनीतिक वास्तविकता इससे अलग दिखायी देती है। अन्नामलाई ने तमिलनाडु में भाजपा को ऊर्जा, आक्रामकता और जनस्वीकार्यता दी थी। अब उनके अलग होने से भाजपा के सामने नेतृत्व और जनाधार दोनों की चुनौती खड़ी होगी। दूसरी ओर, अन्नामलाई यदि अपने आंदोलन को संगठित ढंग से आगे बढ़ाते हैं तो वह तमिलनाडु की राजनीति में तीसरी शक्ति के रूप में तेजी से उभर सकते हैं।

बहरहाल, यह स्पष्ट है कि अन्नामलाई ने केवल पार्टी नहीं छोड़ी, बल्कि तमिलनाडु की राजनीति को नयी दिशा देने की चुनौती स्वीकार की है। उनकी राजनीति में साहस है, वैचारिक स्पष्टता है और बदलाव की बेचैनी भी है। आने वाले वर्षों में यह देखना बेहद दिलचस्प होगा कि क्या उनका यह आंदोलन तमिलनाडु की राजनीति में वैसा ही परिवर्तन ला पाएगा जिसकी वह कल्पना कर रहे हैं। फिलहाल इतना तय है कि अन्नामलाई ने राजनीति के मैदान में एक नई बहस छेड़ दी है और इस बहस को नजरअंदाज कर पाना किसी के लिए आसान नहीं होगा।

संक्षिप्त समाचार

## पंचायत चुनाव में देरी को लेकर हाईकोर्ट सख्त, कहा- ओबीसी आरक्षण में दिखनी चाहिए थी तेजी; मांगी रिपोर्ट

लखनऊ एजेंसी। ग्राम पंचायतों के चुनाव में देरी मामले में हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने कहा कि आरक्षण निर्धारण का मामला सरकार के संज्ञान में था। इसके लिए ओबीसी आयोग बनाकर आयोग की सिफारिशों पर तेजी से कार्य किया जाना चाहिए था। लेकिन ऐसा लगता है कि प्रक्रिया अभी जारी है। इसमें नियमानुसार लगभग छह माह का समय लगेगा। इस टिप्पणी के साथ कोर्ट

ने पंचायतों के लोकतांत्रिक स्वरूप एवं समयबद्ध पंचायत चुनावों से जुड़े मुद्दों पर सुनवाई करते हुए राज्य निर्वाचन आयोग एवं अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आयोग को पंचायत चुनावों की हो रही प्रगति की रिपोर्ट 10 जुलाई तक दाखिल करने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति शेखर बी. सराफ और न्यायमूर्ति अबधेश कुमार चौधरी की खण्डपीठ ने यह आदेश आशीष कुमार सिंह, ओम प्रकाश प्रजापति एवं खुशीराम द्वारा दाखिल याचिकाओं पर बुधवार को एक साथ सुनवाई करके पारित किया है। आदेश बृहस्पतिवार को अपलोड हुआ। याचिका उस शासनादेश को चुनौती दी गई है, जिसके तहत ग्राम प्रधानों को ग्राम पंचायतों का प्रशासक नियुक्त किया गया है। तर्क दिया गया कि कार्यकाल समाप्त होने के बाद प्रधानों को प्रशासक बनाकर कार्यरत रखना संविधान के अनुच्छेद 243-ई की भावना विपरीत है।

**मतदाता सूची का प्रकाशन 10 जून को प्रस्तावित-** सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि पंचायत चुनावों में ओबीसी आरक्षण निर्धारण की प्रक्रिया चल रही है। राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से बताया गया कि मतदाता सूची का प्रकाशन 10 जून को प्रस्तावित है।

## राज्य अध्यापक पुरस्कार के लिए आवेदन सात से, 15 साल की सेवा पूरी कर चुके शिक्षक कर सकेंगे आवेदन

लखनऊ एजेंसी। बेसिक शिक्षा विभाग ने राज्य अध्यापक पुरस्कार-2025 के लिए चयन प्रक्रिया व समयसारिणी जारी कर दी है। पात्र शिक्षक 07 से 30 जून तक प्रेरणा पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे।

ऑफलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। शिक्षक आवेदन के साथ अपना पोर्टफोलियो भी देंगे। पुरस्कार के लिए केवल नियमित रूप से कार्यरत शिक्षक-शिक्षिका ही पात्र होंगे। आवेदन के लिए न्यूनतम 15 साल की नियमित सेवा और सेवानिवृत्ति में कम से कम पांच साल की अवधि

शेष होनी चाहिए। बेसिक शिक्षा निदेशक अनिल भूषण चतुर्वेदी ने कहा कि संविदा शिक्षक, शिक्षामित्र, सेवानिवृत्त शिक्षक व पूर्व में राज्य या राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत शिक्षक पात्र नहीं होंगे। 1 से 20 जुलाई तक जिला चयन समितियां प्राप्त आवेदनों का परीक्षण, अभिलेख सत्यापन व मूल्यांकन करेंगी। चयनित आवेदनों का राज्य स्तर पर 1 से 14 अगस्त तक पुनर्मूल्यांकन, प्रस्तुतीकरण व साक्षात्कार होगा।

शिक्षकों का मूल्यांकन 100 अंकों पर होगा। इसमें विद्यालय में नामांकन वृद्धि, ड्रॉपआउट में कमी, निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों की प्राप्ति, नवाचार आधारित शिक्षण, डिजिटल तकनीक के प्रयोग, विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धियों व विद्यालय विकास में योगदान जैसे मानक हैं।

# 30 वर्षीय शशांक की होने वाली थी शादी हॉस्पिटल अग्निकांड में झुलसकर दर्दनाक मौत

**मुजफ्फरपुर, एजेंसी।** जिस घर के आंगन में शादी की खुशियां अंगड़ाई ले रही थी, आज उसी आंगन में मातमी चीख-पुकार का माहौल है. बिहार के मुजफ्फरपुर स्थित प्रसाद हॉस्पिटल अग्निकांड की घटना ने कई परिवारों की खुशियां छीन ली हैं. इन परिवारों में जिल के औराई प्रखंड के रतनपुर गांव निवासी शशांक का परिवार भी शामिल है.

**कुछ ही दिनों में होनी थी शादी:** दरअसल शशांक की कुछ ही दिनों बाद शादी होने वाली थी, लेकिन सड़क हादसे में घायल होने के बाद प्रसाद अस्पताल में भर्ती शशांक गुरूवार को जिंदगी की जंग हार गया और परिवार की सारी खुशियां मातम में बदल गईं.

पूरे गांव में शोक की लहर: गुरुवार को बिहार सरकार के सचिवालय स्थित वित्त विभाग में क्लर्क पद पर कार्यरत शशांक का पार्थिव शरीर उसके पैतृक गांव रतनपुर पहुंचा तो पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई. जिस घर में शादी की तैयारियां चल रही थीं और जहां कुछ दिनों बाद शहनाई गूंजने वाली थी, वहां चीख-पुकार और मातम का माहौल था.

**परिवार की खुशियों पर ग्रहण:** परिजनों ने बताया कि शशांक दो भाइयों में एक था और परिवार की उम्मीदों का केंद्र था. उसकी शादी तय हो चुकी थी और घर में विवाह की तैयारियां जोर-शोर से चल रही थीं. लेकिन एक सड़क हादसे ने परिवार की खुशियों पर ग्रहण लगा दिया. घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया.

**सड़क हादसे में हुआ था घायल:** बताया जा रहा है कि शशांक पटना से ट्रेन के जरिए मुजफ्फरपुर

पहुंचा था और 29 मई को अपने गांव रतनपुर लौट रहा था. इसी दौरान बोचहां थाना क्षेत्र के बहलालपुर पुल के समीप किसी अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी. हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया.

**बेहतर इलाज के लिए रेफर:** हादसे के बाद स्थानीय लोगों की मदद से उसे अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया. इसके बाद परिजनों ने उसे मुजफ्फरपुर के प्रसाद हॉस्पिटल में भर्ती कराया था.

**परिवार ने किया हर संभव प्रयास:** परिवार को उम्मीद थी कि शशांक जल्द स्वस्थ होकर घर लौटेगा और शादी की तैयारियां फिर से शुरू होंगी. लेकिन इलाज के दौरान उसकी हालत लगातार गंभीर बनी रही. शशांक को बचाने के लिए परिवार ने हर संभव प्रयास किया. इलाज में अब तक लाखों रुपये खर्च किए जा चुके थे.

**लगातार बिगड़ती गई स्थिति:** घटना के समय अस्पताल में मौजूद पवन कुमार ने बताया कि अचानक वार्ड में धुआं और आग फैलने से अफरा-तफरी मच गई. मरीजों और उनके परिजनों के बीच जान बचाने की होड़ लग गई. आग लगने के बाद लोगों ने अपनी जान जोखिम में डालकर मरीजों को बाहर निकाला. शशांक को भी अस्पताल की पांचवीं मंजिल से नीचे लाया गया, लेकिन उसकी स्थिति लगातार बिगड़ती चली गई.

**आगलगी की घटना में तोड़ा दम:** कई दिनों तक जिंदगी और मौत से संघर्ष करने के बाद शशांक ने आगलगी की इस घटना में दम तोड़ दिया. उसकी मौत की खबर मिलते ही रतनपुर गांव में मातम छा गया। शुक्रवार को पार्थिव शरीर गांव पहुंचते ही अंतिम दर्शन के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी. नम आंखों से ग्रामीणों और परिजनों ने उसे अंतिम विदाई दी.

**पांच लोगों की हुई मौत:** गौरतलब है कि प्रसाद हॉस्पिटल में हुई आगजनी की घटना में अब तक पांच लोगों की मौत हो चुकी है. जबकि कई मरीज विभिन्न अस्पतालों में उपचाराधीन हैं. शादी की तैयारियों में जुटा शशांक का परिवार अब गहरे सदमे में है. जिस घर में कुछ दिनों बाद खुशियों की गूंज सुनाई देने वाली थी, वहां अब सिर्फ सन्नाटा, आंसू और अपने को खोने का दर्द बाकी रह गया है.

# 40 मिनट में 60 रुपये देकर पहुंचेंगे आईआईटी से नौबस्ता

**कानपुर, एजेंसी।** आईआईटी से नौबस्ता तक का सफर सिर्फ 40 मिनट में 60 रुपये किराया देकर तय किया जा सकेगा। यह संभव होगा कानपुर मेट्रो की बदौलत। कॉरिडोर-1 (आईआईटी से नौबस्ता) तक के लिए 29 मेट्रो ट्रेनें मंगाई गई हैं जो गुरुदेव चौराहे के पास डिपो में खड़ी हैं। हर मेट्रो ट्रेन में 200 सीटें हैं। ये ट्रेनें गुजरात के सावली के मेट्रो कोच निर्माण केंद्र से आई हैं। नौबस्ता रूट पर 23 मेट्रो चलेंगी जबकि शेष छह आरक्षित रहेंगी। यात्रियों को स्टेशन पर छह मिनट के अंतराल में मेट्रो मिलेगी। यूपी मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (यूपीएमआरसी) के जनसंपर्क अधिकारी पंचानन मिश्र के मुताबिक, 15 जुलाई तक आईआईटी से नौबस्ता तक मेट्रो रेल सेवा शुरू हो जाएगी। रेल ट्रैक पर अंतिम टेस्ट कमिश्नर ऑफ मेट्रो रेल सेफ्टी (सीएमआरएस) को करना है जो इसी सप्ताह में होने की उम्मीद है। इसके बाद 10 दिन में रिपोर्ट आ जाएगी और फिर लोकार्पण के लिए प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री कार्यालय से पत्राचार होगा।

### सेक्शन में 20 मेट्रो स्टेशन

आईआईटी से नौबस्ता तक कुल 20 मेट्रो स्टेशन हैं। सेंट्रल रेलवे स्टेशन से नौबस्ता तक मेट्रो रेल के लिए सात स्टेशन बने हैं। इनमें दो अंडरग्राउंड (झकरकटी व ट्रांसपोर्टनगर) और पांच एलिवेटेड (बारादेवी, किदवईनगर, वसंत विहार, बौद्धनगर और नौबस्ता) हैं। आईआईटी से नौबस्ता तक 15 जुलाई तक मेट्रो रेल सेवा शुरू कर देंगे। किराए की दरें तय हो गई हैं, इस सेक्शन में हर छह मिनट में स्टेशन पर ट्रेन मिलेगी। इससे 40 मिनट के करीब 24 किमी का सफर पूरा होगा। - पंचानन मिश्र, जनसंपर्क अधिकारी, यूपीएमआरसी

# सील मकान में फोरेंसिक टीम दिनभर जुटाती रही साक्ष्य, बरामद हुई आरोपी

**प्रयागराज, एजेंसी।** वैश्य वैश्य परिवार हत्याकांड के खुलासे के बाद भी जांच एजेंसियां कोई कसर नहीं छोड़ना चाहतीं। बृहस्पतिवार को फोरेंसिक विशेषज्ञों की टीम पूरे दिन घटनास्थल पर डटी रही। घर के कोने-कोने से साक्ष्य जुटाने का प्रयास किया। सील मकान के आसपास सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी रही। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से कई महत्वपूर्ण नमूने एकत्र किए। घर के विभिन्न हिस्सों में मिले खून के धब्बों को सुरक्षित किया गया। उस पानी की टंकी से भी सैंपल लिया गया, जिसमें आरोपी ने डिटर्जेंट और अन्य पदार्थ डालकर साक्ष्य मिटाने का प्रयास किया। जांच टीम ने फर्श, दीवारों और अन्य संदिग्ध स्थानों से भी नमूने संग्रहित किए। घटनास्थल से आरोपी शनि गुप्ता की एक शर्ट बरामद हुई है, जो वारदात के दौरान वहां छूट गई थी। टीम ने उसे कब्जे में लेकर जांच के लिए सुरक्षित कर लिया है। कपड़ों पर मिले जैविक और वैज्ञानिक साक्ष्य केस को और मजबूत बना सकते हैं। विशेषज्ञों की टीम घर के अंदर विभिन्न स्थानों की फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी और मैपिंग की गई ताकि घटनाक्रम को वैज्ञानिक तरीके से समझा जा सके। टीम यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि हत्या के बाद साक्ष्य मिटाने के लिए किन-किन तरीकों का इस्तेमाल किया गया था। उधर, पुलिस की एक टीम आसपास के लोगों, दुकानदारों और पड़ोसियों से पूछताछ करती रही। यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि मामले से जुड़ा कोई भी तथ्य या संभावित पहलू जांच से छूटने न पाए। साउथ मलाका में कारोबारी वीरेंद्र कुमार वैश्य, पत्नी अनीता, बेटी मीनाक्षी और बेटे अभिषेक की हत्या के मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बेरहमी की कहानी दर्ज है। रिपोर्ट के अनुसार, परिवार के चारों सदस्यों पर 33 बार हमला किया गया। सबसे अधिक 12 चोटें बेटे अभिषेक के सिर पर मिली हैं। वीरेंद्र और अनीता के सिर पर 10-10 चोटें हैं। बेटी मीनाक्षी के सिर पर सिर्फ एक चोट, लेकिन निशान बहुत गहरा है। यानी बहुत ते प्रहार किया गया है। सभी में अधिकतर चोटें सिर और शरीर के ऊपरी हिस्से पर हैं। पुलिस का मानना है कि रिपोर्ट से मिले तथ्य केस को मजबूत करने में मदद करेंगे।

## डॉक्टरों ने बच्चे को दुर्लभ बीमारी से दिलाई निजात

**लखनऊ एजेंसी।** केजीएमयू के डॉक्टरों ने रोबोटिक सर्जरी कर दुर्लभ बीमारी से ग्रस्त बच्चे को नई जिंदगी दी है। बच्चा जन्मजात बीमारी कोलेडोकल सिस्ट से ग्रस्त था। सर्जरी के बाद बच्चे की हालत में सुधार बाद उसे डिस्चार्ज कर दिया गया। कुलपति ने ऑपरेशन करने वाली टीम को बधाई दी है।

कानपुर निवासी गौरव (11) लंबे समय से कोलेडोकल सिस्ट जन्मजात बीमारी से ग्रस्त था। परिजनों ने पहले कई अस्पतालों में दिखाया मगर राहत नहीं मिली। परिजनों ने बच्चे को बीती 5 मई को केजीएमयू की पीडियाट्रिक इमरजेंसी में भर्ती कराया था। जांच में पता चला कि बच्चे को कोलेडोकल सिस्ट है। जो पित्त नलिकाओं से जुड़ी एक दुर्लभ बीमारी है। समय पर इलाज न होने पर यह बीमारी लिवर की गंभीर समस्या का कारण बनती है। प्रो. जेडी रावत की टीम ने मरीज की स्थिति को देखते हुए रोबोटिक सर्जरी का फैसला लिया। 26 मई को रोबोट के जरिये सफल ऑपरेशन किया गया। इस प्रक्रिया में असामान्य पित्त नलिका को हटाकर लिवर से आंत तक पित्त के प्रवाह के लिए नया मार्ग बनाया गया। प्रो. जेडी रावत ने बताया ऑपरेशन के बाद बच्चे को डिस्चार्ज कर दिया गया।

### सर्जरी टीम में शामिल रहे डॉक्टर

प्रो. जेडी रावत, डॉ. सुधीर सिंह, डॉ. गुरमीत सिंह, डॉ. कृति पटेल, डॉ. कृतिका, नर्सिंग स्टाफ रीता, संजय और रिंकेश शामिल रहे। एनेस्थीसिया विभाग से डॉ. आयुषी बग्गा की भी भूमिका रही।

## आंधी से बिजली व्यवस्था चरमराई, उपभोक्ता परेशान

**अलीगढ़, एजेंसी।** शाम को आई तेज आंधी और खराब मौसम से शहरी क्षेत्र की बिजली व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई। बिजली लाइनों में खराबी आने से विभिन्न उपकेंद्रों से जुड़ी आपूर्ति बाधित हो गई। हजारों उपभोक्ताओं को घंटों बिजली संकट का सामना करना पड़ा। शहर के स्वर्ण जयंती नगर, रावणटीला, नंदनवन, विद्यानगर, कुंजलपुर, शिवपुरी, प्रभात नगर, बिहारी नगर, नगला पला, रेलवे सड़क, रघुवीरपुरी, गांधीनगर, महेंद्र नगर, हीरा नगर, अशोक नगर कॉलोनी, ओजोन सिटी और मथुरा सड़क क्षेत्र जैसे कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित हुई। ओजोन सिटी में 33 केवी लाइन में भी खराबी आई। सारसौल क्षेत्र में भी कई घंटे तक आपूर्ति ठप रही। बिजली न होने से लोगों को पेयजल संकट और भीषण गर्मी झेलनी पड़ी। उपभोक्ताओं में काफी नाराजगी देखने को मिली। मुख्य अभियंता अरविंद नायक ने बताया कि तेज आंधी से शहरी और देहात क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित हुई है। देहात क्षेत्र में बड़ी संख्या में बिजली के खंभे टूट गए हैं।

शराबी बेटा कर रहा था मां की पिटाई

# 85 साल के बुजुर्ग बाप ने पत्थर से कुचलकर मार डाला

**कानपुर, एजेंसी।** अजनर थाना क्षेत्र के आनंदपुरा बड़ेरा गांव में बृहस्पतिवार की शाम को एक कलयुगी बेटे की हैवानियत और बुजुर्ग पिता के खौफनाक गुस्से का खूनी अंत हुआ। शराब के नशे में अपनी 80 वर्षीय बुजुर्ग मां को बेरहमी से पीट रहे बेटे को बचाने आए 85 साल के लाचार पिता का सब्र इस कदर टूटा कि उसने डंडे और भारी पत्थर से हमला कर अपने ही सगे बेटे को मौत के घाट उतार दिया। इस दर्दनाक ऑन-स्पॉट मर्डर से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने आरोपी बुजुर्ग पिता को हिरासत में ले लिया है और वह सीएचसी जैतपुर के बाहर बदहवास हालत में बैठा नजर आया।

**शराब की लत ने उजाड़ा था घर-** इस पूरी वारदात के पीछे एक बेहद कड़वा और लंबा अतीत छिपा हुआ है। मृतक भगवत (36) की शादी 10 साल पहले प्रेमवती नाम की युवती से हुई थी। लेकिन भगवत को शराब की ऐसी गंदी लत थी कि वह शादी के बाद से ही आए दिन अपनी पत्नी के साथ बेरहमी से मारपीट और गाली-गलौज करता था। मृतक की मां रम्भी ने रोते हुए बताया कि उसकी बहू इस नरक से तंग आकर सिर्फ 3-4 बार ही ससुराल आई और फिर हमेशा के लिए अपने मायके चली गई। पत्नी के जाने के बाद भी भगवत का दिल नहीं

पसीजा और वह मेहनत-मजदूरी से मिलने वाले सारे रुपये शराब में ही फूंक देता था।

**बूढ़ी मां पर बरसा रहा था लात-घूंसे, पिता ने पीछे से किया वार-** मिली जानकारी के अनुसार, बृहस्पतिवार की शाम करीब चार बजे भगवत हमेशा की तरह आकंठ शराब में डूबा हुआ घर पहुंचा। जब उसकी बूढ़ी मां रम्भी ने उसे इतनी ज्यादा शराब पीने से मना किया, तो वह आगबबूला हो गया और अपनी ही मां को जमीन पर गिराकर पीटने लगा। 80 साल की मां की चीखें सुनकर पास ही बैठे 85 वर्षीय पिता नन्हेभाई ने बेटे को रोकने की बहुत कोशिश की, लेकिन नशे में धुत भगवत थमा नहीं। बेटे को अपनी मां पर काल बनकर टूटता देख बुजुर्ग पिता के भीतर का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने पीछे से भारी डंडे से भगवत के सिर पर जोरदार वार कर दिया, जिससे वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ा।

**जमीन पर गिरते ही सिर पर दे मारा भारी पत्थर-** डंडे के वार से भगवत जब जमीन पर गिरकर तड़पने लगा, तब भी बुजुर्ग पिता का गुस्सा शांत नहीं हुआ। रोज-रोज के इस घरेलू कलेश और मां पर हो रहे अत्याचार को खत्म करने के लिए नन्हेभाई ने पास में रखा एक भारी पत्थर उठाया और सीधे भगवत के सिर पर दे मारा।

उद्योगों ने खींचे हाथ..

# दान की पोटली के लिए तरसे टीबी मरीज

**अलीगढ़ , एजेंसी।** टीबी के खिलाफ लड़ाई में दवा के साथ पोषण को सबसे बड़ा हथियार माना जाता है, लेकिन अलीगढ़ में हजारों मरीज इसी सहारे से वंचित हो रहे हैं। निक्षय मित्र बनकर पोषण पोटली देने का वादा करने वाले उद्योगों और संस्थानों ने सहयोग कम कर दिया है। नतीजतन 11695 में सात हजार से अधिक टीबी मरीज कई दिन से अगली पोटली का इंतजार कर रहे हैं। आंकड़े बताते हैं कि पिछले साल की तुलना में इस साल 77त कम पोटली बांटी गईं। 2025 में 35493 पोटली वितरित की गईं जबकि इस साल 15 मई तक यह संख्या 8150 रही। दरअसल सितंबर 2024 में 20 उद्योगों को निक्षय मित्र बनाया गया जिन्होंने सीएसआर फंड से मरीजों को निशुल्क पोषण पोटली वितरित कराईं। प्रत्येक पोटली में एक-एक किलो मूंगफली, भुना चना, गुड़, सत्तू, तिल-गजक होता है। कुछ समय तक यह प्रक्रिया चलती रही, लेकिन इसके बाद एक-एक करके उद्योगों ने हाथ खींचना शुरू कर दिया। मौजूदा स्थिति ऐसी है कि 15 उद्योगों से सहयोग नहीं मिल रहा है। इनमें कुछ के विषय में रुचि न दिखाने, कुछ पर फैक्टरी बंद होने, कुछ पर मना करने, कुछ पर सीएसआर फंड खत्म होने व कुछ ने स्वीकृति नहीं मिलने का हवाला दे रही है। यह जानकारी बीते 25 मई को तत्कालीन सीएमओ डॉ. नीरज त्यागी ने जिला उद्योग केंद्र को लिखे पत्र में दी। इसमें यह भी लिखा है कि पोषण पोटली को लेकर इन दाताओं से पर्याप्त सहयोग नहीं मिल रहा है।

### उद्योगों का यह रहा सहयोग

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, मंगलम सीमेंट अनूपशहर रोड ने छह माह तक सहयोग किया। फिर इस वर्ष मार्च में 200 पोटली दीं। वंडर सीमेंट सोमना ने 12 महीने तक लगातार पोटली वितरण में सहयोग किया। इसी तरह, अल्ट्राटेक सीमेंट कासिमपुर ने आठ माह, फिर कभी-

कभार, एलाना मीट उद्योग तालसपुर की एक यूनिट से लगातार व दूसरी यूनिट से छह माह मिलीं। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन करसुआ ने अभी तक सहयोग नहीं किया। जायडस छेरत ने छह माह, फिर एक बार 300 पोटली वितरण में सहभागिता की। भोले बाबा डेयरी खैर रोड और

### क्या कहते हैं अधिकारी

. वित्तीय वर्ष बदलने से अप्रैल और मई में कुछ दिक्कतें आई हैं। इसके लिए पत्राचार किया है। तीन उद्योगों ने सहयोग नहीं किया है।
**डॉ. राहुल शर्मा, जिला क्षय रोग अधिकारी**

. हमारा लक्ष्य पहले से तय है। सीधे स्वास्थ्य विभाग को पोटली देते हैं। अगर कोई समस्या आती है तो विभाग हमें जानकारी देते हैं और फिर संबंधित उद्योगों से संपर्क किया जाता है। ऐसा नहीं है कि कोई बिल्कुल नहीं दे रहा हो।
**- एसपी यादव**
**महाप्रबंधक, जिला उद्योग केंद्र**

धनजीत वाडरा तालानगरी, राजीव गर्ग मैटल इंडस्ट्री ने छह-छह माह दीं। सुमित सराफ शेखर ग्रुप ने नौ माह पोटली दीं। राजेश अग्रवाल मसकट ग्रुप ने अभी तक एक भी नहीं दीं। अलहम्द मीट इंडस्ट्री इलियासपुर, अलदुआ मीट इंडस्ट्री अमरपुर, पावना ग्रुप आगरा रोड व फेयर एक्सपोर्ट तालसपुर से तीन माह पहले तक मिली हैं, लेकिन अब बंद हैं।

**एएमयू ने सिर्फ एक महीने किया सहयोग-** कुछ स्वयं सेवी संगठन और पांच औद्योगिक इकाइयां ऐसी हैं, जो जिले के टीबी मरीजों के लिए लगातार पोषण पोटली दे रहे हैं। राज्यपाल के निर्देश पर राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय भी टीबी मरीजों की मदद के लिए आगे आया लेकिन स्वास्थ्य विभाग के कागजात बताते हैं कि आरएमपीयू ने अब तक सिर्फ तीन महीने ही सहयोग किया जबकि अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय ने एक महीने ही बजट दिया।

## सरकारी मदद का नहीं किया इंतजार, खुद के खर्चे से बदल दी पार्क की सूरत

आगरा, एजेंसी। आगरा के दयालबाग की अदनबाग कॉलोनी के लोगों ने इच्छाशक्ति और सामूहिक प्रयास की अनूठी मिसाल पेश की है। कुछ समय पहले तक यहां बदहाल पार्क गंदगी और अंधेरे में डूबा हुआ था। कॉलोनी निवासी दयाल प्यारी कश्यप और उनके पति विधु कश्यप ने एक नई रोशनी दिखाई। दोनों ने सरकारी मदद का इंतजार न कर खुद पार्क का कायाकल्प करने का बीड़ा उठाया। दोनों ने 4 अप्रैल से पार्क की सफाई का काम शुरू किया। उनके जज्बे को देखकर कॉलोनी के लोग जुड़ते गए और करीब

6.25 लाख रुपये की धनराशि जुटा ली। इसके बाद पार्क का जीर्णोद्धार हुआ। अब पार्क में हरी-भरी घास, खूबसूरत फाउंटेन, रंग-बिरंगी लाइटें, बच्चों के लिए झूले, बैठने के लिए बेंच और लिहाज से शानदार मुख्य द्वार लगाया गया है। यह पार्क हर उम्र के लोगों के लिए सुबह-शाम टहलने और सुकून के पल बिताने का बेहतरीन ठिकाना बन चुका है। दयाल प्यारी कश्यप और विधु कश्यप ने बताया कि अभी भी पार्क में काम जारी है। फिलहाल वाटर मोटर से फाउंटेन चलाया जा रहा है। सबमर्सिबल पंप की व्यवस्था अभी होनी है। कॉलोनी में दो और पार्क हैं। दंपती अब इनमें से एक पार्क में ओपन जिम बनाने की मुहिम शुरू करने वाले हैं।

# विश्व पर्यावरण दिवस : मोदी ने सतत विकास के प्रति नये सिरे से प्रतिबद्धता का किया आह्वान



**नयी दिल्ली, 5 जून (भा)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि पिछले एक दशक में उनकी सरकार के प्रयासों के परिणामस्वरूप हरित क्षेत्र का विस्तार हुआ है और कई वन्य जीव प्रजातियों की आबादी में वृद्धि हुई है। प्रधानमंत्री ने सामूहिक प्रयासों, नीतियों, विज्ञान में विश्वास और नवाचार के माध्यम से पर्यावरण में सुधार लाने के उदाहरण प्रस्तुत करने के लिए नागरिकों की सराहना की। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं! पर्यावरण संरक्षण के प्रति समर्पित सभी लोगों की मैं सराहना करता हूं। मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि यह दिन हमें अपने पर्यावरण की रक्षा करने और सतत विकास को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराने की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि प्रकृति का संरक्षण केवल एक दायित्व नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति और संस्कारों का भी अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने बताया कि पिछले दशक में उनकी सरकार ने इस संबंध में कई पहलें की हैं। उन्होंने कहा कि भारत की कुछ प्रमुख उपलब्धियों में हरित क्षेत्र का विस्तार और कई जानवरों की आबादी में वृद्धि शामिल है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के लोग देश की जैविक विविधता पर बहुत गर्व करते हैं और देश के विविध पारिस्थितिक तंत्र अनगिनत प्रजातियों और आजीविका का आधार हैं। उन्होंने कहा कि विशेष संरक्षण के क्षेत्र में हमारे प्रयास भी सराहनीय रहे हैं। ग्रेट इंडियन बस्टर्ड, हिम तेंदुए, स्लॉथ बियर और चीतों के संरक्षण के प्रयासों ने यह दिखाया है कि निरंतर प्रतिबद्धता वन्यजीवों और पारिस्थितिक तंत्रों को बहाल करने में कैसे सहायक हो सकती है। मोदी ने कहा कि सरकार की एक पेड़ मां के नाम जैसी पहलों ने प्रति वर्ष लगभग 1.19 लाख हेक्टेयर वन क्षेत्र जोड़ने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि हम एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य के सिद्धांत से प्रेरित होकर मिशन लाइफ की भावना के माध्यम से एक स्वच्छ, हरित और अधिक टिकाऊ ग्रह की दिशा में काम करना जारी रखेंगे। विश्व पर्यावरण दिवस प्रतिवर्ष पांच जून को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और इसके लिए कार्रवाई को प्रोत्साहित करने के लिए मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के तहत 1973 में पर्यावरण दिवस मनाने की घोषणा की गयी थी। यह पर्यावरण संबंधी मुद्दों पर जन जागरूकता फैलाने का सबसे बड़ा वैश्विक मंच है, जिसे दुनिया भर में लाखों लोग मनाते हैं। 2026 में इस कार्यक्रम की मेजबानी अजरबैजान करेगा। यह आयोजन वैश्विक स्तर पर पर्यावरण संबंधी कार्यों का समर्थन करने वाले सबसे व्यापक मंचों में से एक बन गया है।

## रसायन बनाने वाले कारखाने में विस्फोट, एक मरे

**अहमदाबाद, 5 जून (भा)।** गुजरात के अहमदाबाद में एक औद्योगिक क्षेत्र में स्थित रसायन बनाने वाले कारखाने में आज हुए विस्फोट में एक श्रमिक की मौत हो गयी, जबकि तीन अन्य घायल हो गये। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना नरोडा जीआईडीसी में स्थित एमएनएस इंटरमीडिएट्स के कारखाने में हुई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कारखाने के भीतर रासायनिक विलायक से भरे एक टैंक में विस्फोट हो गया। उन्होंने कहा कि विस्फोट में चार लोग घायल हो गये, जिन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनमें से एक की मौत हो गयी। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि विस्फोट के बाद कारखाना परिसर में हाइड्रोजन से भरे एक ट्रक में भी आग लग गयी। दमकल विभाग के अधिकारी ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही दमकल की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया गया। उन्होंने कहा कि घटना के सटीक कारणों की जांच की जा रही है।

### दिग्विजय ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

# प्रश्नपत्र लीक मामले पर श्वेत पत्र लाये जाने का किया आग्रह



**नयी दिल्ली, 5 जून (भा)।** कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) के प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है, जिसमें केंद्र सरकार से राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा पिछले आठ वर्षों में आयोजित परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक या अनियमितताओं के मामलों और उन पर की गयी कार्रवाई का ब्योरा देते हुए श्वेत पत्र जारी करने का आग्रह किया गया है। संसद की शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल संबंधी स्थायी समिति के अध्यक्ष सिंह ने यह भी कहा कि ऐसे समय में जब लाखों छात्र भारी दबाव में हैं, तो व्यवस्था में उनका भरोसा मजबूत करना महत्वपूर्ण है। सिंह ने प्रधानमंत्री को लिखे अपने पत्र में कहा कि मैं आपको एक बेहद महत्वपूर्ण चिंता से अवगत कराने के लिए पत्र लिख रहा हूं, जिसे पिछले कुछ सप्ताह में कई विद्यार्थियों ने मेरे सामने रखा है। जब नीट-यूजी 2026 परीक्षा रद्द होने से लाखों विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा असर पड़ा है, तब ऐसे में उनके लिए तनाव का एक बड़ा कारण इस मामले में स्पष्टता का अभाव है कि पहले लीक हुए प्रश्नपत्रों के मामलों की जांच किस तरह हुई। कांग्रेस नेता ने कहा कि इसका कोई सार्वजनिक रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है कि प्रश्नपत्र लीक से संबंधित मामलों और उन पर सीबीआई और केंद्र एवं राज्य सरकारों की अन्य जांच एजेंसियों द्वारा कैसे मुकदमा चलाया जा रहा है। सिंह ने कहा कि आधिकारिक जानकारी के अभाव में कई खबरों और अफवाहों ने उसकी जगह ले ली है। उन्होंने कहा कि उदाहरण के लिए एक यह शिकायत मुझे बार-बार मिली है कि हजारीबाग में नीट-यूजी 2024 प्रश्नपत्र लीक मामले का मुख्य आरोपी संजीव कुमार उर्फ मुखिया कथित तौर पर जमानत पर बाहर है। इसी तरह, सीबीआई ने कथित तौर पर एक क्लोजर रिपोर्ट दायर कर कहा कि 2024 की उस विश्वविद्यालय अनुदान आयोग-राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (यूजीसी-नेट) में कोई अनियमितता नहीं हुई थी जिसे उस समय राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने रद्द कर दिया था। राज्यसभा सदस्य ने कहा कि जब दिल्ली की एक अदालत ने अपनी क्लोजर रिपोर्ट के लिए लिखित स्पष्टीकरण मांगा तो सीबीआई ने और समय मांगा। सिंह के मुताबिक स्पष्टीकरण देने में सीबीआई की देरी से भारत के छात्रों के बीच नकारात्मक संदेश गया है।

## शुभेंदु अधिकारी के सहयोगी की हत्या मामले में उप्र से दो आरोपी गिरफ्तार

**नयी दिल्ली, 5 जून (भा)।** केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के सहयोगी चंद्रनाथ रथ की हत्या के सिलसिले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने आज यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सीबीआई ने आरोपी विकास मिश्रा और गोलू सिंह को तलाशी अभियान के दौरान क्रमशः उत्तर प्रदेश के लखनऊ और बलिया से गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने बताया कि मिश्रा को लखनऊ के एक होटल से पकड़ा गया, जबकि सिंह को बलिया से गिरफ्तार किया गया। इसी से संबंधित एक अन्य घटनाक्रम में इस मामले के एक अन्य आरोपी ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह उर्फ मोनू ने कल बलिया की एक अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया, जहां से उसे 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। स्थानीय पुलिस के अनुसार कुख्यात अपराधी मोनू 12 आपराधिक मामलों का सामना कर रहा है और वह रथ हत्याकांड में भी वांछित था।

# तमिलनाडु की राजनीति में नया बदलाव लाने का अन्नामलाई ने किया वादा



**चेन्नई, 5 जून (भा)।** भाजपा की तमिलनाडु इकाई के पूर्व अध्यक्ष के अन्नामलाई ने कहा कि वह आम आदमी की राजनीति लाने के उद्देश्य से एक नई राजनीतिक यात्रा शुरू कर रहे हैं, जो पारंपरिक व्यक्ति-प्रधान राजनीति से दूर होगी और चाटुकारिता और वंशानुगत सत्ता को खारिज करेगी। अन्नामलाई ने आज भारतीय जनता पार्टी छोड़ दी थी। इस तरह के नये राजनीतिक आंदोलन की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि यह नाम के बारे में नहीं, बल्कि एक विचार के बारे में होगा। पूर्व आईपीएस अधिकारी ने सोशल मीडिया पर अपने संबोधन में उनके राजनीतिक ष्टिकोण की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि आइए हम खुद को बदलें और बदलाव स्वाभाविक रूप से होगा। आंदोलन का मूल सिद्धांत है कि खुद को बदलें और बदलाव लाएं (मारुवोम, मातृवोम)। अन्नामलाई (42) ने पंथवादी राजनीति से दूर जाने की इच्छा व्यक्त करते हुए कहा कि वह इसके बजाय आम आदमी की राजनीति करेंगे, जो लोगों की जरूरतों को प्राथमिकता देती है। उन्होंने हालांकि स्पष्ट किया कि उनका आंदोलन मौजूदा पार्टियों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर रहा है। उन्होंने संबोधन में कहा कि हम यहां किसी से प्रतिस्पर्धा करने के लिए नहीं हैं। सत्ताधारी पार्टी और विपक्षी पार्टियां जो भी हों, उन्हें अपनी नीतियां व्यक्त करने दीजिए और हम भी उचित समय पर अपनी नीतियां व्यक्त करेंगे। उन्होंने कहा कि हमारी राजनीति सिर्फ विरोध करने के लिए नहीं है। तमिलनाडु में हम द्रमुक, अन्नाद्रमुक, एनटीके, सीमन (एनटीके के संस्थापक), अंबुमणि (पीएमके नेता), जीके वासन (टीएमसी नेता), एसी शणमुगम, पारिवेंधर, जॉन पांडियन, कृष्णासामी, वाइको, प्रेमलता मैडम को जिस नजरिए से देखते हैं, ठीक उसी नजरिए से मैं भारतीय जनता पार्टी को देखूंगा। अन्नामलाई ने कहा कि तमिल संस्कृति के अनुसार उनका सिद्धांत किसी संगठन को सम्मानपूर्वक सूचित करके उससे बाहर निकलना था और उन्होंने भाजपा से अपने प्रस्थान को तमिल सद्गुण का विस्तार बताया।

## रामलिंगा रेड्डी का कर्नाटक के मंत्री पद से इस्तीफा देने की घोषणा

**बेंगलुरु, 5 जून (भा)।** कांग्रेस नेता रामलिंगा रेड्डी ने कर्नाटक मंत्रिमंडल में विभागों के बंटवारे पर नाराजगी जताते हुए शुक्रवार को मंत्री पद से इस्तीफा देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि वह बेंगलुरु विकास विभाग चाहते थे, लेकिन उन्हें बड़ी और मध्यम सिंचाई परियोजनाओं का विभाग सौंप दिया गया। इस्तीफे की घोषणा मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार द्वारा कल रात को मंत्रियों को विभागों का बंटवारा किये जाने के बाद आयी है। रेड्डी ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मैं अपने पद से इस्तीफा दे रहा हूं, क्योंकि मैं अपनी अंतरात्मा के विरुद्ध जाकर काम नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि मैं इस अपमान को आखिर कब तक सहन करूं और मेरे पास इसके अलावा क्या विकल्प था? यह घटनाक्रम शिवकुमार सरकार के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, जिसने बुधवार को ही सत्ता संभाली थी।

# निकोबार परियोजना सामरिक नहीं, मकसद एक कारोबारी को फायदा पहुंचाना : राहुल



**नयी दिल्ली, 5 जून (भा)।** कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आज दावा किया कि ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना का रक्षा और सामरिक क्षेत्र से संबंध नहीं है, बल्कि यह एक उद्योगपति को होटल तथा कैसीनो बनाने में मदद करने का प्रयास है। राहुल गांधी ने इसी साल अप्रैल के अंत में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का दौरा किया था। उन्होंने कल अपनी उस यात्रा पर आधारित 16 मिनट से अधिक का एक वीडियो जारी किया। उन्होंने लोगों से मोदी सरकार को यह बताने के लिए एक ऑनलाइन याचिका पर हस्ताक्षर करने का आग्रह किया कि हम ग्रीड (लालच) के बजाय ग्रीन (हरित क्षेत्र) को चुनते हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यह वीडियो एक्स पर साझा करते हुए कहा कि मैंने भारत के सबसे दक्षिणी सिरे का दौरा किया। मैं इंदिरा प्वाइंट पर गया था। मैं सदियों से खड़े पेड़ों के नीचे गया। मैंने पृथ्वी पर सबसे जीवंत मूंगा चट्टानों वाले क्षेत्र में गोता लगाया। मैंने वहां रहने वाले लोगों के साथ मुलाकात की। ये वो आदिवासी समुदाय हैं, जिनकी भूमि वन अधिकार अधिनियम का उल्लंघन करके छीन ली जा रही है। उनका कहना है कि भारत सरकार द्वारा इन द्वीपों पर बसे लोगों को उचित मुआवजा नहीं दिया जा रहा है। कांग्रेस नेता ने कहा कि मोदी सरकार और भाजपा आपको बताती है कि ग्रेट निकोबार परियोजना रक्षा क्षेत्र से जुड़ी है, जबकि ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि आईएनएस बाज का विस्तार किया जाएगा तो हम सरकार का पूरा समर्थन करेंगे। राहुल गांधी ने दावा किया कि नौसेना पांच साल से विस्तार की मांग कर रही है, लेकिन इस मांग को नजरअंदाज कर दिया गया है।

# पृष्ठ 1 का शेष

**12 विधायकों ने...**

है। बराक घाटी के कौशिक राय और कृष्णेंदु पाल को मंत्री बनाया गया है। वहीं निचली असम से अश्विनी रॉय सरकार, जयंत मल्ल बरुवा, निलिमा देवी को कैबिनेट में स्थान दिया है। मध्य असम से पीयूष हजारिका को स्थान दिया है। जबकि बीटीसी से चरण बोड़ो के बाद विश्वजीत दैमारी को मंत्री बनाया गया है। ऊपरी असम से अतुल बोरा, अजंता नेउग, केशव महंत, बिमल बोरा, रनोज पेगू, सुशांत बरगोहाईं, रामेश्वर तेली को कैबिनेट में स्थान दिया गया है। जबकी उत्तरी असम से अशोक सिंघल को कैबिनेट में स्थान दिया गया है। इस मंत्रीपरिषद में भाजपा के मुख्यमंत्री को मिलाकर 14, अगप से 2 और बीपीएफ कोटे से एक मंत्री शामिल है। 126 विधायकों वाली विधानसभा में भाजपा के सर्वाधिक 82 और अगप-बीपीएफ के 10-10 विधायक है।

**बिना भेदभाव के...**

उन्होंने सरकार से अनुरोध किया कि असम में ब्रह्मपुत्र के कारण होने वाले भीषण भू-कटाव को रोकने, बेरोजगारी की समस्या का स्थायी समाधान तलाशने तथा शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे के विकास पर विशेष ध्यान दिया जाए। इन जनहित के मुद्दों पर प्राथमिकता से काम करने का आह्वान करते हुए अजमल ने एक बार फिर सभी मंत्रियों के सफल कार्यकाल की कामना की।

**विभागों के बंटवारे...**

चतुर्थ वर्ग के कर्मचारियों का तृतीय वर्ग में पदोन्नति हो सकता है। इसके अलावा कैबिनेट ने राज्य की दूसरी राजधानी डिब्रुगढ़ के विकास के लिए 500 करोड़ की राशि को अनुमोदन दिया है, जो अगले पांच सालों में खर्च किया जाएगा। कैबिनेट ने डिब्रुगढ़ द्वितीय राज्य राजधानी क्षेत्र प्राधिकरण के गठन की मंजूरी दी है। इसके द्वारा ही उक्त राशि खर्च किये जाएंगे। द्वितीय राजधानी की सीमा 20 वर्ग किलोमीटर का होगा और यह डिब्रुगढ़ जिले के भीतर ही होगा। इस प्राधिकरण का नेतृत्व स्थानीय विधायक करेंगें, जिनका रैंक कैबिनेट मंत्री स्तर का होगा। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने आगे कहा कि आज कैबिनेट ने विधायक पूंजी को 1 से 2 करोड़ रुपए तक बढ़ाने की मंजूरी दी है, चुकी इस साल आधा समय निकल चुका है, इसलिए इस साल डेढ़ करोड़ रुपए ही राशि की मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा कि विधायक पूंजी के 2 करोड़ में से 10 प्रतिशत राशि यानि 20 लाख क्षेत्र के जरूरत के अनुसार वस्तुएं खरीदने के लिए रखा गया है। जैसे किसी मेधावी छात्रों को लैपटॉप चाहिए या फिर किसी स्कूल में पंखा। बाकी 1.8 करोड़ की राशि क्षेत्र के बुनियादी विकास के लिए होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि 6 जुलाई से पूर्ण बजट सत्र होगा और यह 21 दिन का होगा। उन्होंने कहा कि पूर्वांग बजट पारित नहीं होने के कारण कुछ कुछ योजना का कार्य प्रभावित हुआ है, लेकिन 1 अगस्त से सब सुचारू हो जाएगा। वहीं नये मंत्रियों के विभागों के बंटवारे को लेकर उन्होंने कहा कि वे एक हफ्ते का समय लेंगे। पुराने मंत्रियों के कार्यों का आंकलन और नए मंत्रियों के किस क्षेत्र में काम कर सकते है, की संभावना देख कर विभागों का बंटवारा किया जाएगा। लेकिन अभिभावक मंत्री का बंटवारा कल तक कर दिया जाएगा।

**टीम असम का...**

करते हुए सोनोवाल ने एक अत्यंत सकारात्मक संदेश दिया। उन्होंने पूरे विश्वास के साथ कहा कि टीम असम का यह नया और ऊर्जावान स्वरूप अपने सामूहिक प्रयासों, दृढ़ इच्छाशक्ति और कुशल रणनीतियों के बल पर राज्य की आम जनता की उम्मीदों, सपनों और आकांक्षाओं को पूरा करने में पूरी तरह सक्षम सिद्ध होगा। उन्होंने अपनी उम्मीदों को साझा करते हुए यह भी कहा कि नया और पुनर्गठित नेतृत्व असम को शांति, चौतरफा प्रगति, स्थिरता और समृद्धि के एक नये युग की ओर ले जाने में सबसे महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक भूमिका निभाएगा, जिससे राज्य विकास की नयी ऊंचाइयों को छू सके।

**राष्ट्रपति पुतिन का...**

पीटीआई सहित विश्व की प्रमुख समाचार एजेंसियों के प्रमुखों के साथ कल रात को हुई बातचीत में पुतिन ने भारत-रूस रक्षा और सैन्य संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि मास्को अब भी एसयू-57 विमान कार्यक्रम में नयी दिल्ली को शामिल करने के लिए उत्सुक है। पुतिन ने संवाददाता सम्मेलन में एकमात्र भारतीय पत्रकार पीटीआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रधान संपादक विजय जोशी के एक सवाल पर कहा कि जहां तक एसयू-57 की बात है, हमने भारत में अपने दोस्तों को इस पांचवीं पीढ़ी के विमान को संयुक्त रूप से विकसित करने का प्रस्ताव दिया था। मुझे लगता है कि यह अब तक का सबसे अच्छा विमान है। लेकिन हमारे भारतीय दोस्तों ने कहा कि देखते हैं। उन्होंने कहा कि सैद्धांतिक रूप से यह हमारा (रूस-भारत का) उत्पाद हो सकता था। हमने इसे स्वतंत्र रूप से बनाया है। और हम भारत के साथ काम करने के लिए तैयार हैं। मिलकर काम करने और विकास करने के लिए। किसी प्रकार का कोई प्रतिबंध नहीं होगा। ऐसी खबरें हैं कि नयी दिल्ली ने रूसी प्रस्ताव के प्रति अपने दरवाजे पूरी तरह से बंद नहीं किये हैं, क्योंकि सरकारी स्वामित्व वाली हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) जेट के निर्माता सुखोई डिजाइन ब्यूरो के साथ संभावित सहयोग के लिए संपर्क में है। चूंकि एएमसीए परियोजना के तहत आने वाले विमानों के 2035 से पहले भारतीय वायु सेना (आईएएफ) में शामिल होने की संभावना नहीं है, इसलिए सरकार कम से कम दो स्क्वाड्रन (लगभग 36) एसयू-57 विमानों की खरीद पर विचार कर रही है, बशर्ते वे तकनीकी विशिष्टताओं को पूरा करते हों। भारत और रूस लगभग 15 वर्षों से पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान (एफजीएफए) के संयुक्त विकास और उत्पादन के लिए बातचीत कर रहे थे। हालांकि, 2021 में भारत ने रूस को इस परियोजना में शामिल होने को लेकर अनिच्छा व्यक्त की, जिसका मुख्य कारण परियोजना की अत्यधिक लागत थी। इसकी अनुमानित लागत लगभग 30 अरब अमेरिकी डॉलर या 2 लाख करोड़ रुपये थी। अपने संबोधन में पुतिन ने एकीकृत हवाई रक्षा प्रणालियों सहित अन्य महत्वपूर्ण रक्षा प्रणालियों के विकास में भारत के साथ हाथ मिलाने की रूस की इच्छा भी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यही बात वायु रक्षा प्रणाली पर भी लागू होती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि रूस वायु रक्षा प्रणालियों और संबंधित हार्डवेयर पर भारत के साथ काम करने के लिए तैयार है। भारत स्वदेशी वायु रक्षा प्रणाली सुदर्शन चक्र विकसित कर रहा है और रूसी मूल की एस-400 मिसाइल प्रणाली इसके प्रमुख घटकों में से एक होने वाली है। भारत ने अक्तूबर 2018 में रूस के साथ एस-400 वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली की पांच इकाइयां खरीदने के लिए पांच अरब अमेरिकी डॉलर का सौदा किया था। यह सौदा अमेरिका की उस चेतावनी के बावजूद किया गया कि अनुबंध को आगे बढ़ाने से काउंटरिंग अमेरिकाज एडवर्सरीज थ्रू सैंक्शंस एक्ट (सीएएटीएसए) के प्रावधानों के तहत प्रतिबंध लग सकते हैं। एस-400 की पांचवीं स्क्वाड्रन की आपूर्ति अभी होनी है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एस-400 ने अहम भूमिका निभायी थी। मार्च में नयी दिल्ली ने रूस से पांच एस-400 मिसाइल प्रणालियों की एक नयी खेप की खरीद को मंजूरी दी है, जिससे इनकी कुल संख्या 10 हो जाएगी। प्रमुख सैन्य थिंक टैंक स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (एसआईपीआरआई) ने मार्च में कहा था कि भारत 2021 से 2025 के बीच हथियारों और सैन्य उपकरणों का दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा आयातक था और आयात का सबसे बड़ा हिस्सा रूस से आया था। नयी दिल्ली में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पुतिन की एसयू-57 पर की गयी टिप्पणी से संबंधित एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि भारत-रूस के रक्षा संबंध मजबूत हैं। उन्होंने कहा कि आपने एसयू-57 का जिक्र किया; भारत और रूस के बीच रक्षा संबंध मजबूत हैं। इस कार्यक्रम के बारे में आपको रक्षा मंत्रालय से विशिष्ट जानकारी मिल सकेगी।

**पश्चिमी देशों पर...**

आर्थिक विकास की प्रभावशाली दर प्रदर्शित कर रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार आने वाले वर्षों में 100 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की ओर अग्रसर है। पुतिन ने कहा कि रूस के साथ संबंधों को सीमित करने के लिए पश्चिम देशों द्वारा भारत पर डाले जा रहे दबाव का मॉस्को ने नकारात्मक परिणाम नहीं देखा है, जिससे यह संकेत मिलता है कि ऐसी रणनीति का उल्टा असर होना तय है। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि सभी को यह बात समझ आ गई है कि दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (और भारत) पर दबाव डालना अंतर्राष्ट्रीय संबंधों और द्विपक्षीय संबंधों के लिए हानिकारक है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह दबाव कहां से आ रहा है। उन्होंने कहा कि हमें कोई नकारात्मक परिणाम नजर नहीं आते। रूसी राष्ट्रपति की ये टिप्पणियां भारत-रूस संबंधों को लेकर कुछ पश्चिमी देशों द्वारा व्यक्त की जा रही चिंता के बीच आयी हैं। अमेरिका, रूसी कच्चे तेल की खरीद में कटौती करने का भारत से लगातार अपील करता रहा है। पुतिन ने पीटीआई के सीईओ और प्रधान संपादक विजय जोशी के एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि भारत दुनिया की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, जिसने सबसे अधिक आर्थिक विकास दर दर्ज की है। यह कोई अचानक हुई उपलब्धि नहीं है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार द्वारा किये गये प्रयासों का परिणाम है। रूसी राष्ट्रपति ने रेखांकित किया कि नयी दिल्ली अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देना जारी रखेगी, और कहा कि अमेरिका के साथ भारत की राजनयिक भागीदारी रूस के साथ उसके (नयी दिल्ली के) सदियों पुराने संबंधों में बाधा नहीं डालती या उन्हें कमजोर नहीं करती है। पुतिन से जब पूछा गया कि क्या अमेरिका के साथ भारत का गहरा जुड़ाव रूस के लिए असहज स्थिति पैदा करता है, तो उन्होंने कहा कि हमें खुशी है कि भारत उन सभी देशों के साथ अपने संबंध विकसित कर रहा है, जिन्हें वह अपने राष्ट्रीय हितों के लिए महत्वपूर्ण मानता है। पुतिन ने कहा कि रूस भारत को एक विश्वसनीय साझेदार मानता है और उसे किसी भी अन्य देश के साथ नयी दिल्ली के द्विपक्षीय संबंधों से कोई नकारात्मक परिणाम नहीं दिखता है। उन्होंने कहा कि भारत एक महान राष्ट्र और लोकतंत्र है और रूस इसके साथ अपने संबंधों का विस्तार करना जारी रखेगा। यूक्रेन के साथ जारी युद्ध से जुड़े एक सवाल के उत्तर में रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि वह इसके समाधान के लिए तैयार हैं और अब चुनौती कीव को इसके लिए राजी करना है। उन्होंने इस विचार को भी खारिज कर दिया कि यूरोपीय संघ के देश यूक्रेन के साथ शांति वार्ता में मध्यस्थ के रूप में कार्य कर सकते हैं। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि यूरोपीय संघ यूक्रेन को हथियार मुहैया कराने के बजाय उसे समझौता करने के लिए राजी करके संघर्ष को सुलझाने में मदद कर सकता है। पुतिन ने कहा कि यूक्रेन संकट एक स्थानीय मुद्दा है, जबकि ईरान का मुद्दा वैश्विक मुद्दा है। उन्होंने सवाल किया कि रूस उन लोगों पर कैसे भरोसा कर सकता है, जो वर्षों से मॉस्को को रणनीतिक रूप से पराजित करने की आवश्यकता पर जोर देते रहे हैं? पुतिन ने कहा कि रूस पश्चिम एशिया में तनाव कम करने में योगदान देने वाले किसी भी निर्णय का समर्थन करने के लिए तैयार है। रूस के राष्ट्रपति ने यूक्रेन के राष्ट्राध्यक्ष के रूप में वोलोदिमीर जेलेंस्की की वैधता पर भी सवाल उठाया और कहा कि यूक्रेनियाई नेता का राष्ट्रपति कार्यकाल समाप्त हो चुका है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि वे चुनाव कराएंगे या नहीं? हमें यह सवाल पूछने चाहिए।

**मणिपुर के...**

बयान में कहा कि निहत्थे नागरिकों को जानबूझकर निशाना बनाना पूरी तरह से अस्वीकार्य है और सरकार इस बर्बर कृत्य के लिए जिम्मेदार लोगों को बख्शेगी नहीं। मुख्यमंत्री ने राज्य पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने और संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बढ़ाने का निर्देश दिया। उन्होंने साथ ही संबंधित अधिकारियों से प्रभावित परिवारों को आवश्यक राहत प्रदान करने को कहा। उपमुख्यमंत्री नेमचा किपगेन ने हमले की निंदा की और कहा कि इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने एक बयान में कहा कि अज्ञात सशस्त्र बदमाशों द्वारा तीन निर्दोष व्यक्तियों की हत्या और घरों को जलाना एक दुखद और अस्वीकार्य कृत्य है। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं पीड़ित परिवारों और इस घटना से प्रभावित सभी लोगों के साथ हैं। उन्होंने कहा कि सरकार इस घटना को बहुत गंभीरता से ले रही है। आवश्यक कदम उठाये जा रहे हैं और दोषियों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। हमारे लोगों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता बनी रहेगी। किपगेन ने लोगों से शांत रहने और डर और विभाजन पैदा करने की कोशिश करने वालों के उकसावे में न आने की भी अपील की। इस बीच राज्य में कुकी जनजातियों के शीर्ष संगठन कुकी इंपी मणिपुर (केएआईएम) ने इस हमले की कड़ी निंदा की है और दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की है। संगठन ने एक बयान में कहा कि केआईएम निहत्थे नागरिकों के खिलाफ की गयी इस बर्बर हिंसा की कड़े शब्दों में निंदा करता है। निर्दोष लोगों की जान लेना तथा उनके घरों और आजीविका को नष्ट करना मानव गरिमा और बुनियादी मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है।

**एक दिन में लगे...**

के लिए मजबूत कदम उठाये हैं। इसके साथ ही पूरे असम में राष्ट्रीय राजमार्गों के दोनों किनारों पर पौधे लगाकर उन्हें हरा-भरा करने का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया के नेतृत्व में पार्टी के सभी कार्यक्रमों को शुरू करने से पहले पौधारोपण की एक अनूठी संस्कृति विकसित की गयी है, जिसके तहत पार्टी के हर कार्यक्रम से पहले पौधारोपण करना अनिवार्य कर दिया गया है। आज विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर सैकिया और केंद्रीय मंत्री पवित्र मार्घेरिटा ने बोरसजाई उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया। वहीं मुख्यमंत्री ने धरती को हरा-भरा बनाने के संकल्प के साथ मुख्यमंत्री आवास परिसर में पौधा लगाया। पूरे असम में पार्टी की 28 हजार बूथ समितियों के साथ-साथ 65 लाख कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने क्षेत्रों में पौधारोपण अभियान चलाकर मुख्यमंत्री के 1 करोड़ 2 लाख पौधे लगाने के लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल किया, जिसके लिए सैकिया ने सभी को बधाई दी। इसके साथ ही सैकिया ने पार्टी कार्यकर्ताओं से आज रोपे गये पौधों की उचित देखभाल करने और असम को हरा-भरा बनाने में अपना बहुमूल्य सहयोग देने का आह्वान किया।

**इटानगर में 24 घटे...**

रहा और बंद समर्थकों द्वारा टायर जलाने की कुछ छिटपुट घटनाएं ही हुईं। प्रशासन ने पहले इस बंद को अवैध बताया था। राज्य सरकार ने दावा किया था कि ईटानगर राजधानी क्षेत्र में आवश्यक अनुमोदन के बिना संचालित हो रही सभी 15 मस्जिदों को प्रशासन द्वारा पहले ही बंद और सील कर दिया गया है। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, शिक्षा मंत्री और सरकारी प्रवक्ता पासांग दोरजी सोना ने कहा कि बंद अब अप्रासंगिक हो गया है, क्योंकि अधिकारियों ने संगठन की प्राथमिक मांग पर कार्रवाई की है। मंत्री के अनुसार जिला प्रशासन द्वारा पहले ही ऐसी 12 संरचनाओं को सील या बंद कर दिया गया था, जबकि निजी भूमि पर चल रही शेष तीन संरचनाओं को बुधवार को बंद कर दिया गया। सोना ने कहा था कि बंद का आह्वान करने वाला मुद्दा हल हो चुका है। चूंकि सभी चिह्नित मस्जिदें बंद कर दी गयी हैं, इसलिए आंदोलन जारी रखने का कोई कारण नहीं है।

**2060 तक...**

चीन की तुलना में कहीं अधिक है, लेकिन उत्पादकता वृद्धि अपेक्षाकृत कम है। मानव पूंजी में चीन के अधिक और बेहतर निवेश को इसका कारण बताया गया है। नवीनतम विश्व आर्थिक परिश्य के मुताबिक वर्ष 2026 में भारत का जीडीपी 4.15 लाख करोड़ डॉलर रहने का अनुमान है, जबकि ब्रिटेन का जीडीपी 4.27 लाख करोड़ डॉलर और जापान का 4.38 लाख करोड़ डॉलर रह सकता है। अमेरिका 32.38 लाख करोड़ डॉलर के साथ सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा, जबकि चीन 20.85 लाख करोड़ डॉलर के साथ दूसरे स्थान पर रहेगा।

**अन्नामलाई ने की...**

जाने के बाद कहा कि आज से एक नया रास्ता, एक नया आंदोलन, एक नयी मुहिम शुरू होगी। ऐसा बताया जा रहा है कि अन्नामलाई ने दिल्ली की अपनी हालिया यात्रा के दौरान अपना इस्तीफा सौंपा था। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने आज एक बयान में कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पार्टी की तमिलनाडु इकाई के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई द्वारा पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से दिया गया इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। अन्नामलाई के समर्थकों ने पटाखे जलाकर और मिठाइयां बांटकर उनके फैसले का स्वागत किया। वहीं, भाजपा ने कहा कि अन्नामलाई के जाने से पार्टी को कोई नुकसान नहीं होगा। अन्नामलाई ने कहा कि जिस नये आंदोलन की शुरुआत करने का उन्होंने प्रस्ताव रखा है, उसमें बुनियादी स्तर से ही नये आयाम और नया नजरिया होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें नयी पार्टी के लिए नेताओं और कार्यकर्ताओं को तैयार करना होगा। इसमें समय लगेगा। अन्नामलाई ने भाजपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल को याद करते हुए कहा कि उन्होंने तमिलनाडु की पहचान, संस्कृति और जल अधिकारों सहित किसी भी अधिकार से कभी समझौता नहीं किया। भाजपा के राज्य में पूर्व शीर्ष नेता ने स्पष्ट किया कि उन्होंने पार्टी अचानक नहीं छोड़ी और करीब 18 महीने तक पार्टी नेतृत्व के साथ मतभेदों पर शांतिपूर्वक चर्चा की। उन्होंने कहा कि उन्होंने अंततः चार दिसंबर 2025 को ही भाजपा नेतृत्व को बता दिया कि वह पार्टी छोड़ना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने उनसे विधानसभा चुनाव से जुड़ा काम पूरा करने को कहा था और एक सच्चे कार्यकर्ता के रूप में उन्होंने उस निर्देश का पालन किया। उन्होंने समावेशी राजनीति की वकालत करते हुए कहा कि तमिलनाडु के विकास के लिए सभी का उपयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें किसी एक व्यक्ति के इर्द-गिर्द घूमने वाली राजनीति से बाहर निकलकर आम आदमी की राजनीति स्थापित करनी होगी। भाजपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान अन्नामलाई अपनी आक्रामक राजनीतिक शैली के कारण बेहद लोकप्रिय हुए। उन्होंने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) पर लगातार निशाना साधा और भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए द्रमुक फाइल्स भी जारी कीं। जब अन्नामलाई ने ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) की दिवंगत प्रमुख जे. जयललिता पर उनकी दोषसिद्धि को लेकर कथित तौर पर निशाना साधा था तो अन्नाद्रमुक ने कड़ी नाराजगी जताते हुए इसे अस्वीकार्य टिप्पणी बताया था। उन्होंने द्रविड़ नेता सीएन अन्नादुरै पर 1956 में मदुरै में एक कार्यक्रम में हिंदू धर्म का अपमान करने का आरोप लगाकर भी विवाद खड़ा किया था।

## भ्रष्टाचार पर भजनलाल सरकार का प्रहार: पंचायती राज विभाग के अतिरिक्त मुख्य अभियंता मुकेश माहेश्वरी के पावर सीज, तीन दिन में मांगी जांच रिपोर्ट

**जयपुर।** राजस्थान की भजनलाल सरकार ने सुशासन और जनविश्वास को बनाए रखने के लिए भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के खिलाफ अपनी 'जीरो टॉलरेंस' (Zero Tolerance) की नीति के तहत एक और बड़ी कार्रवाई की है। पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर के कड़े निर्देशों के बाद विभाग के अतिरिक्त मुख्य अभियंता मुकेश माहेश्वरी के खिलाफ यह सख्त कदम उठाया गया है। मंत्री मदन दिलावर ने अधिकारी के खिलाफ प्राप्त विभिन्न गंभीर शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए शासन सचिव डॉ. जोगाराम को माहेश्वरी के समस्त पावर (प्रशासनिक और वित्तीय शक्तियां) तुरंत प्रभाव से सीज करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही पूरे मामले की गहन जांच कर तीन दिवस के भीतर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है, ताकि मामले में सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जा सके। आज के बाद नहीं संभालेंगे कोई विभागीय कार्य

मंत्री के कड़े आदेश के बाद यह साफ कर दिया गया है कि अतिरिक्त मुख्य अभियंता मुकेश माहेश्वरी आज के बाद विभाग का कोई भी प्रशासनिक या तकनीकी कार्य संपादित नहीं करेंगे। जांच प्रक्रिया पूरी होने और स्थिति स्पष्ट होने तक वे पूरी तरह कार्यमुक्त रहेंगे।

जवाबदेही से कोई समझौता नहीं : मदन दिलावर

मामले की जानकारी देते हुए पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जनहित के कार्यों में किसी भी प्रकार की अनियमितता, भ्रष्टाचार अथवा जवाबदेही से समझौता किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने दोहराया कि राजस्थान सरकार सुशासन और जनविश्वास को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य कर रही है और जनता के हक पर डाका डालने वाले किसी भी अधिकारी को बख्शा नहीं जाएगा।

## कैरियर की चिंता में डूबे युवाओं को द्वस अजिताभ शर्मा का गुरुमंत्र : शुरुआत से पहले स्पष्टता नहीं मिलती, क्लेरिटी तो सही कदम उठाने का इनाम है

**जयपुर/मुंबई।** कॉलेज की दहलीज पार कर प्रैक्टिकल लाइफ में कदम रख रहे युवाओं के जहन में सबसे बड़ा डर और अघोषित चिंता यही होती है– 'क्या मैं अपने लिए सही रास्ता चुन रहा हूँ?' युवाओं के इसी अंतर्द्वंद्व और मानसिक तनाव को दूर करते हुए मुंबई में आयोजित एक भव्य दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे वरिष्ठ आईएएस (द्वस) अजिताभ शर्मा ने जीवन की जमीनी हकीकत से रूबरू कराया। उन्होंने कहा कि सफलता की राह पर चलने से पहले पूरी तस्वीर का साफ होना जरूरी नहीं है, बल्कि रास्ते तब खुलते हैं जब आप चलना शुरू करते हैं। शुरुआत में कोई 'फिक्स' प्लान नहीं होता, बदलाव ही सच है दीक्षांत समारोह में डिग्री हासिल कर रहे देश के भविष्य (युवाओं) को संबोधित करते हुए आईएएस अजिताभ शर्मा ने एक बड़े भ्रम को तोड़ा। उन्होंने कहा, 'हम अक्सर यह मान लेते हैं कि जो लोग आज बेहद सफल हैं, उन्होंने शुरुआत से ही सब कुछ तय कर रखा था और उनके पास कोई जादुई प्लान था। लेकिन हकीकत यह है कि बहुत ही कम लोग ऐसा कर पाते हैं। जिंदगी कभी भी पूरी स्पष्टता (Clarity) के साथ सामने नहीं आती। '

उन्होंने युवाओं को भविष्य के बदलावों के लिए तैयार रहने की सीख देते हुए कहा कि आज के दौर में करियर बदलते हैं, उद्योग (Industries) नए रूप ले रहे हैं और अप्रत्याशित अवसर अचानक सामने आते हैं। इंसान को अपने पूरे जीवनकाल में कई बार खुद को नए सिरे से गढ़ना (Reinvent) पड़ता है, और यही प्रगति का नियम है।

## मुख्यमंत्री के भीलवाड़ा दौरे पर रिटायर्ड कर्मचारी का दर्द : भ्रष्टाचार पर लगाम के दावों की खोली पोल, 3 साल से बकाया एरियर के लिए भटक रहा हूं

**भीलवाड़ा, एजेंसी।** राज्य के मुख्यमंत्री Bhajan Lal Sharma के भीलवाड़ा (खारी का लाम्बा) दौरे के दौरान मांडलगढ़ पंचायत समिति के एक सेवानिवृत्त कर्मचारी ने पत्र लिखकर अपनी पीड़ा व्यक्त की है। 'पंकज का पैगाम, मुख्यमंत्री जी के नाम' शीर्षक से लिखे गए पत्र में उन्होंने सरकारी तंत्र की संवेदनहीनता और भ्रष्टाचार मुक्त शासन के दावों पर सवाल उठाए हैं। मांडलगढ़ पंचायत समिति से 31 मई 2023 को सेवानिवृत्त हुए कर्मचारी गोपाल स्वरूप वैष्णव ने बताया कि सेवानिवृत्ति के तीन वर्ष बाद भी उनका लगभग 1 लाख 60 हजार रुपये का एरियर बकाया है। वर्तमान में वे पैरालिसिस (लकवा) जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं, जिसके कारण दफ्तरों के चक्कर लगाना उनके लिए बेहद कठिन हो गया है। वैष्णव ने अपने पत्र में पंचायत समिति की तत्कालीन विकास अधिकारी संध्या व्यास पर संवेदनहीन व्यवहार का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि जब उन्होंने अपने बकाया भुगतान के संबंध में अधिकारी से गुहार लगाई तो उन्हें राहत मिलने के बजाय अपमान का सामना करना पड़ा। वैष्णव के अनुसार, अधिकारी ने यह कहते हुए उन्हें कक्ष से बाहर जाने के लिए कह दिया कि, 'अब कुछ नहीं हो सकता, आप देर से आए हैं, बाहर निकल जाइए। मुख्यमंत्री को संबोधित पत्र में उन्होंने लिखा है कि जब भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में जनहितकारी योजनाओं और भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की खबरें सामने आईं, तब आमजन में न्याय की उम्मीद जगी थी।

## भाजपा ने राजस्थान से राज्यसभा के लिए डॉ. सतीश पूनिया और डॉ. अलका गुर्जर को बनाया उम्मीदवार

**जयपुर, एजेंसी।** भारतीय जनता पार्टी ने राजस्थान से राज्यसभा चुनाव के लिए डॉ. सतीश पूनिया और डॉ. अलका गुर्जर को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। पार्टी के इस निर्णय को सामाजिक और संगठनात्मक संतुलन साधने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। डॉ. सतीश पूनिया राजस्थान भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं और वर्तमान में हरियाणा भाजपा के प्रभारी के रूप में संगठनात्मक जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। वहीं डॉ. अलका गुर्जर भाजपा की राष्ट्रीय सचिव हैं और पार्टी संगठन में लंबे समय से सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। राजस्थान की जिन राज्यसभा सीटों पर चुनाव हो रहा है, वहां विधानसभा में भाजपा के संख्या बल के आधार पर पार्टी की दो सीटों पर जीत लगभग तय मानी जा रही है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार पूनिया और अलका गुर्जर के चयन से भाजपा ने संगठन, अनुभव और सामाजिक प्रतिनिधित्व के बीच संतुलन बनाने का प्रयास किया है। राज्यसभा चुनाव को लेकर पिछले कुछ दिनों से जिन नामों की सबसे अधिक चर्चा थी, उनमें डॉ. सतीश पूनिया और डॉ. अलका गुर्जर प्रमुख थे। अब पार्टी ने दोनों नामों पर अंतिम मुहर लगा दी है।

### उदयपुर में जमीनों के खेल में 'सुपर सीएम' से भी बड़ा पावर सेंटर

## जमीन के स्क्वायर फीट से तय होती है घूस की रकम, जीरो टॉलरेंस के राज में सफेदपोश मौन

### एक-एक पाई की वसूली के बाद ही सरकती है फाइल

**उदयपुर, एजेंसी।** राजस्थान की भजनलाल सरकार जहां एक तरफ भ्रष्टाचार पर 'जीरो टॉलरेंस' का डंडा चलाने का दावा कर रही है, वहीं झीलों की नगरी उदयपुर के राजस्व विभाग (Revenue Department) से एक ऐसी सनसनीखेज और व्यवस्था को शर्मसार करने वाली अंदरूनी हकीकत सामने आ रही है, जिसने सुशासन के दावों की धज्जियां उड़ा कर रख दी हैं। सूत्रों के मुताबिक, उदयपुर राजस्व विभाग के भीतर एक ऐसा अनधिकृत और रसूखदार 'शक्ति केंद्र' (Power Center) पैदा हो चुका है, जिसकी मर्जी और हरी झंडी के बिना विभाग में पत्ता तक नहीं हिलता। इस केंद्र की समानांतर सत्ता का आलम यह है कि आम जनता की जायज फाइलें भी हफ्तों और महीनों से धूल फांक रही हैं।

**कैलकुलेटर पर तय होता है खेल : जमीन का एरिया मापो, रिश्वत की रकम निकालो**

उदयपुर के इस तथाकथित शक्ति केंद्र की कार्यप्रणाली किसी कॉर्पोरेट दफ्तर से भी ज्यादा शातिर और संगठित है। यहाँ जनता के काम नियमों के आधार पर नहीं, बल्कि जमीन के साइज के हिसाब से होते हैं:

**स्क्वायर फीट का खेल :** इस केंद्र के गुर्गे सबसे पहले जमीन के एरिया (क्षेत्रफल) को कैलकुलेटर पर तौलते हैं।

**पाई-पाई का हिसाब :** जमीन का एरिया जितना बड़ा, 'चढ़ावे' की रकम उतनी ही भारी। जब तक तय की गई रिश्वत की एक-एक पाई का हिसाब चुकता नहीं हो जाता, तब तक फाइल को आगे बढ़ाना तो दूर, उसे छुआ तक नहीं जाता। एक-एक पाई की टेबल के नीचे से वसूली होने के बाद ही फाइल पर बाबू की कलम चलती है।

**बड़े दफ्तर की 'रहस्यमयी' खामोशी : क्या सब जानकर भी आंखें मूंद बैठे हैं साहब?**

इस पूरे खेल में सबसे हैरान और आक्रोशित करने वाली बात यह है कि उदयपुर से लेकर जयपुर के 'बड़े दफ्तर' (उच्च प्रशासनिक अधिकारियों और सचिवालय) तक इस अवैध उगाही और शक्ति केंद्र के कारनामों की पूरी भनक है। जनता त्रस्त है और शिकायतें भी दबी जुबान में बड़े साहबों तक पहुंच रही हैं। ऐसे में सबसे बड़ा और तीखा सवाल यह खड़ा होता है कि क्या वाकई बड़े दफ्तर को इस बात की जानकारी नहीं है? या फिर 'सब कुछ जानने और समझने' के बाद भी ऊपर से लेकर नीचे तक सभी ने एक रहस्यमयी चुप्पी साध रखी है? क्या इस अवैध वसूली की 'गंगा' का पानी ऊपर तक पहुंच रहा है, जिसके चलते इस समानांतर शक्ति केंद्र पर कार्रवाई करने के बजाय उसे अभयदान दिया गया है?

**जीरो टॉलरेंस के दावों की परीक्षा, जनता मांग रही जवाब**

राजस्व विभाग में आम आदमी अपनी ही जमीन के हक के लिए इस 'शक्ति केंद्र' के सामने घुटने टेकने को मजबूर है। मंत्री और मुख्यमंत्री के कड़े बयानों के बीच उदयपुर का यह राजस्व अमला सरकार की साख को बट्टा लगा रहा है। अब देखना यह है कि इस गंभीर खुलासे के बाद जयपुर का 'बड़ा दफ्तर' अपनी कुंभकर्णी नींद से जागकर इस अवैध शक्ति केंद्र को ध्वस्त करता है, या फिर सुशासन का नारा सिर्फ फाइलों और पोस्टरों तक ही सिमट कर रह जाएगा।

## दो साल से प्रदेश में बिजली की कोई लोड शैडिंग नहीं -ऊर्जा मंत्री

**जयपुर, एजेंसी।** प्रदेश के ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि राज्य सरकार बिजली का लगातार बेहतर प्रबंधन कर रही है। प्रदेश में मांग के अनुरूप पर्याप्त बिजली उपलब्ध है। स्वयं के स्त्रोतों से उत्पादन बढ़ा है, जिससे एनर्जी एक्सचेंज पर निर्भरता कम हो रही है। उन्होंने कहा कि पिछले दो साल से प्रदेश में बिजली की कोई लोड शैडिंग नहीं हुई। नागर गुरूवार को विद्युत भवन में मीडिया प्रतिनिधियों से ऊर्जा विभाग की गतिविधियों एवं योजनाओं पर चर्चा कर रहे थे। एनर्जी एक्सचेंज पर कम हो रही निर्भरता

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान एनर्जी सरप्लस स्टेट बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने बताया कि गर्मी की डिमांड को पूरा करने के लिए गत वर्ष अप्रेल माह में 2883 लाख यूनिट तथा मई माह में 8,273 लाख यूनिट बिजली एनर्जी एक्सचेंज से परचेज की गई थी। जबकि इस वर्ष अप्रेल में मात्र 214 लाख यूनिट तथा मई में मात्र 2804 लाख यूनिट बिजली ही खरीदी गई। इस वर्ष दोनों माह में कुल 8138 लाख यूनिट बिजली कम खरीदी गई और स्वयं के स्त्रोतों से उपलब्धता बढ़ायी है।

नागर ने कहा कि हम एनर्जी एक्सचेंज को बिजली बेच भी रहे हैं। इस वर्ष अप्रेल में 1140 लाख यूनिट तथा मई में 417 लाख यूनिट बिजली लगभग 10 रूपए प्रति यूनिट की दर से बेची भी गई है।

**पीक डिमांड को पूरा करने के लिए विकसित कर रहे बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली**

नागर ने बताया कि कुसुम-2.0 में भारत सरकार ने राजस्थान को 6 हजार मेगावाट सोलर पावर क्षमता आवंटित करने के लिए आश्वस्त किया है। इसमें बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम भी सौर ऊर्जा संयंत्र के साथ लगाया जाएगा। स्वच्छ ऊर्जा के माध्यम से प्रदेश की पीक डिमांड को पूरा करने में यह उपयोगी साबित होगी। उन्होंने बताया कि बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली विकसित करने की दिशा में राजस्थान तेजी से अग्रसर है। पूगल के निर्माणाधीन सोलर पार्क में 2450 मेगावाट सोलर के साथ 6 हजार मेगावाट ऑवर की बैटरी ऊर्जा भंडारण क्षमता विकसित करने की निविदा प्रक्रिया में है। वहीं उत्पादन निगम द्वारा कुल 6 हजार मेगावाट ऑवर की बैटरी ऊर्जा भंडारण परियोजनाएं चरणबद्ध रूप से विकसित की जा रही हैं। जिन्हें सितम्बर, 2027 तक पूर्ण किए जाने का लक्ष्य है।

नागर ने कहा कि रात्रि को पीक डिमांड में बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए 33 केवी सब स्टेशनों एवं वितरण ट्रांसफार्मरों पर स्टैंडअलोन बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली विकसित करने जा रहे हैं।

## डीओआईटी आयुक्त हिमांशु गुप्ता ने राजस्थान सम्पर्क हेल्पलाइन-181 कंट्रोल रूम का किया निरीक्षण

**जयपुर, एजेंसी।** सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग (डीओआईटी) के आयुक्त हिमांशु गुप्ता ने गुरुवार को सचिवालय स्थित राजस्थान सम्पर्क हेल्पलाइन-181 कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर विभागीय सेवाओं से संबंधित शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परिवादियों से सीधे संवाद कर उनकी शिकायतों एवं उनके निस्तारण की स्थिति की जानकारी भी ली। उन्होंने अधिकारियों को शिकायतों के त्वरित, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के निर्देश देते हुए कहा कि राजस्थान सम्पर्क आमजन और सरकार के बीच संवाद का एक महत्वपूर्ण माध्यम है तथा प्रत्येक शिकायत का प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाना चाहिए। हिमांशु गुप्ता ने शिकायतों के मूल कारणों का विश्लेषण कर स्थायी समाधान विकसित करने, लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करने तथा सेवा वितरण में सुधार के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने 181 सेंटर में कार्यरत कॉल एग्जीक्यूटिव से व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए अच्छे कार्यकर्ताओं को सम्मानित भी किया।

निरीक्षण के दौरान पाया गया कि प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार डीओआईटी सेवाओं से संबंधित कुल 16,571 शिकायतों में से 16,158 शिकायतों का निस्तारण किया जा चुका है। शिकायत निस्तारण दर 97.51 प्रतिशत रही है, जबकि केवल 413 शिकायतें लंबित हैं। निस्तारित शिकायतों में नागरिक संतुष्टि दर 82.66 प्रतिशत दर्ज की गई है। उन्होंने इस प्रदर्शन पर संतोष व्यक्त करते हुए अधिकारियों को नागरिक संतुष्टि का स्तर और बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास करने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार आमजन से जुड़ी शिकायतों के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से विभिन्न विभागों के सचिव निर्धारित तिथियों पर राजस्थान सम्पर्क हेल्पलाइन-181 कंट्रोल रूम में उपस्थित होकर परिवादियों से सीधे संवाद कर रहे हैं। इस पहल के माध्यम से शिकायतों के प्रभावी एवं समयबद्ध समाधान के साथ-साथ नागरिकों को उनकी शिकायतों की प्रगति से भी अवगत कराया जा रहा है। हेल्पलाइन के माध्यम से आमजन घर बैठे अपनी शिकायत दर्ज कर उसके निस्तारण की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

### विद्युत उत्पादन निगम की ऐतिहासिक उपलब्धि

## 7171 मेगावाट का रिकॉर्ड उत्पादन

**जयपुर, एजेंसी।** विद्युत उत्पादन निगम के विद्युतगृहों ने कोयला आधारित कुल क्षमता 7580 मेगावाट की 23 इकाईयों से 2 जून 2026 को रात्रि 10 बजे तक का उच्चतम 7171 मेगावाट विद्युत उत्पादन करते हुए गौरवपूर्ण उपलब्धि हासिल की हैं। प्रदेश में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में ऊर्जा के क्षेत्र में विशेष फोकस रहा। इसमें विद्युत उत्पादन निगम ने भी पूर्व में इकाइयों के अंतर्गत चली आ रही तकनीकी खामियों को दूर करते हुए इकाइयों का चरणबद्ध तरीके से उचित रखरखाव करने से उत्पादन निगम के गठन के बाद से अब तक का सर्वश्रेष्ठ 7171 मेगावाट विद्युत उत्पादन किया गया। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उत्पादन निगम के सीएमडी, अभियन्ताओं एवं समस्त कर्मचारियों को बधाई दी है। उन्होंने बताया कि राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम के विद्युतगृहों ने 7580 मेगावाट क्षमता की सभी 23 थर्मल इकाइयों से 7171 मेगावाट का उच्चतम विद्युत उत्पादन दर्ज किया है जो कि पूर्व में 31 जनवरी 2025 को कोल आधारित इकाइयों द्वारा किये गए 6833 मेगावाट उत्पादन से अधिक है। पूर्व में 22 इकाइयों से उपलब्ध 7330 मेगावाट कुल उत्पादन क्षमता का 93.22 प्रतिशत यूटिलाइजेशन किया गया था। जबकि 2 जून को कोल आधारित इकाइयों द्वारा 7580 मेगावाट कुल उत्पादन क्षमता का 94.60 प्रतिशत यूटिलाइजेशन रहा जो अब तक का सर्वश्रेष्ठ है। ऊर्जा सचिव आरती डोगरा ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार प्रदेश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने बताया कि दिनांक 2 जून 2026 को ही सूरतगढ़ थर्मल विद्युतगृह की सभी 8 इकाइयों कुल क्षमता 2820 मेगावाट द्वारा भी अब तक का सर्वश्रेष्ठ 2790 मेगावाट उत्पादन किया गया है। राज्य सरकार के दिशा-निर्देशन में कार्य करते हुए बेहतर रखरखाव, कुशल वार्षिक अनुरक्षण तथा श्रेष्ठ संचालन के कारण विद्युत उत्पादन ने यह शानदार सफलता हासिल की है। उन्होने आशा प्रकट की है कि भविष्य में भी इसी प्रकार बेहतर प्रदर्शन करते हुए निगम प्रदेश के विद्युत उत्पादन में अपना विशिष्ट योगदान देता रहेगा।

राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक देवेन्द्र श्रृंगी ने इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर कर विद्युतगृहों के सभी अभियंताओं एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए बताया कि निगम के कर्मचारियों की देखरेख एवं अनवरत मेहनत के कारण ही इकाईयों द्वारा सर्वश्रेष्ठ उत्पादन किया जा रहा है। उन्होंने सभी कर्मचारियों को भविष्य में भी इसी प्रकार आपसी समन्वय से अनवरत प्रयास करते हुए बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

## यात्रियों को उपलब्ध होगी विश्वसनीय और किफायती परिवहन सुविधा : गौतम कुमार दक

**जयपुर, एजेंसी।** सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने बताया कि सहकारी परिवहन पहल को नई गति देते हुए भारत टैक्सी का गुरुवार से जयपुर में ट्रायल शुरू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि जयपुर के नागरिक अब भारत टैक्सी की बाइक टैक्सी, ऑटो रिक्शा एवं कैब सेवाओं का लाभ आसानी से उठा सकेंगे। दक ने कहा कि भारत टैक्सी का यह विस्तार स्मार्ट, समावेशी एवं टिकाऊ शहरी परिवहन व्यवस्था विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जयपुर के हजारों चालक पहले ही इस प्लेटफॉर्म से जुड़ चुके हैं, जो सहकारी मॉडल के प्रति बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। इस पहल से जहां सारथियों के कल्याण को प्राथमिकता मिलेगी वहीं यात्रियों को विश्वसनीय और किफायती परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी। सहकारिता मंत्री ने कहा कि नए ग्राहक ऐप के माध्यम से यात्रियों को सुलभ किराया, पीक आवर्स में भी शून्य सर्ज प्राइसिंग, पारदर्शी एवं निश्चित दरें, एसओएस आपातकालीन सुविधा, स्थानीय एवं विश्वसनीय चालक तथा बेहतर ग्राहक सहायता जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इससे दैनिक आवागमन, लास्ट-माइल कनेक्टिविटी एवं शहरभर में यात्रा करना अधिक सुविधाजनक और सुरक्षित होगा। उन्होंने कहा कि सहकारी सिद्धांतों पर आधारित यह पहल विश्व की सबसे बड़ी सहकारी मोबिलिटी पहल के रूप में उभर रही है।

दक ने कहा कि जयपुर अब दिल्ली-एनसीआर, गुजरात, चंडीगढ़ और लखनऊ जैसे प्रमुख शहरों के साथ इस बढ़ते सहकारी परिवहन नेटवर्क का हिस्सा बन गया है। जयपुर में अब तक लगभग 13 हजार सारथी भारत टैक्सी से जुड़ चुके हैं। उन्होंने कहा कि 'सहकार से समृद्धि' की भावना से प्रेरित यह पहल देश में जन-केंद्रित एवं समावेशी परिवहन व्यवस्था विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

## केंद्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण राज्यमंत्री राम नाथ ठाकुर ने अलवर जिले में किया खेत बचाओ अभियान का शुभारम्भ

**अलवर, एजेंसी।** केंद्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण राज्यमंत्री राम नाथ ठाकुर ने अलवर जिले के ग्राम बगड़ राजपूत में खेत बचाओ अभियान की अलवर जिले में शुरूआत कृषि गोष्ठी के माध्यम से की तथा प्रदर्शनी का अवलोकन किया। केंद्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण राज्यमंत्री ठाकुर ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 के संकल्प में स्वस्थ खेत एवं स्वस्थ शरीर एक अहम घटक है और उनके मार्गदर्शन में खेत बचाओ अभियान की शुरूआत 1 जून से की गई है, यह अभियान देशभर में 30 जून तक चलेगा। उन्होंने कहा कि खेत के स्वास्थ्य के साथ मनुष्य का स्वास्थ्य भी जुडा हुआ है। रासायनिक उर्वरकों के अधिक उपयोग से खेत बंजर हो रहे हैं और इन खेतों की उपज से मानव स्वास्थ्य भी खराब हो रहा है। उन्होंने रासायनिक खाद के विकल्पों का उपयोग करने पर बल देते हुए कहा कि हमें परम्परागत खेती पद्धति पर वापस लौटना होगा। उन्होंने कृषि अधिकारियों से कहा कि यह अभियान किसान की आजीविका के आधार खेत और मनुष्य के स्वास्थ्य से सीधा जुड़ा हुआ है अतः इस अभियान के माध्यम से किसान भाइयों को न केवल जागरूक करें, बल्कि वैज्ञानिक तरीके से रासायनिक खेती से परम्परागत खेती से जोडने का कार्य करावे। उन्होंने कहा कि किसानों की आय में वृद्धि के लिए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें लाभांवित करावे।

रामगढ विधायक सुखवंत सिंह ने कहा कि सभी कृषि अधिकारी व किसान भाई समन्वित प्रयास कर परम्परागत खेती की ओर पुनः लौटें। कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर के कुलगुरू प्रो. पुष्पेन्द्र सिंह चौहान, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद अटारी जोधपुर के निदेशक डॉ. जे.पी मिश्रा ने खेत बचाओ अभियान के उद्देश्यों एवं इसके लिए की जा रही गतिविधियों, कृषि एवं किसानों से जुडी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया।

### प्रगतिशील किसानों ने किए अनुभव साझा

ग्राम गुजूकी निवासी प्रगतिशील किसान महेन्द्र कुमार सैनी ने बताया कि कृषि विभाग से समन्वय कर परम्परागत खेती से जुडने के साथ कृषि विभाग की आधुनिक तकनीकी एवं योजनाओं का उपयोग कर अपनी आय में वृद्धि की है जिसके तहत पॉली हाउस, मल्चिंग, वर्मी कम्पोस्ट जैसी अनेक योजनाओं में सरकारी सहयोग प्राप्त हुआ है। इसी प्रकार प्रगतिशील किसान नवाब सिंह ने मधुमक्खी पालन के माध्यम से अपनी आय में इजाफा करने के अनुभव को साझा करते हुए बताया कि मधुमक्खी पालन एक सहकृषि गतिविधि है जिससे किसानों की अतिरिक्त आय होने के साथ-साथ पर्यावरण का संरक्षण भी होता है। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा शुरू किए गए खेत बचाओ अभियान की सराहना करते हुए कहा कि इससे किसानों के खेत बंजर होने से बचेंगे तथा आमजन को शुद्ध कृषि उत्पाद मिल सकेंगे, जिससे देश बीमारी मुक्त हो सकेगा।

फीफा विश्व कप

## जर्मनी के मिरोस्लाव क्लोजे के नाम है सबसे ज्यादा मैच जीतने का रिकॉर्ड

नई दिल्ली । फीफा विश्व कप 2026 की शुरुआत 11 जून से हो रही है । विश्व कप के इस 23वें संस्करण की मेजबानी अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको कर रहे हैं । इस बार सर्वाधिक 48 टीमें हिस्सा ले रही हैं और कुल 104 मैच खेले जाएंगे । फुटबॉल का इतिहास बेहतरीन खिलाड़ियों से भरा पड़ा है । कई ऐसे खिलाड़ी रहे हैं जिन्होंने विश्व कप में अपने दमदार प्रदर्शन से न सिर्फ अपनी टीमों को जीत दिलाई है, बल्कि पूरी दुनिया में अपना नाम बनाया है ।

फीफा विश्व कप में बतौर खिलाड़ी किसके नाम सर्वाधिक जीत दर्ज हैं ।

जर्मनी के मिरोस्लाव क्लोजे के नाम फीफा विश्व कप में सबसे ज्यादा मैच जीतने का रिकॉर्ड है । क्लोजे ने जर्मनी के लिए 24 विश्व कप मैच खेले हैं जिसमें 17 जीत दर्ज की है । ब्राजील के काफू ने 20 मैचों में 16 जीत दर्ज की है । अर्जेंटीना के लियोनल मेसी ने 26 मैचों में 16 में जीत हासिल की है । काफू और मेसी संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं । इसके बाद जर्मनी के वोल्फगैंग ओवरथ, ब्राजील के रोनाल्डो, जर्मनी के फिलिप लाम, बास्टियन श्वाइन्स्टाइगर और लोथार माथौस हैं । ओवरथ ने 19 मैचों में 15 जीत, रोनाल्डो ने 19 मैचों में 15 जीत, लाम ने 20 मैचों में 15 जीत, श्वाइन्स्टाइगर ने 20 मैचों में 15 जीत और माथौस ने 25 मैचों में 15 जीत हासिल की है । ब्राजील के लुसियो ने 17 मैचों में 14 जीत, जर्मनी के फ्रांज बेकेनबाउर ने 18 मैचों में 14 जीत, फ्रांस के ओलिवियर गिरौड ने 18 मैचों में 14 जीत, फ्रांस के एंटोनी ग्रीजमैन ने 19 मैचों में 14 जीत, जर्मनी के पेर मर्टेसैकर ने 19 मैचों में 14 जीत, फ्रांस के ह्यूगो लोरिस ने 20 मैचों में 14 जीत, इटली के पाओलो मालदिनी ने 23 मैच खेलते हुए 14 जीत हासिल की है ।

## 'दाऊद IPL में फिक्सिंग चाहता था, मेरे बेटे का अपहरण कराया'

### ललित मोदी का बड़ा खुलासा

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग के पूर्व कमिश्नर ललित मोदी ने अपने इंटरव्यू में कई गंभीर आरोप लगाए हैं । उन्होंने इस बात का खुलासा किया है कि दाऊद इब्राहिम की तरफ से उनको धमकियां मिली थीं । वहीं 62 वर्षीय मोदी ने यह भी बताया कि उनके ऊपर तीन जानलेवा हमले के प्रयास भी हुए थे । इतना ही नहीं लंदन में उनके बेटे का अपहरण भी करवाया गया था । एएनआई से बात करते हुए ललित मोदी ने बताया, 'यही सबसे बड़ा कारण है । उसने (दाऊद इब्राहिम ने) मेरे ऊपर तीन बार जानलेवा हमले के प्रयास करवाए थे । दाऊद ने खुद यह कहा था । वह तीन बार चूक गया । कारण यह था कि मैंने उसकी मैच फिक्स करवाने की बात नहीं मानी । अगर आप पहले तीन साल देखें जब तक

मैंने मैनेजमेंट संभाला, तब तक कतई फिक्सिंग नहीं हुई । यही माफिया के द्वारा पसंद नहीं किया गया ।'

ललित मोदी ने आगे कहा, 'लेकिन इसका प्रमुख कारण था कि उसने सोचा था कि मैं आईपीएल 2 (2009) से हट जाऊंगा । कई शर्तें लगी थीं कि आईपीएल 2009 नहीं होगा । बॉम्बे पुलिस के पास हर बात की रिकॉर्डिंग है । बॉम्बे पुलिस ने मुझे सिक्योरिटी भी दी थी । मेरे घर के बाहर बॉम्बे में शूटआउट हुआ था । जोहानिसबर्ग और केपटाउन में मुझ पर हमले के प्रयास हुए, लेकिन साउथ अफ्रीका की सरकार ने मुझे बचाया ।' मोदी ने आगे बताया, 'मोंटेनेग्रो में भी मुझे पर हमले का प्रयास हुआ । मेरे बेटे का लंदन में अपहरण किया गया । मैंने यह कहानी कभी किसी को नहीं बताई ।

# सचिन नंबर 1, सहवाग से आगे यशस्वी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के समाप्त होने के बाद अब भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ एक मैच की टेस्ट सीरीज खेलने जा रही है। 6 जून से शुरू होने वाले इस टेस्ट मैच में भारत को जीत का फेवरेट माना जा रहा है। हालांकि अफगानिस्तान की भी कोशिश होगी कि वो भारत को कड़ी टक्कर दे, लेकिन ये टीम किस हद तक इसमें सफल हो पाती है इस पर निगाहें रहने वाली है। अब इस टेस्ट सीरीज से पहले आपको बता दें कि भारत की तरफ से टेस्ट में एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-10 भारतीय बैटर कौन हैं।

### टेस्ट में एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-10 भारतीय

### सचिन तेंदुलकर के नाम है सबसे ज्यादा रन

भारत की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में अगर एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की बात करें तो इसमें पहले स्थान पर सचिन तेंदुलकर हैं जिन्होंने साल 2010 में 1562 रन बनाए थे । वहीं इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर यशस्वी जायसवाल हैं जिन्होंनें साल 2024 में 1478 रन बनाकर वीरेंद्र सहवाग को पीछे छोड़ा था । सहवाग इस लिस्ट में तीसरे और चौथे नंबर पर मौजूद हैं । सहवाग ने साल 2008 में 1462 रन बनाए थे जबकि साल 2010 में टेस्ट में सहवाग के बल्ले से कुल 1422 रन निकले थे । इस लिस्ट में सुनील गावस्कर 5वें नंबर पर हैं जिन्होंने साल 2002 में 1407 रन बनाए थे जबकि सचिन तेंदुलकर ने साल 2002 में 1392 रन बनाए थे और वो छठे स्थान पर भी हैं । गुंडप्पा विश्वनाथ इस सूची में सातवें नंबर पर हैं जिन्होंने साल 1979 में कुल 1388 रन बनाए थे । राहुल द्रविड़ 8वें स्थान पर हैं जिन्होंने साल 2002 में 1357 रन एक कैलेंडर वर्ष में बनाए थे जबकि विराट कोहली ने साल 2018 में 1322 रन बनाए थे और 9वें स्थान पर मौजूद हैं ।

### टेस्ट में एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बैटर

- सचिन तेंदुलकर- 1562 रन, 2010
- वीरेंद्र सहवाग- 1462 रन, 2008
- सुनील गावस्कर- 1407 रन, 1979
- गुंडप्पा विश्वनाथ- 1388 रन, 1979
- विराट कोहली- 1322 रन, 2018
- यशस्वी जायसवाल- 1478 रन, 2024
- वीरेंद्र सहवाग- 1422 रन, 2010
- सचिन तेंदुलकर- 1392 रन, 2002
- राहुल द्रविड़- 1357 रन, 2002
- सुनील गावस्कर- 1310 रन, 1983

# चंढीगढ़ में आज एकमात्र टेस्ट में भारत और अफगानिस्तान की भिड़ंत

नई दिल्ली । भारत और अफगानिस्तान के बीच एकमात्र टेस्ट मैच का आगाज शनिवार से होगा। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला मुल्लांपुर के महाराजा यादविंद्र सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम इस मुकाबले में दमदार प्रदर्शन करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। वहीं, अफगानिस्तान भी क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में भारत को कड़ी टक्कर देना चाहेगी। भारत और अफगानिस्तान के बीच अब तक महज एक टेस्ट मैच खेला गया है। यह टेस्ट मैच साल 2018 में बेंगलुरु में खेला गया था। भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए इस टेस्ट को एक पारी और 262 रनों से अपने नाम किया था। हालांकि, पिछले 8 वर्षों में अफगानिस्तान की टीम काफी मजबूत हुई है। एकमात्र टेस्ट मैच के लिए देवदत्त पडिक्कल को भी टीम में शामिल किया गया है। पडिक्कल का प्रदर्शन आईपीएल 2026 और घरेलू क्रिकेट में काफी शानदार रहा। सिर्फ पडिक्कल ही नहीं बल्कि कई युवा खिलाड़ियों को इस सीरीज के लिए मौका दिया गया है। मानव सुथार को पहली बार भारतीय टीम में शामिल किया गया है। इसके साथ ही तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को भी टीम में जगह दी गई है।

### एकमात्र टेस्ट के लिए दोनों टीम

- भारतीय टीम का स्क्वॉड : शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल (उप-कप्तान), साई सुदर्शन, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), देवदत्त पडिक्कल, नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, मानव सुथार, गुरनूर बराडर, हर्ष दुबे और ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर)।
- अफगानिस्तान टीम का स्क्वॉड : हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), अफसर जजई (विकेटकीपर), इकराम अलीखिल (विकेटकीपर), अब्दुल मलिक, सेदिकुल्लाह अटल, रहमत शाह, रहमानुल्लाह गुरबाज, रहमानुल्लाह जादरान, अजमतुल्लाह उमरजई, शराफुदीन अशरफ, नांग्याल खारोताई, कैस अहमद, बिलाल सामी, जिया शरीफी और सलीम सफी।

## साई सुदर्शन वर्ल्ड क्लास खिलाड़ी, हम उन्हें पर्याप्त मौके देंगे: गौतम गंभीर

चंडीगढ़ (एजेंसी)। टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने साफ कर दिया है कि भारतीय टीम साई सुदर्शन को अभी पर्याप्त मौके देगी। गंभीर का कहना है कि

सुदर्शन एक वर्ल्ड क्लास खिलाड़ी हैं और वह हाल ही में आईपीएल 2026 में 700 से ज्यादा रन बनाकर आ रहे हैं। गंभीर के बयान के बाद यह लगभग तय हो गया है कि अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच में नंबर तीन की पोजीशन पर सुदर्शन ही खेलते दिखाई देंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए गंभीर ने कहा, 'मेरा हमेशा से मानना है कि किसी भी खिलाड़ी को अपनी काबिलियत साबित करने के लिए पर्याप्त मौके मिलने चाहिए। साई सुदर्शन खराब फॉर्म में नहीं हैं और वह आईपीएल 2026 में 700 से अधिक रन बनाकर आ रहे हैं। अगर हम किसी खिलाड़ी को 4 या 5 पारियों के आधार पर जज करेंगे, तो हम टीम तैयार नहीं कर पाएंगे।' हेड कोच ने आगे कहा, 'ऐसा नहीं है कि हम अगर एक खिलाड़ी को 5 मुकाबले में आजमाएंगे, तो दूसरे को सिर्फ एक या दो मुकाबलों में मौका देंगे। हालांकि, अभी हम साई सुदर्शन के साथ जाना चाहते हैं और उन्हें पर्याप्त मौके देना चाहते हैं। वह एक वर्ल्ड क्लास खिलाड़ी हैं और मुझे पूरी उम्मीद है कि वह शानदार प्रदर्शन करके दिखाएंगे।'

## विनेश ने दिया कारण बताओ नोटिस का जवाब

### WFI के अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा- नियमों के अनुसार लिया जाएगा फैसला

नई दिल्ली। रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (WFI) ने गुरुवार को कहा कि उसे विनेश फोगाट के उस शो कॉज नोटिस का जवाब मिल गया है जो 9 मई को जारी किया गया था। रेसलिंग फेडरेशन ने ये बयान तब जारी किया जब सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय कुश्ती महासंघ की उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें दिल्ली हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई थी जिसके तहत वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडलिस्ट विनेश को सिलेक्शन ट्रायल में हिस्सा लेने की इजाजत दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने बाद की घटनाओं को देखते हुए इस याचिका को बेअसर करार दिया।

**विनेश ने दिया शो कॉज नोटिस का जवाब-** मीडिया सूत्रों के मुताबिक कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने कहा कि कुश्ती महासंघ को रेस्पॉन्डेंट (विनेश फोगाट) का शो कॉज नोटिस का जवाब मिल गया है जिस पर महासंघ के नियमों और प्रक्रियाओं के अनुसार फैसला लिया जाएगा।

### हिप इंजरी की वजह से मैटेओ बेरेटिनी फ्रेंच ओपन 2026 से बाहर, बोले-

## यह जिंदगी का आखिरी टूर्नामेंट नहीं

पेरिस (एजेंसी)। फ्रेंच ओपन 2026 में इटली के टेनिस खिलाड़ी मैटेओ बेरेटिनी का सफर चोट के कारण खत्म हो गया। क्वार्टर फाइनल मुकाबले के दौरान हिप इंजरी (कूल्हे की चोट) की वजह से उन्हें मुकाबले को बीच में ही छोड़ना पड़ा, जिसके चलते मैटेओ अर्नाल्डी सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रहे। अर्नाल्डी क्वार्टर फाइनल मुकाबले में बेरेटिनी के खिलाफ 5-7, 2-5 से पीछे चल रहे थे। हालांकि लगातार दर्द बढ़ने की वजह से बेरेटिनी को मैच बीच में ही छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। मैच में पहले सेट के दौरान बेरेटिनी ने लगभग 76 मिनट तक संघर्ष किया, लेकिन दूसरे सेट में उनकी चोट और गंभीर हो गई।

उन्होंने मेडिकल टाइमआउट भी लिया और कुछ देर के लिए कोर्ट से बाहर गए। इसके बाद उन्होंने थोड़ी देर तक खेलने की कोशिश की, लेकिन दर्द ज्यादा होने की वजह से उन्हें मैच छोड़ना पड़ा। इस जीत के साथ 104वीं रैंक वाले मैटेओ अर्नाल्डी ने एक बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। वह आधुनिक युग में महज दूसरे ऐसे खिलाड़ी बने हैं, जिन्होंने क्वार्टर फाइनल मैच विपक्षी खिलाड़ी के इंजरी की वजह से रिटायर होने के कारण जीता है। इंजरी के कारण बाहर होने के बाद बेरेटिनी ने कहा, 'मैं आखिरी इंसान हूं जो रिटायर होना चाहता है। मैं इससे बहुत थक गया हूं। मैं बस ऐसा नहीं करना चाहता, लेकिन कभी-कभी आपको ऐसा करना पड़ता है। बहुत से खिलाड़ियों ने पहले ऐसा किया है और यह अब तक का सबसे बुरा एहसास है, लेकिन यह करना सही है, क्योंकि यह मेरी जिंदगी का आखिरी टूर्नामेंट नहीं है और मुझे अपने भविष्य के बारे में सोचना है। मुझे अपनी रिकवरी के बारे में सोचना है।'

उन्होंने कहा, 'उम्मीद है कि यह बहुत बुरा नहीं होगा। मैं जाहिर तौर पर निराश हूं, लेकिन मुझे लगता है कि अगर मैं खेलता रहता, तो मेरा प्रदर्शन और भी बुरा होता और शायद ठीक होने में ज्यादा समय लगता।

दुर्भाग्य से मेरे पास रिटायर होने के अलावा कोई और रास्ता नहीं था।' बेरेटिनी ने उम्मीद जताई कि चोट ज्यादा गंभीर नहीं होगी और जल्द ही उनके स्कैन रिपोर्ट से स्थिति साफ होगी। विश्व के पूर्व नंबर छह खिलाड़ी बेरेटिनी साल 2022 में हुए यूएस ओपन के बाद पहली बार किसी बड़े टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे।

# पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया से जीती लगातार तीसरी वनडे सीरीज

### कप्तानी में शाहीद अफरीदी का भी 'खुला खाता'

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने कप्तान शाहीन अफरीदी की घातक गेंदबाजी साथ ही बाबर आजम की अच्छी बल्लेबाजी के दम पर ऑस्ट्रेलिया को 3 मैचों की वनडे सीरीज के आखिरी यानी तीसरे मैच में 4 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही पाकिस्तान ने 3 मैचों की वनडे सीरीज में 2-1 से जीत दर्ज कर ली। शाहीन अफरीदी की कप्तानी में पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया को पहली बार वनडे सीरीज में हराने में सफलता हासिल की। यही नहीं शाहीन अफरीदी का भी वनडे सीरीज में बतौर कप्तान जीत का खाता भी खुल गया।

पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया को इस वनडे सीरीज में 2-1 से हराया और कंगारू टीम के खिलाफ जीत की हैट्रिक भी लगाई। दरअसल इस वनडे सीरीज से पहले पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया को इससे पहले खेले गए दो वनडे सीरीज में भी हराया था और इस टीम के खिलाफ लगातार तीन वनडे सीरीज में जीत हासिल करने में सफलता हासिल की।

### शाहीन की कप्तानी में पाकिस्तान 2-1 से जीता

तीसरे वनडे मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था और फिर 42 ओवर में 157 रन पर आउट हो गई।

पाकिस्तान की तरफ से कप्तान शाहीन अफरीदी ने घातक गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट लिए थे जबकि ऑस्ट्रेलिया के लिए कप्तान जोश इंग्लिस ने 65 रन की पारी खेली थी। वहीं पाकिस्तान को जीत के लिए 158 रन का टारगेट मिला था और इस टीम ने 41.5 ओवर में 6 विकेट पर 161 रन बनाते हुए मैच जीत लिया। पाकिस्तान के लिए बाबर आजम ने सबसे बड़ी 40 रन की पारी खेली।

### पाकिस्तान ने आस्ट्रेलिया को लगातार सीरीज में हराया

ऑस्ट्रेलिया की टीम साल 2026 में पाकिस्तान दौरे पर आई और शाहीन अफरीदी की कप्तानी में पाकिस्तान को 3 मैचों की सीरीज में 2-1 से जीत मिली। इससे पहले साल 2021-22 में ऑस्ट्रेलिया की टीम पाकिस्तान दौरे पर आई थी और बाबर आजम की कप्तानी में पाकिस्तान ने 3 मैचों की वनडे सीरीज में 2-1 से जीत हासिल की थी। इसके बाद पाकिस्तान की टीम साल 2024-25 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई थी और वहां मोहम्मद रिजवान की कप्तानी में 3 मैचों की वनडे सीरीज को 2-1 से जीता था। यानी पाकिस्तान ने लगातार तीन वनडे सीरीज में कंगारू टीम को लगातार हराया।

## विदेशी निवेशकों को बड़ी राहत सरकार ने खत्म किया कैपिटल गेन टैक्स, अब थमेगी रुपये की गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने विदेशी संस्थागत निवेशकों और बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स को सरकारी सिक्योरिटीज की बिक्री या उनसे मिलने वाले ब्याज से होने




वाली कमाई पर कैपिटल गेन टैक्स खत्म कर दिया है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक यह फैसला एक एग्जीक्यूटिव ऑर्डर के जरिए लिया गया है क्योंकि संसद का सत्र नहीं चल रहा है। इसका मकसद ज्यादा विदेशी पूंजी आकर्षित करना और रुपये की गिरावट को थामना है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और विदेशी निवेशकों की भारतीय बाजार में बिकवाली से इस साल रुपया डॉलर के मुकाबले करीब 5 प्रतिशत कमजोर हुआ है। राष्ट्रपति द्वारा जारी इनकम-टैक्स (संशोधन) अध्यादेश, 2026 में इनकम-टैक्स एक्ट, 2025 की अनुसूची चार में संशोधन किया गया है। इसके तहत सरकारी बॉन्ड में निवेश से जुड़ी टैक्स-फ्री इनकम की नई कैटगरी जोड़ी गई है। इन बदलावों के तहत सरकारी सिक्योरिटीज से मिलने वाले ब्याज और उनकी बिक्री, एक्सचेंज या ट्रांसफर से होने वाले कैपिटल गेन पर कुछ खास एंटिटीज को टैक्स में छूट मिलेगी। इसमें कई तरह की शर्तें जोड़ी गई हैं जिनमें टैक्स अधिकारियों को तय जानकारी देना जरूरी होगा। कबसे लागू होगी छूट सरकार के बयान के मुताबिक, यह छूट 1 अप्रैल, 2026 से लागू होगी। मौजूदा व्यवस्था के मुताबिक विदेशी निवेशकों को 12 महीने से ज्यादा समय तक रखे गए लिस्टेड शेयरों और बॉन्ड पर 12.5 प्रतिशत लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेन टैक्स देना होता है। इसके अलावा सरकारी बॉन्ड से मिलने वाले ब्याज पर 20 प्रतिशत विदहोल्डिंग टैक्स लगता है। जानकारों का कहना है कि इस छूट से विदेशी निवेशकों के लिए टैक्स के बाद मिलने वाला रिटर्न बेहतर हो सकता है और भारतीय सरकारी सिक्योरिटीज में ज्यादा भागीदारी को बढ़ावा मिल सकता है। इससे निवेशकों का दायरा बढ़ाने और बाहरी दबावों से निपटने में मदद मिलेगी। सरकार ने यह कदम ऐसे समय उठाया जब इस साल अब तक विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार से कुल 2.47 लाख करोड़ रुपये निकाले हैं। यह 2025 में निकाले गए 1.04 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले दोगुने से भी ज्यादा है। इसे रोकने के लिए एक्सपर्ट्स लंबे समय से एलटीसीजी और विदहोल्डिंग टैक्स को कम करने की मांग कर रहे थे।

## नरम पड़ा क्रूड तब भी कोलकाता में पेट्रोल 113 तो डीजल 99 के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। कच्चा तेल का वैश्विक बाजार गुरुवार को फिर से नरम हुआ है। मानक ब्रेंट क्रूड के दाम में प्रति बैरल करीब तीन डॉलर की कमी आई है। हालांकि, इंडियन बॉस्केट क्रूड के दाम जस के तस हैं। शायद इसका ही असर है कि भारत में पेट्रोल-डीजल बेचने वाली सरकारी तेल कंपनियां ने आज यानी शुक्रवार, 5 जून 2026 को दाम में कोई बदलाव नहीं किया। पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव बीतने के बाद ही पेट्रोलियम कंपनियां 11 दिनों में चार बार दाम बढ़ा चुकी हैं। सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने सबसे पहले 15 मई 2026 को पेट्रोल 3 रुपये और डीजल 3.29 पैसे महंगा किया था। इसके बाद 19 मई को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे, 23 मई 2026 को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे और 25 मई 2026 को पेट्रोल 2.61 रुपये और डीजल 2.71 रुपये महंगा किया था। तेल कंपनियों की तरफ से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली में आज पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। कोलकाता में इसकी कीमत 113.51 रुपये, मुंबई में 111.21 रुपये और चेन्नई में 107.77 रुपये है। रोजाना पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और जेट फ्यूल पर करीब 750 करोड़ रुपये का घाटा हो रहा है। सरकारी ऑयल कंपनियों के मुताबिक बुधवार को दिल्ली में डीजल का प्रति लीटर दाम 95.20 रुपये है। कोलकाता में यह 99.02 रुपये, मुंबई में 97.83 रुपये और चेन्नई में 99.55 रुपये प्रति लीटर है। कच्चे तेल की कीमत में हाल में काफी बढ़ोतरी हुई है। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद यह करीब 50 फीसदी महंगा हो गया है। गुरुवार को कुछ ऐसी घटनाएं हुई, जिससे कच्चा तेल का बाजार नरम रहा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में शुक्रवार को मानक ब्रेंट क्रूड के दाम में 2.84 फीसदी की कमी दिख रही है। सुबह के कारोबार में यह 95.03 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड करता दिख रहा है। डब्ल्यूटीआई क्रूड के दाम में भी 0.20 फीसदी की कमी दिख रही है।

# नहीं मिल रहा पहले जितना कैश, लड़खड़ा सकती हैं एटीएम सर्विसेज, इंडस्ट्री पर नई आफत

### अप्रैल के महीने में सिर्फ 54000 करोड़ रुपये ही उपलब्ध हो सका

नईदिल्ली, एजेंसी। देश के एटीएम इस समय कैश की किल्लत से जूझ रहे हैं। कॉन्फेडरेशन ऑफ एटीएम इंडस्ट्री ने इंडियन बैंक्स एसोसिएशन को दी जानकारी में कहा है कि मशीनों में भरने के लिए कैश की कमी है। ऐसे स्थिति में देश के अंदर एटीएम की सर्विसेज प्रभावित हो सकती हैं। बिजनेस स्टैंडर्ड की रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। बता दें, पहले की तुलना में एटीएम ट्रांजैक्शन में कमी आई है।

आंकड़ों के अनुसार सभी एटीएम में कैश के लिए मार्च और अप्रैल में कुल 94000 करोड़ रुपये की आवश्यकता थी। लेकिन मार्च के महीने में सिर्फ 61000 करोड़ रुपये और अप्रैल के महीने में सिर्फ 54000 करोड़ रुपये ही उपलब्ध हो सका, जोकि कमी को साफ दर्शाता है।

आईबीए को लिखे पत्र में कहा कि कई राज्यों में बैंक के ब्रांच एटीएम निकासी की समस्या से जूझ रहे हैं। संस्थान ने कहा कि एटीएम डायरेक्ट कैश निकालने वाले जगह पर बने हुए हैं। ऐसे में ग्रामीण और अर्द्धशहरी इलाकों में कैश की उपलब्धता काफी जरूरी है। बिजनेस स्टैंडर्ड की रिपोर्ट के अनुसार रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के करेंसी डिपार्टमेंट मैनेजमेंट को यह जानकारी दी है। कैश की समस्या की खबर ऐसे समय में आई है



जब एटीएम इंडस्ट्री पहले से ही खर्च के दबाव और घटते ट्रांजैक्शन से जूझ रही है। इन सबके के अलावा एटीएम फीस भी इस इंडस्ट्री के लिए चिंता का सबब बनी हुई है। मौजूदा समय में यह 19 रुपये है। यह वह फीस है जब ग्राहक दूसरे बैंक का एटीएम प्रयोग करता है। रिपोर्ट के अनुसार इंडस्ट्री के बढ़ते खर्च के आगे यह फीस नाकाफी है। इसके अतिरिक्त बढ़ते तेल खर्च और नए कानून की वजह से कई राज्यों में सैलरी रिवीजन ने भी इंडस्ट्री को प्रभावित किया है। आरबीआई की तरफ से जारी मासिक आंकड़ों के अनुसार मई के महीने में 446.504 मिलियन एटीएम ट्रांजैक्शन हुए हैं। एक साल पहले इसी महीने में 498.378 मिलियन एटीएम ट्रांजैक्शन हुए थे।

## पारस डिफेंस में रॉकेट जैसी तेजी शेयर ने तोड़े सारे पुराने रिकॉर्ड

### कंपनी को मिला है नया ऑर्डर

नईदिल्ली, एजेंसी। पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज के शेयरों में शुक्रवार को बाजार खुलते ही रॉकेट सी तेजी आई है। पारस डिफेंस के शेयर नई ऊंचाई पर जा पहुंचे हैं। डिफेंस कंपनी के शेयर शुक्रवार को 11 पर्सेंट से अधिक की तेजी के साथ 994.40 रुपये पर जा पहुंचे हैं। पिछले 5 दिन में कंपनी के शेयरों में 17 पर्सेंट से अधिक का उछाल आया है। वहीं, एक महीने में पारस डिफेंस के शेयर 25 पर्सेंट से ज्यादा चढ़ गए हैं। पारस डिफेंस को नवरत्न कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड से एक नया ऑर्डर मिला है। पारस डिफेंस अपने शेयर का भी बंटवारा कर चुकी है।

एयरोस्पेस एंड डिफेंस इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज ने रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया है कि उसे नवरत्न कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड से एक नया ऑर्डर मिला है। इस ऑर्डर के तहत पारस डिफेंस को इलेक्ट्रो-ऑप्टिक्स की सप्लाई करनी है। कंपनी को मिले इस ऑर्डर की वैल्यू 52.82 करोड़ रुपये है। पारस डिफेंस को यह ऑर्डर सितंबर 2027 को या इससे पहले पूरा करना है। पारस डिफेंस को इससे पहले 30 अप्रैल को डिफेंस मिनिस्ट्री के तहत आने वाले से एक ऑर्डर मिला था। पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज के शेयर पिछले 3 साल में 265 पर्सेंट से ज्यादा चढ़ गए हैं। डिफेंस कंपनी के शेयर 2 जून 2023 को 269.38 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 5 जून 2026 को 994.40 रुपये पर जा पहुंचे हैं। पिछले 2 साल में पारस डिफेंस के शेयरों में 115 पर्सेंट से अधिक का उछाल आया है। अगर पिछले 6 महीने की बात करें।

# 63000 रुपये पहुंचेगी न्यूनतम सैलरी

### अगर लगा यह फॉर्मूला, कर्मचारियों की होगी बल्ले-बल्ले

नईदिल्ली, एजेंसी। 8वें वेतन आयोग को लेकर देशभर के लाखों केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के बीच उत्सुकता लगातार बढ़ती जा रही है। सबसे ज्यादा चर्चा जिस मुद्दे पर हो रही है, वह फिटमेंट फैक्टर है। यही वह महत्वपूर्ण संख्या होती है, जिसके आधार पर कर्मचारियों की मौजूदा बेसिक सैलरी को नए वेतनमान में बदला जाता है। इस बार कुछ कर्मचारी संगठनों ने फिटमेंट फैक्टर को 3.5 से लेकर 4.0 तक रखने की मांग की है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या सरकार वास्तव में 3.5 का फिटमेंट फैक्टर लागू कर सकती है और अगर ऐसा होता है, तो इसका कर्मचारियों और सरकारी खजाने पर क्या असर पड़ेगा

फिलहाल, 7वें वेतन आयोग में फिटमेंट फैक्टर 2.57 था, जिसके आधार पर न्यूनतम बेसिक वेतन 7,000 रुपये से बढ़कर 18,000 रुपये हुआ था। अगर 8वें वेतन आयोग में 3.5 का फिटमेंट फैक्टर लागू किया जाता है, तो मौजूदा 18,000 रुपये की न्यूनतम बेसिक सैलरी सीधे बढ़कर 63,000 रुपये तक पहुंच सकती है, यानी कर्मचारियों के वेतन में करीब 250 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी



देखने को मिल सकती है। यही वजह है कि कर्मचारी संगठन इस मांग को जोर-शोर से उठा रहे हैं।

हालांकि, मामला सिर्फ वेतन बढ़ाने तक सीमित नहीं है। सरकार को इसके वित्तीय प्रभावों का भी आकलन करना होगा। वर्तमान में करीब 50 लाख केंद्रीय कर्मचारी और लगभग 69 लाख पेंशनभोगी 8वें वेतन आयोग के दायरे में आते हैं। अगर 3.5 का फिटमेंट फैक्टर लागू किया जाता है, तो सरकार पर वेतन और पेंशन का अतिरिक्त बोझ लाखों करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। एक्सपर्ट का मानना है कि यह फैसला देश के राजकोषीय घाटे को भी प्रभावित कर सकता है, क्योंकि सरकार पहले से ही ब्याज भुगतान और अन्य कल्याणकारी योजनाओं पर भारी खर्च कर रही है।

एक्सपर्ट का कहना है कि वर्तमान आर्थिक परिस्थितियों को देखते हुए 2.86 का फिटमेंट फैक्टर ज्यादा व्यावहारिक माना जा रहा है। इसके बावजूद कर्मचारी यूनियन 3 से 4 के बीच फिटमेंट फैक्टर की मांग कर रही हैं। उनका तर्क है कि पिछले कुछ सालों में महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास की लागत में भारी वृद्धि हुई है। ऐसे में कर्मचारियों की क्रय शक्ति को बनाए रखने के लिए बड़ा वेतन संशोधन जरूरी है।

### सरकार को राजकोषीय अनुशासन बनाए रखने की चुनौती का भी सामना करना पड़ेगा

अगर सरकार 3.5 का फिटमेंट फैक्टर लागू करती है, तो इसका सकारात्मक असर देश की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ सकता है। कर्मचारियों की जेब में ज्यादा पैसा आने से उपभोग बढ़ेगा। इसका फायदा ऑटोमोबाइल, रियल एस्टेट, बैंकिंग, पर्यटन और रिटेल जैसे सेक्टरों को मिल सकता है। बाजार में मांग बढ़ने से आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी। दूसरी ओर सरकार को राजकोषीय अनुशासन बनाए रखने की चुनौती का भी सामना करना पड़ेगा। वैश्विक आर्थिक बढ़ते सरकारी खर्च के बीच इतना बड़ा वेतन संशोधन आसान नहीं होगा। इसलिए, अंतिम फैसला कर्मचारी हितों और सरकारी वित्तीय क्षमता के बीच संतुलन बनाकर ही लिया जाएगा।

# सोना-चांदी में बड़ी गिरावट गोल्ड 1,200 से अधिक टूटा

### सिल्वर 4,700 रुपये तक फिसली

नईदिल्ली, एजेंसी। घरेलू वायदा बाजार में शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतों में जोरदार गिरावट देखने को मिली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की मौद्रिक नीति घोषणा से पहले निवेशकों में सतर्कता रही, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी



कमजोरी का असर घरेलू बाजार पर दिखाई दिया। बाजार जानकारों का मानना है कि जब तक पश्चिम एशिया में तनाव कम नहीं होता और ब्याज दरों को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं होती, तब तक सोना और चांदी में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। एमसीएक्स पर सोने के वायदा भाव की शुरुआत 949 रुपये या 0.59 फीसदी की गिरावट के साथ 1,58,598 रुपये प्रति 10 ग्राम पर हुई। सुबह 9:05 बजे तक सोना 1,217 रुपये या 0.76 फीसदी टूटकर 1,58,330 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। चांदी की कीमत 4,772 रुपये या 1.8 फीसदी की गिरावट के साथ 2,60,024 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुली। कारोबार के दौरान चांदी 3,597 रुपये या 1.36 फीसदी टूटकर 2,61,199 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना 0.5 फीसदी गिरकर 4,452.20 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। इस सप्ताह अब तक सोने में करीब 1.8 फीसदी की गिरावट दर्ज की जा चुकी है।

### सोने-चांदी में गिरावट के कारण

अमेरिका-ईरान तनाव बढ़ने से बढ़ी चिंता : बाजार पर दबाव की सबसे बड़ी वजह पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव है। ईरान समर्थित हिजबुल्लाह ने लेबनान में नए सीजफायर के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। वहीं इजरायल ने भी सैनिकों की वापसी से इनकार कर दिया है। इससे अमेरिका और ईरान के बीच संभावित शांति समझौते की उम्मीदों को झटका लगा है। बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव से महंगाई और ब्याज दरों में बढ़ोतरी की आशंकाएं भी मजबूत हुई हैं। अंत तक अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर बढ़ाने की 51 फीसदी संभावना मान रहा है। आमतौर पर ऊंची ब्याज दरें सोने जैसे गैर-ब्याज देने वाले निवेश विकल्पों के लिए नकारात्मक मानी जाती हैं।

## बड़े दिनों बाद रुपये में आई तेजी, डॉलर के मुकाबले 50 पैसे चढ़ गया भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने विदेशी संस्थागत निवेशकों को बड़ी राहत दी है। उनके लिए सरकारी सिक्योरिटीज की बिक्री या उनसे मिलने वाले ब्याज से होने वाली कमाई पर कैपिटल गेन टैक्स खत्म कर दिया है। साथ ही आरबीआई ने विदेशी संस्थागत निवेशकों के लिए नियमों में छूट दी है। इससे आज डॉलर के मुकाबले रुपया शुक्रवार को कारोबार के दौरान 50 पैसे चढ़कर 95.24 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। रुपये की कीमत में लंबे समय बाद इतनी तेजी आई है।

सरकार ने विदेशी संस्थागत निवेशकों और बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स को सरकारी सिक्योरिटीज की बिक्री या उनसे मिलने वाले ब्याज से होने वाली कमाई पर कैपिटल गेन टैक्स खत्म कर दिया है। एक अध्यादेश के जरिए इससे जुड़े कानून में बदलाव किया गया है। मौजूदा व्यवस्था के मुताबिक विदेशी निवेशकों को 12 महीने से ज्यादा समय तक रखे गए लिस्टेड शेयरों और बॉन्ड पर 12.5% लॉन्ग-टर्म कैपिटल



गेन टैक्स देना होता है।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि आरबीआई की नीतिगत घोषणाओं और लॉन्ग टर्म टैक्स गेन खत्म होने से निवेशकों की धारणा बेहतर हुई है। केंद्रीय बैंक ने कहा है कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार बाहरी झटकों से बचाव के लिए पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करता है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में, रुपया 95.72 पर खुला और फिर कारोबार के दौरान 95.24 तक पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 50 पैसे की वृद्धि है। रुपया गुरुवार को डॉलर के मुकाबले दो पैसे बढ़कर 95.74 पर बंद हुआ। वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता के बीच कच्चे तेल के दाम में तेजी और इससे महंगाई पर पड़ने वाले असर को देखते हुए रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष में लगातार दूसरी बार प्रमुख नीतिगत दर रेपो को उम्मीद के मुताबिक 5.25 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा। इसके अलावा, आरबीआई ने प्रवासी भारतीयों और भारतीय मूल के विदेशी नागरिकों के लिए इक्विटी से जुड़े उत्पादों में निवेश की सीमा बढ़ा दी है।

### निवेशकों को मिलने वाली 5% की रियायती टैक्स दर को खत्म कर दिया था

# अब भारत से पैसा नहीं निकालेंगे विदेशी निवेशक! टैक्स में बड़ी राहत देने की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत सरकार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के लिए सरकारी बॉण्ड में निवेश पर लगने वाले कैपिटल गेन्स टैक्स को खत्म करने की तैयारी में है। मामले



की जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि, सरकार का मकसद रुपये को मजबूत करना और देश में विदेशी निवेश बढ़ाना है। जिससे ईरान युद्ध के आर्थिक असर को कम किया जा सके। विदेशी निवेश को बढ़ावा देने के लिए सरकार आने वाले समय में कुछ और कदम भी उठा सकती है। अभी के नियमों के हिसाब से, विदेशी निवेशकों को 12 महीने से ज्यादा समय तक रखे गए लिस्टेड शेयरों और बॉण्ड पर 12.5% लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स देना पड़ता है। इसके अलावा, सरकारी बॉण्ड से मिलने वाले ब्याज पर उन्हें 20% विदहोल्डिंग टैक्स भी देना होता है। सरकार ने 2023 में विदेशी निवेशकों को मिलने वाली 5% की रियायती टैक्स दर को खत्म कर दिया था। यह मामला ऐसे समय में आया है जब विदेशी निवेश का फ्लो कम हुआ है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण डॉलर के मुकाबले रुपया काफी कमजोर हो गया है। इससे पहले 2019 में भी सरकार ने प्राइवेट निवेश को बढ़ावा देने के लिए अध्यादेश के जरिए कॉरपोरेट टैक्स में कटौती की थी। 12.5%: लिस्टेड शेयरों और बॉण्ड पर लगने वाला लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स 20%: सरकारी बॉण्ड के ब्याज पर लगने वाला विदहोल्डिंग टैक्स।2.47 लाख करोड़ रुपये: इस साल अब तक विदेशी निवेशकों द्वारा भारतीय बाजार से निकाली गई रकम। 1.04 लाख करोड़ रुपये: साल 2025 में विदेशी निवेशकों द्वारा निकाली गई रकम। जानकारों का कहना है कि भारत से लगातार बाहर जा रही विदेशी पूंजी को देखते हुए वे काफी समय से एलटीसीजी और विदहोल्डिंग टैक्स को कम करने की मांग कर रहे थे। एक जानकार ने बताया कि रेगुलेटरी संस्थाएं भी कुछ और कदम उठा सकती हैं, जिससे भारतीय बाजार विदेशी निवेशकों के लिए आकर्षक बने रहें। जानकारों का कहना है कि विदेशी निवेशकों को लुभाने के लिए सरकार और रेगुलेटर कुछ बड़े ऐलान कर सकते हैं।

# कभी एक कप चाय खरीदने के नहीं होते थे पैसे, आज करोड़ों का कारोबार, छोटा सा आइडिया कर गया काम

नई दिल्ली: शशि भूषण रांची के रहने वाले हैं। उन्होंने हिम्मत और उद्यमशीलता की मिसाल पेश की है। कभी वह एक कप चाय खरीदने से पहले भी 100 बार सोचते थे। आज वह करोड़ों की एक्सपोर्ट कंपनी के मालिक हैं। इसका नाम येलॉन एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड है। इस कंपनी के जरिये शशि ने ग्लोबल एक्सपोर्ट मार्केट में अपनी खास जगह बनाई है। यह कंपनी मसालों और हाइड्रेटेड (सूखे) सब्जियों के एक्सपोर्ट में माहिर है। इसकी नींव बहुत छोटे से आइडिया से पड़ी थी। आइए, यहां शशि भूषण की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

शशि भूषण ने रांची से होटल मैनेजमेंट में ग्रेजुएशन किया है। उनके लिए थाईलैंड की एक कोर्स-विजिट के दौरान अंतरराष्ट्रीय बाजारों से शुरुआती परिचय बहुत अहम साबित हुआ। इसके बाद थाईलैंड और मलेशिया जैसे देशों की यात्राओं ने उन्हें बाजार में मौजूद एक कमी को पहचानने में मदद की।

शशि ने देखा कि मसाले बहुत ऊंची कीमतों पर बेचे जा रहे थे। अक्सर उनमें कोई खास वैल्यू एडिशन नहीं होता था। न ही उन्हें सही तरीकों से खरीदा जाता था। मांग और अवसर दोनों को पहचानकर उन्होंने जरूरी लाइसेंस लेने और निर्यात के कारोबार में उतरने का फैसला किया। यह छोटा सा आइडिया हिट हो गया।

आज शशि भूषण की कंपनी 25 से 30 तरह की हाइड्रेटेड सब्जियों की पेशकश करती है। ये ऐसे प्रोडक्ट हैं जिन्हें पकाने के लिए बहुत कम तैयारी की जरूरत होती है। विदेशों की तेज-रफ्तार शहरी जीवनशैली में खास तौर पर इन्हें पसंद किया जाता है। भूषण को लगा कि लोगों के पास हमेशा सब्जियां खरीदने, धोने, काटने और पकाने का समय नहीं होता। हाइड्रेटेड सब्जियों के विकल्प के साथ बस पानी मिलाना होता है और वे तैयार हो जाती हैं।

उनके प्रोडक्ट रेंज में अदरक और लहसुन के पाउडर जैसी चीजें भी शामिल हैं। इनसे सिर्फ पांच मिनट में ही खाना तैयार किया जा सकता है। इसके अलावा इनमें सूखे टमाटर, पत्तागोभी, चुकंदर और गाजर से लेकर कई तरह की चटनियां और पिसे हुए मसाले भी हैं। इन्हें अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भेजा जाता है।

### स्थानीय किसानों से खरीदारी

शशि भूषण ये उत्पाद स्थानीय किसानों से खरीदते हैं। इससे एक ऐसी सप्लाई चेन बनती है जो न केवल ग्रामीण उत्पादकों को सहारा देती है। इसके बजाय विदेशों में बढ़ती मांग को भी पूरा करती है। विदेशों में ऐसे उत्पादों की बहुत मांग है। इन उत्पादों की लोकप्रियता का मुख्य कारण इस्तेमाल में आसानी है। हालांकि, भूषण का यहां तक का सफर आसान नहीं रहा है। एक साधारण पृष्ठभूमि से आने के कारण उन्हें अपनी पढ़ाई पूरी करने में काफी संघर्ष करना पड़ा। शशि भूषण को वह समय भी याद है जब एक कप चाय खरीदने से पहले भी उन्हें कई बार सोचना पड़ता था। आज उनकी कंपनी का सालाना कारोबार करोड़ों में है। रांची के कोकर स्थित अपने दफ्तर से काम करते हुए भूषण ने 15 से 20 परमानेंट स्टाफ को रोजगार दिया हुआ है। इनमें से कई लोग सालों से उनके साथ काम कर रहे हैं।

# भूमि को इमरान खान पर रहा जबरदस्त क्रश

सलमान खान के भांजे व अभिनेता इमरान खान अपनी आगामी फिल्म *अधूरे हम अधूरे तुम* को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म से इमरान बतौर लीड एक्टर एक लंबे अरसे बाद वापसी कर रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ भूमि पेडनेकर प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म को लेकर फैंस तो उत्साहित हैं ही, लेकिन फैंस से भी ज्यादा उत्साहित खुद भूमि पेडनेकर हैं।

यही नहीं भूमि ने इमरान खान को लेकर भी बात की और बताया कि उन्हें इमरान पर जबरदस्त क्रश था। हालिया बातचीत में भूमि पेडनेकर ने इमरान खान पर अपने क्रश के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि बचपन से ही मुझे उन पर बहुत बड़ा क्रश था। उनकी सभी रोमांटिक कॉमेडी फिल्मों में वो सबसे बेहतरीन लगते थे।

आजकल ऐसी रोमांटिक कॉमेडी फिल्में बनती ही नहीं हैं। भूमि के लिए इमरान के साथ काम करना किसी सपने के सच होने जैसा था। अभिनेत्री अक्सर इमरान के काम की फैन होने की बात कहती रही हैं।

इमरान खान ने साल 2008 में आई फिल्म *जाने तू या जाने ना* से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वो कई रोमांटिक-कॉमेडी फिल्मों में नजर आए। इमरान खान आखिरी बार साल 2015 में फिल्म कट्टी बट्टी में लीड एक्टर के तौर पर नजर आए थे।

अब दस साल से भी अधिक समय के बाद वो बतौर लीड एक्टर *अधूरे हम अधूरे तुम* से वापसी कर रहे हैं। हालांकि, इमरान इसी साल रिलीज हुई फिल्म *हैप्पी पटेल : खतरनाक जासूस* में एक छोटे से रोल में नजर आए थे। फैंस इमरान को इस फिल्म में देखने के लिए काफी उत्साहित हैं।

# करिश्मा के कपड़ों के लिए लंदन से किया गया वो एक कॉल.....

करिश्मा कपूर अपने जमाने की टॉप एक्ट्रेस रही हैं। छोटी सी उम्र में ही एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में कदम रख देने वाली ये अदाकारा न सिर्फ अपनी एक्टिंग बल्कि खूबसूरती और स्टाइलिंग सेंस के लिए भी हमेशा से लोगों के दिलों के करीब रही है। रील से लेकर रियल लाइफ तक में उनके लुक्स को परफेक्शन देने का काम कई दफा इंडिया के फेमस फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने किया है। इतने सालों का ये साथ ही है, जो इन दोनों सिलेब्स को इतने करीब ले आया कि ये बेस्टी जैसे बन गए। इतना ही नहीं कई बार ऐसा हुआ, जब इनके टीमअप ने ऐसी सनसनी मचाई कि बाजार की हवा का रुख ही मानो बदल गया।

करिश्मा कपूर और मनीष मल्होत्रा, इन दोनों दोस्तों व वर्क कलीग ने सिल्वर स्क्रीन पर ऐसे-ऐसे लुक्स क्रिएट किए हैं, जिन्होंने बीटाउन में नई तरह की स्टाइलिंग के लिए बेस बनाने का काम किया। यही बात फिल्म *दिल तो पागल* के लिए भी कही जा सकती है। मनीष मल्होत्रा ने बताया था कि कैसे करिश्मा के लिए वो यंग एंड स्पोर्टी लुक क्रिएट किया गया, जो उस दौरान सुपरहिट हुआ था। उन्होंने शेयर किया था कि अदाकारा के स्टाइलिंग एंड लुक्स के सिलेक्शन और उन्हें फाइनल करने में आदित्य चोपड़ा का भी बड़ा रोल था। इससे जुड़ा एक किस्सा भी उन्होंने साझा किया था।

मनीष मल्होत्रा ने बताया कि उस दौरान वह लंदन में थे और इसी दौरान उनकी नजर *DKNY* के स्टोर पर पड़ी। उन्होंने तुरंत आदित्य को कॉल लगाया और पूछा, क्या मैं करिश्मा के लिए यहां से सिर्फ दो स्पोर्टी आउटफिट्स ले सकता हूं? इस पर मेकर ने हां में जवाब दिया।

मनीष ने बताया कि *दिल तो पागल* है के बाद ही डिजाइनर्स का इंटरनैशनल ब्रैंड से कपड़े लेना और भारतीय फिल्मों में उनका इस्तेमाल करने का ट्रेंड शुरू हुआ। ये फिल्म के किरदारों की स्टाइलिंग के प्रॉसेस को पूरी तरह से बदल देने वाला कदम था।

## देखो हंस न देना.....

- *क्लास में पढ़ा रही साइंस टीचर ने राजू से कहा :* जिंदा रहने के लिए क्या-क्या चीजें जरुरी हैं?
  *राजू :* नहीं पता मैडम।
  *टीचर :* जो पता है, वहीं बता दो।
  *राजू :* जिंदा रहने के लिए तेरी कसम, एक मुलाकात जरुरी है सनम।
- पति और पत्नी घर पर झगड़ा करते हुए।
  *पत्नी :* पूजा किया करो, बलाएं टल जाएगी।
  *पति :* तेरे बाप ने बहुत की होगी, उसकी टल गयी, मेरे पल्ले पड़ गई।

# ये लक्षण बताते हैं कि आपका शरीर अंदर से कमजोर है...

भागदौड़ भरी जिंदगी, खराब खानपान, तनाव और पर्याप्त नींद की कमी का असर सबसे पहले हमारे शरीर पर दिखाई देता है। कई बार लोग लगातार थकान, चक्कर आना या काम में मन न लगने जैसी समस्याओं को सामान्य समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, जबकि ये शरीर में कमजोरी के संकेत हो सकते हैं। शरीर की कमजोरी केवल ऊर्जा की कमी नहीं होती, बल्कि यह पोषण की कमी, डिहाइड्रेशन, एनीमिया या किसी अन्य स्वास्थ्य समस्या का संकेत भी हो सकती है।

अगर समय रहते इन लक्षणों को पहचान लिया जाए तो कई गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है। अक्सर लोग तब तक डॉक्टर के पास नहीं जाते, जब तक समस्या बढ़ नहीं जाती।

ऐसे में जरूरी है कि शरीर द्वारा दिए जा रहे संकेतों को समझा जाए। आइए जानते हैं शरीर में कमजोरी के 5 ऐसे अहम लक्षण, जिन्हें बिल्कुल भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

**हर समय थकान महसूस होना**

यदि पर्याप्त आराम और नींद लेने के बाद भी आपको लगातार थकान महसूस होती है, तो यह शरीर में कमजोरी का प्रमुख संकेत हो सकता है। शरीर में आयरन, विटामिन 12 या अन्य पोषक तत्वों की कमी के कारण ऐसा हो सकता है। लगातार थकान आपकी कार्यक्षमता और मानसिक स्वास्थ्य दोनों को प्रभावित कर सकती है।

**चक्कर आना और सिर हल्का लगना**

बार-बार चक्कर आना या अचानक उठने पर सिर घूमना कमजोरी का संकेत हो सकता है। यह अक्सर लो ब्लड प्रेशर, डिहाइड्रेशन या शरीर में खून की कमी के कारण होता है। यदि यह समस्या बार-बार हो रही है तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

**मांसपेशियों में कमजोरी**

अगर सीढ़ियां चढ़ने, सामान उठाने या सामान्य शारीरिक गतिविधियों में भी कमजोरी महसूस होती है, तो यह मांसपेशियों की ताकत कम होने का संकेत हो सकता है। प्रोटीन, कैल्शियम और अन्य पोषक तत्वों की कमी इसके पीछे की वजह हो सकती है।

**ध्यान लगाने में कठिनाई**

शरीर में कमजोरी का असर सिर्फ शारीरिक नहीं बल्कि मानसिक रूप से भी दिखाई देता है। यदि आपको बार-बार भूलने की समस्या हो रही है, ध्यान केंद्रित करने में परेशानी हो रही है या मानसिक थकान महसूस हो रही है, तो यह शरीर में ऊर्जा की कमी का संकेत हो सकता है।

**सांस फूलना-धड़कन तेज होना**

सामान्य काम करने पर भी सांस फूलना या दिल की धड़कन तेज महसूस होना शरीर में कमजोरी और एनीमिया का संकेत हो सकता है। शरीर को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिलने पर ऐसी समस्याएं सामने आ सकती हैं।

# आंखों में इन बदलावों को बिल्कुल न करें इग्नोर

क्या आप जानते हैं कि हमारा शरीर खुद ही संकेत देता है कि आप स्वस्थ हैं या नहीं? बस इसके लिए जरूरी है कि आप इन संकेतों को समय रहते पहचान जाएं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ आंखों को शरीर का आईना मानते हैं। आंखें सिर्फ दिल का हाल नहीं बतातीं, बल्कि शरीर के अंदर छिपी कई गंभीर बीमारियों का भी संकेत देती रहती हैं। हालांकि समस्या ये है कि आंखों के लक्षणों को हम अक्सर आंख में होने वाली कोई समस्या मानकर टालते रहते हैं।

डॉक्टर बताते हैं, आंखों में दिखाई देने वाले छोटे-छोटे बदलाव कई बार शरीर के भीतर हो रही बड़ी गड़बड़ी का शुरुआती अलार्म हो सकते हैं। आंखों का पीला दिखाई देना, चीजें धुंधली नजर आना या फिर आंखों के आसपास कोई उभार नजर आना, ये सभी लक्षण बताते हैं कि शरीर के भीतर सबकुछ ठीक नहीं चल रहा और इसपर आपको तुरंत ध्यान देने की जरूरत है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, लिवर की बीमारियों से लेकर स्ट्रोक तक की पहचान आप आंखों में हो रहे बदलावों की मदद से कर सकते हैं।

धुंधला दिखाई देना आंखों की सबसे आम समस्या मानी जाती है। हालांकि कई बार ये समस्या गंभीर बीमारियों से भी जुड़ी हो सकती है। धुंधला दिखाई देना डायबिटीज का संकेत हो सकता है। डायबिटीज में हाई शुगर आंख के लेंस को प्रभावित करने लगती है, जिससे दृष्टि धुंधली हो सकती है। लंबे समय तक अनियंत्रित डायबिटीज से डायबिटिक रेटिनोपैथी विकसित हो सकती है, जिसमें रेटिना की रक्त वाहिकाएं क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। हाई ब्लड प्रेशर भी आंखों की सूक्ष्म रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचाकर दृष्टि प्रभावित कर सकता है।

आंखों में पीलापन (पीलिया) दिखना आंखों की नहीं असल में लिवर की बीमारी मानी जाती है। ये शरीर में *बिलीरुबिन* बढ़ने का संकेत होता है। *बिलीरुबिन* एक पीले रंग का अपशिष्ट पदार्थ होता है जो पुरानी लाल रक्त कोशिकाओं के टूटने पर प्राकृतिक रूप से बनता है। जब लिवर *बिलीरुबिन* को सही ढंग से प्रोसेस नहीं कर पाता तो यह शरीर में जमा होने लगता है। *हेपेटाइटिस, फैटी लिवर डिजीज, लिवर सिरोसिस* जैसी समस्याओं में आंखों का पीला होना आम है।

क्या आपकी आंखों के सामने छोटे धब्बे या धागे जैसे आकार तैरते हुए दिखाई देते हैं? उम्र बढ़ने के साथ इसे सामान्य माना जाता है लेकिन कम उम्र में ये रेटिना की समस्याओं का संकेत हो सकता है। डायबिटीज, आंख में चोट या मायोपिया वाले मरीजों में यह जोखिम ज्यादा होता है।

आंखों की दोनों पुतलियों का आकार अलग-अलग होना कई बार न्यूरोलॉजिकल समस्या का संकेत हो सकता है। स्ट्रोक, ब्रेन ट्यूमर, सिर की चोट, नसों की क्षति या मस्तिष्क में रक्तस्राव जैसी स्थितियों में पुतलियों का आकार बदल सकता है।

# *डोला रे* गाने की शूटिंग में प्रेग्नेंट थीं माधुरी

माधुरी दीक्षित को लेकर सोशल मीडिया पर इन दिनों ऐसी चर्चाएं चल रही हैं कि शाहरुख खान की 2002 की ब्लॉकबस्टर फिल्म *देवदास* के *डोला रे डोला* गाने की शूटिंग के दौरान माधुरी दीक्षित चार महीने की प्रेग्नेंट थीं। अब इन चर्चाओं और अटकलों पर खुद माधुरी दीक्षित ने प्रतिक्रिया दी है और सच्चाई बताई है।

स्क्रीन के साथ बातचीत में माधुरी दीक्षित ने अटकलों पर प्रतिक्रिया देते हुए अपने बेटे की जन्म की तारीख भी बताई। माधुरी ने कहा, आरिन का जन्म 2003 में हुआ था। आप हिसाब लगा लीजिए। माधुरी दीक्षित के बड़े बेटे आरिन अब 23 साल के हैं और उनका जन्म 17 मार्च 2003 को हुआ था। फिल्म *देवदास* 12 जुलाई 2002 को रिलीज हुई थी, इससे पहले इसका प्रीमियर 23 मई 2002 को कान फिल्म फेस्टिवल में हुआ था। हालांकि, माधुरी ने स्पष्ट किया कि शूटिंग शारीरिक रूप से काफी थकाने वाली थी, लेकिन इसका कारण उनकी प्रेग्नेंसी नहीं थी।

उन्होंने कहा कि मैं बहुत ट्रेवल कर रही थी, इसलिए मेरी तबीयत थोड़ी खराब थी। मैं लगातार शूटिंग के लिए इधर-उधर जा रही थी। मेरी सारी शूटिंग रात में होती थी। इसलिए मेरे लिए यह बहुत थकाने वाला था। मेरी तबीयत थोड़ी खराब थी, लेकिन कुछ खास नहीं था। माधुरी की ये प्रतिक्रिया तब आई है, जब कुछ दिन पहले दिवंगत कोरियोग्राफर सरोज खान की पूर्व असिस्टेंट रुबीना खान के उस दावे के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि गाने की शूटिंग के दौरान माधुरी प्रेग्नेंट थीं।

रुबीना ने *डोला रे डोला* गाने के बारे में बात करते हुए कहा था, इसमें एक स्टेप है जिसमें माधुरी मैम घूमकर बैठती हैं। वह शॉट सुबह 9 बजे से रात 10 बजे तक चलता रहा, क्योंकि वह चार महीने की प्रेग्नेंट थीं। इसलिए वह ठीक से घूम नहीं पा रही थीं और उन्हें चक्कर आ रहे थे। उस समय उन्हें बुखार भी था। हालांकि, उन्होंने कभी भी किसी स्टेप को बदलने के लिए नहीं कहा। मास्टरजी (सरोज खान) जो भी कहती थीं, वही अंतिम होता था।

संजय लीला भंसाली द्वारा निर्देशित *देवदास* साल 2002 में रिलीज हुई थी। फिल्म में शाहरुख खान, ऐश्वर्या राय और माधुरी दीक्षित प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। माधुरी ने फिल्म में *चंद्रमुखी* का किरदार निभाया था। सरोज खान द्वारा कोरियोग्राफ किया गया गीत *डोला रे डोला* माधुरी और ऐश्वर्या को एक साथ पर्दे पर लेकर आया था, जो दो दशक से अधिक समय बाद भी फैंस को याद है।

# शिल्पा के बयान पर प्रोड्यूसर संजय कोहली ने दी प्रतिक्रिया

## मेरे लिए मामला खत्म

टीवी एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे के हालिया खुलासे ने एक बार फिर *भाबीजी घर पर हैं* विवाद को चर्चा में ला दिया है। हाल ही में शिल्पा शिंदे ने खुलासा करते हुए बताया कि शो के प्रोड्यूसर संजय कोहली के खिलाफ लगाया गया यौन उत्पीड़न का आरोप झूठा था। अब शिल्पा के हालिया बयान के बाद निर्माता संजय कोहली से बात की। हालांकि, उन्होंने इस विवाद पर विस्तार से बात करने से परहेज किया और कहा कि उनके लिए मामला अब पूरी तरह से खत्म हो चुका है।

बातचीत में संजय कोहली ने शिल्पा शिंदे के बयान और मामले पर कहा, देखिए, मुझे इस बारे में जानकारी नहीं है। वैसे भी यह एक लीगल मैटर है। मेरे लिए यह अब क्लोज्ड चैप्टर है। इसीलिए मैं इस पर कोई बात नहीं करना चाहता।

बता दें कि हाल ही में एक पॉडकास्ट में शिल्पा शिंदे ने *भाबीजी घर पर हैं* से जुड़े पुराने विवाद पर खुलकर बात की थी। उन्होंने कहा कि उस समय वह कानूनी और प्रोफेशनल परेशानियों से गुजर रही थीं।

शिल्पा के मुताबिक, उस दौर में उन्हें लगा कि शिकायत दर्ज कराने के अलावा उनके पास कोई दूसरा रास्ता नहीं था। उन्होंने यह भी बताया कि बाद में दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया था और भुगतान से जुड़े सभी मामले सुलझा लिए गए थे। शिल्पा ने यह भी माना कि उस विवाद का असर संजय कोहली की इमेज पर पड़ा था।

उन्होंने बताया कि समझौते के बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के बारे में सार्वजनिक रूप से बात नहीं करने का फैसला किया था। शिल्पा का कहना है कि वह कई साल से इस पूरे मामले का बोझ अपने मन में लिए हुए थीं, इसलिए अब उन्होंने इस पर खुलकर बात की।

शिल्पा शिंदे के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर उन्हें भारी विरोध का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में अभिनेत्री बेबिका धुर्वे ने शिल्पा का समर्थन किया है। शिल्पा की इंस्टाग्राम पोस्ट पर कमेंट करते हुए उन्होंने लिखा, भारतीय टीवी सेट्स और काम करने की जगहें इतनी तनावपूर्ण होती हैं कि यह इंसान की मानसिक और भावनात्मक शांति को खत्म कर देती हैं। यह आपको आर्थिक रूप से पूरी तरह से थका हुआ और कंगाल बना देती हैं। शिल्पा एक बहादुर और मजबूत इंसान हैं कि उन्होने इस बारे में खुलकर बात की। यही वजह है कि मैं अब टीवी शोज नहीं करती। रियलिटी टीवी असल में सबसे अच्छी चीज है।

# नमस्कार अपर असम

**प्रातः खबर**

शनिवार, 6 जून 2026


**मौसम**

| स्थान | अधिकतम | न्यूनतम |
|---|---|---|
| जोरहाट | 30° | 19° |
| डिब्रुगढ़ | 29° | 17° |
| तिनसुकिया | 30° | 18° |
| शिवसागर | 30° | 19° |

## जोरहाट में पारीक समाज लेगा अंगड़ाई, समिति पुनर्गठन के लिए कल सभा बुलाई

**जोरहाट 5 जून (ख.सं)।** पारीक सभा, जोरहाट की आमसभा आगामी 7 जून, रविवार को दोपहर 3:15 बजे चैंबर रोड स्थित चैंबर ऑफ कॉमर्स सभागार में आयोजित की जाएगी। सभा में वर्ष 2025-26 के लिए नई कार्यकारिणी के गठन पर चर्चा एवं निर्णय लिया जाएगा। इसके अलावा सभा के कोषाध्यक्ष द्वारा वर्ष 2025-26 का आय-व्यय का लेखाजोखा भी प्रस्तुत किया जाएगा। पारीक सभा के सचिव अशोक पारीक ने सभी सदस्यों से आमसभा में अपनी गरिमामयी उपस्थिति सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि सभा में लिए जाने वाले निर्णय समाज के संगठनात्मक विकास के लिए महत्वपूर्ण होंगे, इसलिए सभी सदस्यों की सहभागिता अपेक्षित है।


Ph. : 2548109
2730431
L. GOPAL JEWELLERS
9-11-14, Kuber A.C. Market
Guwahati - 781001
शुद्ध चांदी के बर्तनों एवं शुद्ध चांदी की सिल्ली व चांदी के सिक्कों का एकमात्र विश्वसनीय प्रतिष्ठान
22/22 KDM Gold Jewellery, Hallmark Gold Jewellery Branded Diamond Jewellery, Platinum & Silver Utensils & Articles

0361-2601385
9678211156
D. M. Jeweller's
(As You Like We are)
7/8 (L) Akram's Business
Fancy Bazar, Guwahati-1
शुद्ध सील चांदी के बर्तन एवं असली सिक्कों का प्रतिष्ठित स्थान
We also deal in 22/22 KDM hallmark Jewelleries


# जोरहाट के बाघचुंग में आधुनिक प्लास्टिक कचरा प्रबंधन इकाई का उद्घाटन

**खबर संवाददाता**

**जोरहाट, 5 जून।** विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज जोरहाट जिले के 65 नंबर बाघचुंग गांव पंचायत में प्लास्टिक कचरा निपटान के लिए एक ऐतिहासिक पहल सफलतापूर्वक साकार की गई। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), असम के तत्वावधान में और तिताबर विकास खंड तथा सेंटूल जोरहाट विकास खंड के संयुक्त सहयोग से निर्मित एक अत्याधुनिक 'प्लास्टिक कचरा प्रबंधन इकाई आज औपचारिक रूप से जनता को समर्पित की गई। जोरहाट जिले

को प्लास्टिक कचरे से मुक्त कर स्वच्छ और हरित पर्यावरण बनाने के लक्ष्य से यह दीर्घकालिक परियोजना शुरू की गई है। इस महत्वपूर्ण योजना का उद्घाटन जोरहाट के जिला आयुक्त जय शिवानी ने किया। आज सफलतापूर्वक शुरू हुई यह प्लास्टिक कचरा प्रबंधन इकाई आने वाले दिनों में पूरे क्षेत्र के ग्रामीण और शहरी इलाकों के प्लास्टिक कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निपटान और पुनर्चक्रण करने में युगांतकारी भूमिका निभाएगी। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से प्लास्टिक का उपयोग बंद करने और अपने पर्यावरण को स्वच्छ रखने की अपील की। उक्त कार्यक्रम में जोरहाट जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज कुमार बरुआ, जोरहाट जिला परिषद के अध्यक्ष सुरजीत सैकिया, तिताबर आंचलिक पंचायत के अध्यक्ष श्री मंदीप तुंखुंगिया, सेंटूल जोरहाट आंचलिक पंचायत की अध्यक्ष जीनामणि नेओग बोरा, खंड विकास अधिकारी, कई गणमान्य व्यक्ति, खंड विकास और गांव पंचायत कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी तथा स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

# असम कृषि विश्वविद्यालय में मना विश्व पर्यावरण दिवस

**खबर संवाददाता**

**जोरहाट, 5 जून।** जोरहाट स्थित असम कृषि विश्वविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में उपकुलपति डॉ. दीपज्योति राजखोवा ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपकुलपति ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या के दबाव और तेजी से हो रहे पर्यावरण क्षरण के समय केवल मानव समाज ही नहीं, बल्कि समस्त जीव जगत के अस्तित्व को कायम रखने के लिए सभी को आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि प्रदूषण रोकने के लिए यदि सभी अपना योगदान देंगे, तभी हम सभी सुख-शांति से जीवन व्यतीत कर सकेंगे। विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर डॉ. बसंत कुमार बरुआ द्वारा संचालित इस कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिक डॉ. प्रसन्न कुमार पाठक ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में कृषि अनुसंधान निदेशक डॉ. संजय कुमार चेतिया, स्नातकोत्तर शिक्षा निदेशक डॉ. अनुप कुमार दास, प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. मनोरंजन नेउग, छात्र कल्याण निदेशक डॉ. विनय कुमार मेधि, गृह विज्ञान गुरु डॉ. मामोनी दास, सहायक कृषि अनुसंधान निदेशक डॉ. मृणाल सैकिया, सहायक प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. रंजीत कुमार साद सहित विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रोफेसर, शोध वैज्ञानिक और छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। शाम को पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के माधव चंद्र दास प्रेक्षागृह में पर्यावरण विषय पर एक वृत्तचित्र भी प्रदर्शित किया गया।

# विश्व पर्यावरण दिवस पर शिवसागर में पौधारोपण एवं पौधा वितरण कार्यक्रम

**खबर संवाददाता**

**शिवसागर, 5 जून।** विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गुरुवार को शिवसागर जिला प्रशासन द्वारा जिला आयुक्त कार्यालय परिसर में पौधारोपण एवं पौध वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों के बीच पौधों का वितरण किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला आयुक्त मृदुल यादव ने पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी नागरिकों से जागरूक एवं सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि एक हरित एवं स्वच्छ पृथ्वी के निर्माण के लिए पौधारोपण के साथ-साथ पौधों का संरक्षण भी आवश्यक है। उन्होंने स्वयंसेवी संस्थाओं से इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने तथा भावी पीढ़ियों के लिए हरित वातावरण सुनिश्चित करने का आग्रह किया। जिला आयुक्त ने जिले में स्थित एशिया के प्रथम प्राकृतिक चिड़ियाघर पहुगढ़ से प्रेरणा लेते हुए जिले में व्यापक स्तर पर पौधारोपण एवं पौध संरक्षण के माध्यम से हरित क्रांति का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान जिला आयुक्त सहित वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने पौधारोपण किया तथा विभिन्न प्रजातियों के उन्नत गुणवत्ता वाले पौधों का वितरण भी किया। इस अवसर पर जिला विकास आयुक्त पवित्र कुमार दास, अतिरिक्त जिला आयुक्त लुकुमणि बोरा, मीनाक्षी पर्मे, सोनतृष्णा घरफलिया एवं गौरीप्रिया देउरी सहित जिला प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी, विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

# गोलाघाट में सीआरपीएफ 142वीं बटालियन ने विश्व पर्यावरण दिवस पर चलाया वृक्षारोपण अभियान

**खबर संवाददाता**

**गोलाघाट, 5 जून।** विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 142वीं बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), गोलाघाट द्वारा बटालियन मुख्यालय परिसर में पर्यावरण संरक्षण एवं जन-जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सीआरपीएफ के अधिकारियों, जवानों, उनके परिजनों तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में कमांडेंट मोहिंदर कुमार की धर्मपत्नी श्रीमती नीतू कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (एसजी) डॉ. शालिनी सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी उपेंद्र सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती सोनी सिंह, विवेकानंद केंद्र की प्रतिनिधि बानी सैकिया, नेशनल ह्यूमन राइट्स एंड क्राइम कंट्रोल ब्यूरो (एनएचआरसीसीबी) के राष्ट्रीय संयुक्त सचिव संतोष कुमार कानू तथा राज्य महासचिव मनीष कुमार गुप्ता सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। इस अवसर पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए 142वीं बटालियन के कमांडेंट मोहिंदर कुमार ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि स्वच्छ और स्वस्थ पर्यावरण मानव जीवन की आधारशिला है तथा पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार या किसी एक संस्था का दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की नैतिक एवं सामाजिक जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से वृक्षारोपण, जल संरक्षण, प्लास्टिक के उपयोग में कमी तथा स्वच्छता को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय चुनौतियां गंभीर चिंता का विषय हैं तथा सामूहिक प्रयासों के माध्यम से ही आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित एवं हरित भविष्य सुनिश्चित किया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान बटालियन परिसर में व्यापक वृक्षारोपण अभियान भी चलाया गया। इस दौरान विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। उपस्थित अतिथियों, सीआरपीएफ अधिकारियों, जवानों तथा सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए वृक्षारोपण अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाई।कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए स्वच्छ, हरित और सतत विकासशील समाज के निर्माण में योगदान देने का सामूहिक संकल्प लिया।इस अवसर पर पर्यावरण बचाएं भविष्य सुरक्षित बनाएं का संदेश भी दिया गया।

# मारवाड़ी महिला सम्मेलन का भजन जैमिंग कार्यक्रम भक्ति और उल्लास के माहौल में संपन्न

**खबर संवाददाता**

**गोलाघाट, 5 जून।** अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन, गोलाघाट शाखा के तत्वावधान में आयोजित भजन जैमिंग कार्यक्रम अत्यंत भव्य एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। स्थानीय जिला पुस्तकालय सभागार में 2 जून को आयोजित इस विशेष सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम में युवा प्रतिभाशाली भजन गायक अश्विन और प्रकृति ने अपने मधुर भजनों की प्रस्तुति देकर उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। भक्ति संगीत से सजी इस संध्या ने उपस्थित दर्शकों के मन में आध्यात्मिक आनंद, सकारात्मक ऊर्जा और उत्साह का संचार किया। लगभग दो घंटे तक चले भजन संध्या कार्यक्रम में दर्शक भक्ति रस में सराबोर होकर झूमते रहे तथा अनेक लोगों ने भजनों की धुन पर नृत्य

कर कार्यक्रम को और भी जीवंत बना दिया। कार्यक्रम में सभागार पहुंचने पर दर्शकों ने कलाकारों का तालियों की गड़गड़ाहट के साथ स्वागत किया। गोलाघाट अ भा मा म स शाखा की अध्यक्षा प्रीति जैन एवं कोषाध्यक्ष रूपम बगड़िया ने कलाकारों को फूलाम गमछा एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। वहीं सह-सचिव संगीता बिनानी और उपाध्यक्ष मंजू कनोई ने कलाकारों की टीम का पारंपरिक स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। दीप प्रज्वलन पूर्व प्रांतीय अध्यक्षा नमिता जालान, शाखा अध्यक्षा प्रीति जैन तथा पूर्व अध्यक्षा अनूरेखा बाकलीवाल, वंदना जालान, रितु माहेश्वरी और राजकुमारी बियानी द्वारा किया गया। इसके उपरांत दिव्या अग्रवाल, नीतू सरावगी एवं सुमित्रा अग्रवाल ने सम्मेलन की प्रार्थना प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन सम्मेलन की सदस्य पूनम अग्रवाल ने कुशलतापूर्वक किया।इस अवसर पर बड़ी संख्या में सम्मेलन की सदस्याओं एवं नगरवासियों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम के प्रायोजक अनूरेखा बाकलीवाल एवं पवन नाऊका थे। अपने संबोधन में गायक अश्विन ने कहा कि गोलाघाटवासियों के उत्साह और ऊर्जा को देखकर उनमें भी और अधिक जोश के साथ प्रस्तुति देने की प्रेरणा मिली। उन्होंने अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की सभी सदस्याओं तथा उपस्थित दर्शकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग और उत्साह के बिना कार्यक्रम की सफलता संभव नहीं थी। कार्यक्रम के अंत में पूनम अग्रवाल ने सभी कलाकारों, अतिथियों, प्रायोजकों एवं उपस्थित दर्शकों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यक्रम के समापन की घोषणा की।यह जानकारी सम्मेलन की जनसंपर्क प्रमुख राजकुमारी बियानी ने प्रदान की।

# शिवसागर में मेधावी विद्यार्थियों का अभिनंदन समारोह कल

## आसू के महासचिव समीरन फुकन होंगे मुख्य अतिथि

**खबर संवाददाता**

**शिवसागर, 7 जून।** हाल ही में घोषित हाईस्कूल शिक्षांत (एचएसएलसी) एवं उच्चतर माध्यमिक (एचएस) परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का गौरव बढ़ाने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान में सदौ शिवसागर जिला छात्र संस्था (आसू) द्वारा 7 जून को शिवसागर नाट्य मंदिर में एक भव्य अभिनंदन समारोह का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम शिवसागर आंचलिक छात्र संस्था के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। प्रातः 11 बजे से शुरू होने वाले इस समारोह में सदौ असम छात्र संस्था (आसू) के महासचिव समीरन फुकन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में शिवसागर के जिला आयुक्त मृदुल यादव, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पापरी चेतिया, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. सुरजीत बरकटकी तथा ओएनजीसी असम एसेट के कार्यकारी निदेशक उदय पासवान सहित आसू की केंद्रीय समिति के कई पदाधिकारी विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लेंगे। समारोह के दौरान शिवसागर जिला छात्र संस्था के अंतर्गत आने वाले विभिन्न शिक्षण संस्थानों के उन विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने हाईस्कूल शिक्षांत परीक्षा में डिस्टिंक्शन प्राप्त किया है तथा उच्चतर माध्यमिक परीक्षा के कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय में 85 प्रतिशत या उससे अधिक अंक हासिल किए हैं। जिला छात्र संस्था के महासचिव दीपांकर शइकिया ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जिले के सभी सफल छात्र-छात्राओं, अभिभावकों तथा शुभचिंतकों से कार्यक्रम में उपस्थित होकर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की गई है।

# जोरहाट जिला प्रशासन और सिविल डिफेंस के संयुक्त तत्वावधान में विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण

**खबर संवाददाता**

**जोरहाट, 5 जून।** पूरे देश के साथ-साथ जोरहाट जिले में भी आज विभिन्न कार्यक्रमों के साथ विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इसके तहत जोरहाट जिला प्रशासन के अधिकारियों व कर्मचारियों ने एक हरित पहल की। जिला आयुक्त कार्यालय परिसर में जिला प्रशासन और सिविल डिफेंस विभाग के संयुक्त तत्वावधान में पौधारोपण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यालय परिसर में विभिन्न स्थानीय प्रजातियों के फलदार और छायादार पौधे लगाए गए। इस कार्यक्रम में जिला प्रशासन के अधिकारी एवं कर्मचारियों के साथ-साथ सिविल डिफेंस बल के अधिकारी और स्वयंसेवकों ने भी सक्रिय भागीदारी की। इस दौरान केवल पौधारोपण ही नहीं, बल्कि उनके उचित रखरखाव और संरक्षण को सुनिश्चित करने का संकल्प भी लिया गया। वर्तमान में ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन जैसी गंभीर समस्याओं के समय सरकारी कार्यालयों द्वारा उठाया गया हर छोटा कदम समाज में एक सकारात्मक संदेश देता है।

# जागुन में ड्रग्स के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, प्रतिबंधित ड्रग्स के साथ एक गिरफ्तार

**संवाददाता**

**जागुन, 5 जून ।** ड्रग्स तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत लेखापानी और जागुन पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से प्रतिबंधित ड्रग्स बरामद करने के साथ ही एक कार और एक स्कूटी भी जब्त की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर गुरुवार को पुलिस ने जागुन के सोनाली जनजाति देउरी गांव निवासी मृदुल चेतिया (36) के घर पर छापेमारी की। तलाशी अभियान के दौरान पुलिस को प्रतिबंधित ड्रग्स बरामद हुआ। इसके

अलावा एआर-11ए-5939 नंबर की एक आई-10 कार तथा एएस-23एएच-6098 नंबर की एक स्कूटी को भी जब्त किया गया। स्थानीय ग्रामीणों के मुताबिक गिरफ्तार मृदुल चेतिया का नाम पहले भी ड्रग्स कारोबार से जुड़ चुका है। इसी प्रकार के मामलों में उसे पूर्व में दो बार गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है। इसके बावजूद उसके कथित रूप से फिर से नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार में संलिप्त होने की बात सामने आई है। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद क्षेत्र के ग्रामीणों में भी काफी रोष देखा जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पूर्व में जेल से रिहा होने के बाद मृदुल चेतिया ने ग्रामीणों के समक्ष यह आश्वासन दिया था कि वह भविष्य में नशीले पदार्थों के कारोबार से दूर रहेगा और इस तरह की गतिविधियों में शामिल नहीं होगा। लेकिन एक बार फिर उसके कथित रूप से ड्रग्स कारोबार में संलिप्त पाए जाने से ग्रामीणों में नाराजगी और निराशा का माहौल है। लेखापानी पुलिस ने आरोपी को अपने कब्जे में लेकर गहन पूछताछ शुरू कर दी है। साथ ही उसके संभावित संपर्कों और नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस आगे की न्यायिक प्रक्रिया पूरी करने में जुटी हुई है। क्षेत्र में लगातार बढ़ती ड्रग्स तस्करी के खिलाफ पुलिस की यह कार्रवाई महत्वपूर्ण मानी जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने संकेत दिया है कि आने वाले दिनों में भी ऐसे अभियान जारी रहेंगे और नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

# गोलाघाट के रंगाजान में संदिग्ध हेरोइन समेत दो तस्कर गिरफ्तार

**खबर संवाददाता**

**गोलाघाट, 5 जून।** गोलाघाट पुलिस ने नशा विरोधी अभियान में एक बार फिर महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। जिले के रंगाजान क्षेत्र में चलाए गए एक विशेष अभियान के दौरान पुलिस ने लगभग 25 ग्राम प्रतिबंधित हेरोइन बरामद करने के साथ ही दो कथित मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने रंगाजान क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया। अभियान के दौरान आरोपियों के कब्जे से लगभग 25 ग्राम प्रतिबंधित हेरोइन बरामद किया गया। गिरफ्तार दोनों आरोपियों की पहचान मोरंगी आबरघाट गांव निवासी रमेश बोरा तथा पातकतिया गांव निवासी नुमल बोरा के रूप में की गई है। पुलिस को संदेह है कि बरामद मादक पदार्थ बिक्री के उद्देश्य से तस्करी कर लाया जा रहा था। इधर पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है। इस मादक पदार्थ तस्करी गिरोह से अन्य लोगों के जुड़े होने की संभावना को लेकर भी जांच जारी है। गोलाघाट पुलिस की इस सफलता का स्थानीय लोगों ने स्वागत किया है। साथ ही जिले में नशे के कारोबार के खिलाफ ऐसे सख्त अभियान लगातार जारी रखने की मांग भी उठाई है।

# जोरहाट स्विमिंग सोसाइटी जुलाई में आयोजित करेगी ग्रीष्मकालीन तैराकी प्रशिक्षण शिविर

**खबर संवाददाता**

**जोरहाट 5 जून।** ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान विद्यार्थियों को तैराकी का प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से जोरहाट स्विमिंग सोसाइटी आगामी जुलाई माह में प्रातःकालीन तैराकी प्रशिक्षण शिविर का आयोजन करने जा रही है। सोसाइटी के महासचिव प्रणव बरठाकुर ने बताया कि यह प्रशिक्षण शिविर केवल विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के लिए आयोजित किया जाएगा। इच्छुक प्रतिभागी प्रशिक्षण शिविर से संबंधित सभी आवेदन पत्र एवं आवश्यक जानकारी सोसाइटी के कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों को तैराकी के प्रति प्रोत्साहित करना, उनकी शारीरिक क्षमता का विकास करना तथा जल सुरक्षा संबंधी आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान करना है। सोसाइटी ने अभिभावकों और विद्यार्थियों से इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की है।

# मायुमं, तिनसुकिया शाखा द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर प्याऊ स्थापना एवं पौधारोपण कार्यक्रम का सफल आयोजन

**खबर संवाददाता**

**तिनसुकिया, 5 जून।** विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच, तिनसुकिया शाखा द्वारा शुक्रवार को पूर्वोत्तर विकास परिषद द्वारा संचालित ज्ञानांकुश परिसर पौधारोपण कार्यक्रम का सफल आयोजन किये जाने के साथ ही अपने राष्ट्रीय कार्यक्रम अमृतधारा एवं जल संरक्षण के अंतर्गत प्याऊ सेवा की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वर्गीय ताराचंद जैन की पुण्य स्मृति में उनकी धर्मपत्नी श्रीमती प्रेमलता जैन, पुत्र पुखराज जैन एवं उनके परिवारजनों द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना कर प्याऊ का शुभ उद्घाटन किया गया। यह प्याऊ जनसेवा एवं जल संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसके माध्यम से विद्यार्थियों एवं आमजन को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होगा। इस अवसर पर मंच की ओर से दानदाता

परिवार के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया गया, जिन्होंने इस जनहितकारी एवं पुण्य कार्य हेतु सहयोग प्रदान किया। साथ ही पूर्वोत्तर विकास परिषद ज्ञानांकुश के सचिव संजीब छेत्री, संयुक्त कोषाध्यक्ष जयदीप पॉल एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य पवित्र बरुआ को भी धन्यवाद ज्ञापित किया गया, जिन्होंने इस परियोजना हेतु स्थान उपलब्ध कराया। कार्यक्रम में मंच के संस्थापक सचिव विमल शर्मा, संस्थापक सदस्य राजकुमार अग्रवाल, पूर्व अध्यक्षगण, पूर्व सचिवगण, तिनसुकिया शाखा के अध्यक्ष सीए अर्पित केड़िया, उपाध्यक्ष गिरीश पेरीवाल तथा कार्यकारिणी सदस्यगण सहित अनेक वरिष्ठ सदस्य एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर राधेश्याम जैन एवं उनके परिवार द्वारा बच्चों के बीच जल बोतल एवं पुस्तकों का वितरण भी किया गया, जिसकी सभी ने सराहना की। विश्व पर्यावरण दिवस की थीम के अंतर्गत शाखा ने अपनी स्थापना के 48 गौरवशाली वर्षों को समर्पित करते हुए 48 पौधे तिनसुकिया शाखा के गौरवशाली वर्षों के नाम, 1 पौधा असम की समृद्धि हेतु, 1 पौधा भारत की उन्नति हेतु तथा 1 पौधा सम्पूर्ण विश्व के कल्याण हेतु रोपित किया।इस प्रकार कुल 51 पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। अमृतधारा स्थापना परियोजना का संचालन परियोजना अध्यक्ष पंकज अग्रवाल एवं संयोजक एवं निवर्तमान अध्यक्ष राजेश अग्रवाल द्वारा अत्यंत सुव्यवस्थित एवं समर्पित भाव से किया गया।वहीं विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम एवं पौधारोपण अभियान का सफल संयोजन युवा अंकुर गोयल एवं युवा कृष्ण जालान द्वारा दूरदर्शी सोच एवं उत्कृष्ट योजना के साथ किया गया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी सदस्यों एवं अतिथियों ने मिलकर पौधारोपण किया तथा पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

प्रातः खबर
शनिवार, 6 जून 2026

# मोरान-मटक संगठनों के 48 घंटे के बंद से डिब्रूगढ़ में जनजीवन प्रभावित

## मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व और अनुसूचित जनजाति दर्जे की मांग को लेकर आंदोलन तेज

**कार्यालय संवाददाता**

**डिब्रूगढ़, 5 जून।** मोरान और मटक समुदाय के विभिन्न संगठनों द्वारा आहूत 48 घंटे के बंद के पहले दिन आज शुक्रवार को डिब्रूगढ़ जिले सहित ऊपरी असम के कई क्षेत्रों में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित रहा। सुबह पांच बजे से शुरू हुए इस बंद के कारण परिवहन सेवाएं, व्यापारिक गतिविधियां और आम लोगों की आवाजाही पर व्यापक असर पड़ा। कई बाजार बंद रहे तथा सड़कों पर वाहनों की संख्या सामान्य दिनों की तुलना में काफी कम दिखाई दी। यह बंद ऑल मोरान स्टूडेंट्स यूनियन, ऑल असम मटक यूथ स्टूडेंट्स एसोसिएशन तथा अन्य सहयोगी संगठनों के नेतृत्व में आयोजित किया गया है। आंदोलनकारी संगठनों ने हाल ही में हुए असम मंत्रिमंडल विस्तार में मोरान और मटक समुदायों को प्रतिनिधित्व नहीं दिए जाने पर गहरा असंतोष व्यक्त किया है। उनका कहना है कि राज्य के सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान के बावजूद दोनों समुदायों की लगातार उपेक्षा की जा रही है। आंदोलन की दूसरी प्रमुख मांग मोरान और मोटोक समुदायों को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा प्रदान करने से जुड़ी हुई है। संगठनों का आरोप है कि यह मांग लंबे समय से लंबित है और विभिन्न स्तरों पर आश्वासन मिलने के बावजूद अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। उनका कहना है कि एसटी का दर्जा मिलने से समुदायों को शिक्षा, रोजगार और सामाजिक विकास के क्षेत्र में संवैधानिक अधिकारों का लाभ प्राप्त होगा। बंद के दौरान विभिन्न स्थानों पर प्रदर्शनकारियों ने धरना-प्रदर्शन कर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कई इलाकों में विरोध स्वरूप सड़क किनारे प्रदर्शन किए गए और समुदायों की मांगों को प्रमुखता से उठाया गया। प्रशासन ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया। आवश्यक सेवाओं को बंद से मुक्त रखा गया तथा किसी बड़ी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। आंदोलनकारी संगठनों के नेताओं ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक पहल नहीं की गई तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। उन्होंने राज्य सरकार से मोरान और मोटोक समुदायों की समस्याओं के समाधान के लिए तत्काल संवाद शुरू करने और लंबित मांगों पर ठोस निर्णय लेने की अपील की है। दूसरी ओर, राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह आंदोलन आगामी दिनों में असम की राजनीति पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकता है, विशेषकर उन क्षेत्रों में जहां मोरान और मोटोक समुदायों की उल्लेखनीय जनसंख्या है। बंद के दूसरे दिन भी स्थिति पर प्रशासन की कड़ी नजर बनी हुई है तथा लोगों से शांति और संयम बनाए रखने की अपील की गई है।

# डिब्रूगढ़ में भारतीय महिला क्रिकेटर उमा छेत्री का भव्य सम्मान

**कार्यालय संवाददाता**

**डिब्रूगढ़ 5 जून।** भारतीय महिला क्रिकेट टीम की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर उमा छेत्री को आगामी चौथे लिबर्टी कप महिला टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट में भागीदारी से पूर्व आज शुक्रवार को डिब्रूगढ़ जिला खेल संघ (डीडीएसए) द्वारा सम्मानित किया गया। यह सम्मान समारोह सरबानंद सोनोवाल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स स्थित जालान आउटडोर स्टेडियम में आयोजित किया गया, जहां खेल प्रेमियों और खेल अधिकारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।समारोह के दौरान डीडीएसए के पदाधिकारियों ने बोकोखाट की प्रतिभाशाली विकेटकीपर-बल्लेबाज उमा छेत्री को सम्मान-पत्र एवं शुभकामनाएं प्रदान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अधिकारियों ने कहा कि उमा ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर न केवल असम बल्कि पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है।अपने संबोधन में उमा छेत्री ने सम्मान के लिए डिब्रूगढ़ जिला खेल संघ का आभार व्यक्त किया। उन्होंने युवा खिलाड़ियों, विशेषकर लड़कियों से खेल के प्रति समर्पण, अनुशासन और आत्मविश्वास बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि निरंतर मेहनत और दृढ़ संकल्प के बल पर किसी भी खिलाड़ी के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचना संभव है। उमा छेत्री की उपस्थिति से डिब्रूगढ़ और आसपास के क्षेत्रों के क्रिकेट प्रेमियों तथा उभरते खिलाड़ियों में विशेष उत्साह देखा गया। खेल अधिकारियों ने कहा कि उनकी उपलब्धियां राज्य की नई पीढ़ी की महिला क्रिकेटरों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं और वे असम में महिला क्रिकेट को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। गौरतलब है कि उमा छेत्री वर्तमान में चल रहे लिबर्टी कप महिला टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट में बोकोखात का प्रतिनिधित्व करेंगी। यह प्रतियोगिता एम्पावर एनजीओ और एचएम स्पोर्ट्स क्लब द्वारा डिब्रूगढ़ जिला खेल संघ के सहयोग से आयोजित की जा रही है। टूर्नामेंट का उद्देश्य महिला क्रिकेट को बढ़ावा देना तथा राज्यभर की उभरती प्रतिभाओं को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने के लिए एक सशक्त मंच उपलब्ध कराना है।

# डिब्रूगढ़ के बाजारों में खाद्य सुरक्षा विभाग की छापेमारी, फलों-सब्जियों में नहीं मिली मिलावट

**कार्यालय संवाददाता**

**डिब्रूगढ़ 5 जून।** उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा और खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से डिब्रूगढ़ जिला खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने शुक्रवार को शहर के विभिन्न प्रमुख बाजारों में व्यापक निरीक्षण अभियान चलाया। यह अभियान कालीबाड़ी रोड, न्यू मार्केट, पल्टन बाजार, नालियापूल, चावल बाजार और लोहारपट्टी क्षेत्रों में संचालित किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बाजारों में बिक रहे फलों और सब्जियों की गहन जांच की। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने फलों में कृत्रिम रूप से पकाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले प्रतिबंधित रसायन कैल्शियम कार्बाइड की मौजूदगी की जांच की। जांच में किसी भी फल में कैल्शियम कार्बाइड के उपयोग के प्रमाण नहीं मिले। इसके अलावा सब्जियों में कृत्रिम रंगों और अन्य प्रकार की मिलावट की भी जांच की गई। विभाग की टीम ने बताया कि निरीक्षण के दौरान किसी भी सब्जी में रंग या अन्य प्रकार की मिलावट नहीं पाई गई। खाद्य सुरक्षा विभाग के अनुसार जांच के परिणाम उपभोक्ताओं के लिए राहतभरी खबर हैं, क्योंकि निरीक्षित बाजारों में बिक रहे फल और सब्जियां हानिकारक मिलावट से मुक्त पाए गए हैं। विभागीय अधिकारियों ने कहा कि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता बनाए रखने तथा आम जनता के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए इस प्रकार के निरीक्षण अभियान भविष्य में भी नियमित रूप से जारी रहेंगे।

# लखीमपुर विश्व पर्यावरण दिवस पर सर्वेश्वर बरुवा हिंदी विद्यालय में वृक्षारोपण

**खबर संवाददाता**

**लखीमपुर, 5 जून।** विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज सर्वेश्वर बरुवा हिंदी विद्यालय, खेलमाटी छठ घाट परिसर में विद्यालय के प्रधानाध्यापक शमशेर सिंह और एस एस आर इनोवेटिव फाउंडेशन के सहयोग से विद्यालय परिषर में धूमधाम से वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के प्रधानाध्यापक शमशेर सिंह और एस.एस.आर. इनोवेटिव फाउंडेशन के पदाधिकारियों द्वारा शगुन पीपल और फलदार पौधे लगाकर की गई। इसके बाद शिक्षकों और छात्रों ने उत्साह के साथ पौधरोपण में भाग लिया। कुल मिलाकर 35 से अधिक पौधे विद्यालय परिसर और छठ घाट के आसपास लगाए गए। प्रधानाध्यापक शमशेर सिंह ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा हमारी जिम्मेदारी है।अगर आज हम पेड़ लगाएंगे, तो कल की पीढ़ी को शुद्ध हवा और हरियाली मिलेगी। खेल माटी छठ घाट को हरा-भरा बनाना इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। एस.एस.आर. इनोवेटिव फाउंडेशन के सहयोग से यह कार्यक्रम और सफल हुआ। छात्रों ने एक पेड़, एक जीवन और पेड़ लगाओ,जीवन बचाओ के नारे लगाए। एस.एस.आर.इनोवेटिव फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने बच्चों को पौधों की देखभाल के तरीके भी समझाए। कार्यक्रम के अंत में सभी ने संकल्प लिया कि वे न सिर्फ पौधे लगाएंगे, बल्कि उनकी नियमित देखभाल भी करेंगे।विद्यालय से जुड़े अभिभावकों और समिति के सदस्यों ने भी इस पहल की सराहना की और कहा कि छठ घाट अब और सुंदर दिखेगा।

# मारवाड़ी युवा मंच व प्रगति शाखा ने राष्ट्रभाषा विद्यालय में किया पौधारोपण

**खबर संवाददाता**

**जोरहाट, 5 जून।** मारवाड़ी युवा मंच की जोरहाट और जोरहाट प्रगति शाखा ने आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शहर के राजा मैदाम रोड स्थित राष्ट्रभाषा विद्यालय में पौधारोपण किया। पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिए दोनों संगठन के सदस्य-सदस्याएं आज सुबह विद्यालय पहुंचे और विद्यालय के परिसर में विभिन्न तरह के फूलों और छायादार वृक्षों के पौधे लगाए। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाध्यापिका मनवारा बेगम ने पौधों को लगाने के साथ उसके संरक्षण का संदेश दिया। इस मौके पर विद्यालय की मुख्य प्रशासिका डॉली दत्त, मारवाड़ी युवा मंच, जोरहाट शाखा के अध्यक्ष अरविंद राठी, सचिव जितेश पटवारी, कोषाध्यक्ष तरण सोनी तथा जोरहाट प्रगति शाखा की अध्यक्ष लक्ष्मी सारडा, सचिव मयूरी गट्टाणी व कोषाध्यक्ष रुचिका अग्रवाल के साथ दोनों ही शाखा के सदस्य भारी संख्या में उपस्थिति रहे। इस आशय की जानकारी राष्ट्रभाषा विद्यालय की ओर से सहायक शिक्षक जितेंद्र कुमार भारती ने एक प्रेस विज्ञप्ति में दी है।

# कोयला मंत्रालय ने अवैध खनन पर रोक के लिए अधिकारियों को प्रवर्तन शक्तियां प्रदान

**संवाददाता**

**मार्घेरिटा 5 जून।** अवैध खनन, कोयला चोरी तथा खनिजों के अनधिकृत परिवहन के खिलाफ कार्रवाई को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, कोयला मंत्रालय ने माइन्स एंड मिनरल्स (डेवलपमेंट एंड रेगुलेशन) अधिनियम, 1957 की धारा 22, 23बी और 24 के तहत कोल इंडिया लिमिटेड () तथा इसकी इकाइयों, जिनमें नॉर्थ ईस्टर्न कोलफील्ड्स () भी शामिल है, के नामित अधिकारियों एवं सुरक्षा कर्मियों को विशेष प्रवर्तन शक्तियाँ प्रदान की हैं।राजपत्र (गजट) अधिसूचनाओं के माध्यम से प्रदान की गई इन शक्तियों के तहत अधिकृत अधिकारी अवैध खनन, कोयले के गैरकानूनी उत्खनन तथा खनिजों के अनधिकृत परिवहन से संबंधित अपराधों का पता लगाने, उन्हें रोकने और उनकी रिपोर्ट करने में सहायता कर सकेंगे। इस कदम का उद्देश्य राष्ट्रीय संसाधनों की सुरक्षा करना, राजस्व हानि को कम करना तथा खनन कानूनों के अनुपालन को मजबूत बनाना है। नॉर्थ ईस्टर्न कोलफील्ड्स () के लिए यह अधिकार असम स्थित उसके खनन क्षेत्रों में निगरानी और प्रवर्तन गतिविधियों को अधिक प्रभावी बनाने हेतु कानूनी आधार को मजबूत करेगा। अधिकारी अब जांच में सहयोग करने, साक्ष्य एकत्र करने तथा अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए जिला प्रशासन और पुलिस एजेंसियों के साथ अधिक प्रभावी समन्वय स्थापित करने में सक्षम होंगे। यह विकास और असम पुलिस द्वारा हाल के समय में चलाए गए संयुक्त अभियानों के बाद हुआ है, जिनमें कई गिरफ्तारियाँ की गईं तथा अवैध रूप से निकाले गए कोयले और खनन उपकरण जब्त किए गए। अधिकारियों का मानना है कि नई शक्तियाँ अवैध खनन के खिलाफ अभियान को और मजबूत करेंगी तथा देश की खनिज संपदा की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगी।यह पहल भारत सरकार के खनन क्षेत्र में जवाबदेही, पारदर्शिता और कानून प्रवर्तन को सुदृढ़ करने के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है, साथ ही खनिज संसाधनों के सतत और वैध दोहन को सुनिश्चित करने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है।

# फिलोबाड़ी में करंट लगने से छात्र की दर्दनाक मौत

## अंचल में शोक की लहर

संवाददाता

दुमदुमा 5 जून,। तिनसुकिया जिला के फिलोबाड़ी थाना क्षेत्र के अंतर्गत नाजिराटिंग गांव में एक दुखद हादसे में आठवीं कक्षा के छात्र की करंट लगने से मृत्यु हो गई। मृतक की पहचान अयनज्योति मोरान के रूप में हुई है, जो पीएम श्री फिलोबाड़ी हाई इंग्लिश स्कूल का छात्र है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अयनज्योति मोरान अपने घर के एक पंखे की मरम्मत कर रहा था। इसी दौरान वह अचानक विद्युत स्पर्श की चपेट में आ गया। करंट लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। मृतक छात्र नाजिराटिंग गांव निवासी सत्यजीत मोरान का पुत्र था। अयनज्योति की असामयिक मृत्यु की खबर फैलते ही पूरे अंचल में शोक की लहर दौड़ गई। स्थानीय लोगों, विद्यालय परिवार तथा शुभचिंतकों ने गहरा दुःख व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की है। इस हृदयविदारक घटना से गांव में मातम का माहौल है। विद्यालय के शिक्षकों एवं सहपाठियों ने भी छात्र के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

# मोरान में स्वच्छता, वृक्षारोपण एवं जन-जागरूकता अभियान; थानाओं में छात्रों को दी गई कार्यप्रणाली की जानकारी

**मोरानहाट : सं. : 4 जून :** डिब्रूगढ़ जिला अंतर्गत मोरान राजस्व चक्राधिकारी कार्यालय के चक्राधिकारी अंकनज्योति फुकन, टिंगखांग समजिला पुलिस अधीक्षक ब्रांडन दैमारी, मोरान थाना प्रभारी दांतेजीत देवरी, मोरान आंचलिक व्यवसायी संस्था, बीडीपी मोरान थाना समिति तथा मोरान थाना परिचालना समिति के संयुक्त सहयोग से नगर क्षेत्र में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत सार्वजनिक स्थानों की सफाई की गई और साथ ही नगर में अवैध रूप से लगाए गए बैनर एवं पोस्टरों को हटवाया गया। अभियान के दौरान पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वृक्षारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न स्थानों पर पौधे रोपे गए। अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से स्वच्छता बनाए रखने और सार्वजनिक स्थलों पर अनधिकृत प्रचार सामग्री न लगाने की अपील की। दूसरी ओर चराईदेव जिले के मोरानहाट थाना क्षेत्र में भी इसी तरह का स्वच्छता अभियान और वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर नेहरू हिन्दी विद्यालय के छात्रों को थाना परिसर का भ्रमण कराया गया और उन्हें पुलिस थाने की कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया। माहमारा समजिला पुलिस अधीक्षक गजानंद शर्मा एवं मोरानहाट थाना प्रभारी दिपज्योति सोनोवाल ने छात्रों को थाने के विभिन्न विभागों, रिकॉर्ड संधारण (लेखाजोखा) और दैनिक कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही वृक्षारोपण कार्यक्रम में भी सक्रिय भागीदारी करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। अधिकारियों ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य केवल स्वच्छता बढ़ाना ही नहीं, बल्कि युवाओं में प्रशासनिक व्यवस्था के प्रति समझ विकसित करना और समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाना भी है। स्थानीय लोगों और छात्रों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया।

# 48 घंटे के तिनसुकिया-डिब्रूगढ़ जिला बंद का तिनसुकिया में व्यापक असर दिखा

**खबर संवाददाता**

**तिनसुकिया,5 जून।** मोरान और मटक जनगोष्टी संगठनों द्वारा दिये गये 48 घंटे के तिनसुकिया-डिब्रूगढ़ जिला बंद का तिनसुकिया में व्यापक असर दिखने को मिला।दोनो जनगोष्टीय संगठनों द्वारा यह बंद लंबित जनजातिकरण की मांग तथा दोनों समुदायों के किसी भी विधायक को राज्य मंत्रिमंडल में स्थान नहीं दिए जाने के विरोध में बुलाया गया था।जिसका तिनसुकिया में व्यापक प्रभाव देखने को मिला।बंद के चलते तिनसुकिया शहर के अधिकांश व्यावसायिक प्रतिष्ठान,बाजार और दुकानें पूरी तरह बंद रही।शहर के प्रमुख सड़कों पर सामान्य दिनों की अपेक्षा यातायात काफी कम रहा, सड़को पर पूरी तरह के सन्नाटा पसरा हुआ दिखाई पड़ा और आम जनजीवन भी काफी प्रभावित हुआ। बंद समर्थकों ने तिनसुकिया थाना चाराली पर अपनी मांगों के समर्थन में जोरदार प्रदर्शन किया।इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर टायर जलाकर विरोध जताया तथा राज्य और केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। दोनो जनगोष्टी के नेताओ द्वारा सरकार पर जनजाति करण दर्जा दिए जाने के नाम पर वादाखिलाफी किये जाने के साथ ही राजनैतिक रूप से भी उपेक्षित करने का गंभीर आरोप लगाया गया।जिसका जीता जागता उदाहरण राज्य के वर्तमान मंत्रीमंडल में उनके जनगोष्टी के किसी भी विधायक को स्थान नही प्रदान करना है।वही दोनो जनगोष्टी के नेताओ द्वारा जनजातिकरण की लंबित मांग को शीघ्र पूरा करने और मोरान-मटक समुदाय को उचित राजनीतिक प्रतिनिधित्व दिया जाने की मांग की गई। संगठनों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक पहल नहीं की गई तो भविष्य में आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

# छात्रा के छोटे व्यवसाय में बाधा डालने का आरोप

**रंगिया, 5 जून (नि.सं)।** रंगिया के तुलसीबाड़ी क्षेत्र की एक कॉलेज छात्रा ने अपने छोटे व्यवसाय में बाधा डालने और धमकाने का आरोप लगाते हुए प्रशासन से न्याय की गुहार लगायी है। पीड़िता दीक्षिता कलिता स्नातक द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा हैं, घर पर केक बनाकर एक छोटी दुकान के माध्यम से बिक्री करती हैं। दीक्षिता के कथनानुसार अपनी पढ़ाई का खर्च वहन करने के उद्देश्य से यह व्यवसाय शुरू किया था। आरोप है कि कामेश्वर और संजय नामक पिता-पुत्र उनके व्यवसाय संचालन में लगातार बाधाएं उत्पन्न कर रहे हैं। पीड़िता का कहना है कि उन्हें अभद्र भाषा में गाली-गलौज की गई तथा विभिन्न प्रकार की धमकियां भी दी गयी। इसके अलावा दुकान के सामने टेम्पो खड़ा कर और कुर्सियां लगाकर ग्राहकों के आवागमन में बाधा पहुंचाई जा रही है, जिससे व्यवसाय प्रभावित हो रहा है। दीक्षिता ने बताया कि लगातार हो रही इन घटनाओं से वह मानसिक रूप से काफी परेशान हैं। उन्होंने पूरे मामले को सोशल मीडिया पर भी साझा किया है। घटना से संबंधित एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहा है। पीड़िता द्वारा प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग के पश्चात पुलिस ने कामेश्वर कलिता को गिरफ्तार कर थाने लाया गया। जहां समझा बुझाकर मामले को शांत किया गया। वहीं घटना को लेकर क्षेत्र में भी चर्चा का माहौल बना हुआ है।

onyx®
high technology batteries
An ISO 9001 : 2015 Certified Company
SUPREME POWER INDUSTRIES
Mfg. of all types of Inverter, Automotive & E-Rick Batteries
Mariani Road, Cinnamara, Jorhat (Assam) 785008
E-mail : onyxbatteries@gmail.com
For Trade Enquiry Dial :
94350-52877/91018-74862
DEALER
JORHAT- 99546-01024, 98540-10510, 70026-10137, 94350-96629
NAGAON-94351-62696 LAKHIMPUR- 94351-82787 BORPATHAR-
94357-42389 SARUPATHAR- 70020-37117 BOKAJAN- 94351-82777,
70026-02799, 75770-99894, 99545-87019, 70028-58905 AMGURI-
73990-23273 SIVASAGAR- 99545-65426, 99545-55870, 94351-56225,
70027-45052 DIBRUGARH- 99544-75308 TINSUKIA- 70027-10942
MOKOKCHUNG- 98626-72609, 84138-48878 DIMAPUR- 94366-02206,
98561-08750, 70051-20250